राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

03 ड्रोन तकनीक से होगी स्मार्ट खेती, किसानों की लागत घटेगी और आय बढ़ेगी : विजय

मशहद पहुंचा अली खामेनेई का शव,इमाम रजा दरगाह में होगा अंतिम संस्कार, 12

वर्ष : 14 | अंक : 91 | पटना, शुक्रवार, 10 जुलाई, 2026 | विक्रम संवत् 2082 | पेज : 12 मूल्य : 03.00 | www.pratahkiran.com

मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री की उपस्थिति में विभागीय कार्यों की समीक्षा

एक करोड़ नये राशन कार्ड बनाने के लक्ष्य को जल्द पूरा करें : सम्राट

सीएम बोलें–राशन वितरण व्यवस्था की नियमित एवं प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित हो

प्रात : किरण

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गुरूवार को लोक सेवक आवास स्थित संकल्प सभागार में केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रहलाद जोशी के साथ विभागीय योजनाओं एवं सार्वजनिक वितरण प्रणाली की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में खाद्य सुरक्षा को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं तकनीक आधारित बनाने पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक में उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, भारत सरकार के संयुक्त सचिव रविशंकर, बिहार सरकार में खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के सचिव दीपक आनंद ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विभाग के कार्यों की अद्यतन स्थिति की जानकारी दी। बैठक में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के सफल क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए खाद्यान्न भंडारण व्यवस्था को आधुनिक बनाने के लिए स्मार्ट वेयरहाउसिंग विकसित करने पर विशेष बल दिया गया। साथ ही सार्थक ढऊरह्ल मॉडल, उसके विभिन्न मॉड्यूल, तकनीकी संरचना एवं लागत साझेदारी के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा हुई।

लाभार्थियों का सटीक एवं अद्यतन डेटाबेस तैयार हो

बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि विभाग की सभी योजनाओं के लाभार्थियों का व्यापक एवं अद्यतन डेटाबेस तैयार किया जाए, ताकि पात्र व्यक्तियों तक योजनाओं का लाभ समयबद्ध एवं पारदर्शी ढंग से पहुँच सके। एक करोड़ नये राशन कार्ड बनाने के लक्ष्य को जल्द प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि बिहार की ऑनलाइन सार्वजनिक वितरण प्रणाली का प्रदर्शन सराहनीय है और इसे और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में निरंतर कार्य किया जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राशन वितरण व्यवस्था की नियमित एवं प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए, ताकि प्रत्येक पात्र लाभार्थी को सम्मानपूर्वक एवं बिना किसी बाधा के खाद्यान्न उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गरीब कल्याण विद डिग्निटी के संकल्प को धरातल पर पूरी प्रतिबद्धता के साथ लागू करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

गुणवत्ता, सुरक्षा एवं रख–रखाव पर विशेष ध्यान रहे

मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिया

कि राज्य के सभी खाद्यान्न गोदामों (वेयरहाउस) की गुणवत्ता, सुरक्षा एवं रख-रखाव पर विशेष ध्यान दिया जाए, जिससे खाद्यान्न का सुरक्षित भंडारण सुनिश्चित हो तथा सार्वजनिक वितरण प्रणाली और अधिक मजबूत एवं विश्वसनीय बन सके। सभी खाद्यान्न गोदामों में विद्युत आपूर्ति के साथ-साथ बुनियादी सुविधायें उपलब्ध करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार के जो सुझाव प्राप्त हुये हैं उसके आलोक में विभाग समन्वय बनाकर तेजी से लक्ष्य को प्राप्त करे। केन्द्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी जी ने बिहार आकर योजनाओं की समीक्षा की और बिहार की तरक्की के लिये जो सहयोग का आश्वासन दिया है उसके लिये आभार व्यक्त करते हैं।

ये रहे मौजूद

बैठक में केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रहलाद जोशी, बिहार सरकार के खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री अशोक चौधरी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, मुख्यमंत्री के सचिव लोकेश कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव संजय कुमार सिंह, उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, भारत सरकार के संयुक्त सचिव रविशंकर, बिहार सरकार में खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभगा के सचिव दीपक आनंद सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

किसानों को सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक एग्रीकल्चर फीडर से विद्युत आपूर्ति हो : सीएम

मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय ऊर्जा मंत्री ने बिहार में नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं की विस्तृत समीक्षा की

- प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का प्रभावी एवं व्यापक क्रियान्वयन करते हुये लक्ष्य को तेजी से प्राप्त करने का निर्देश।
- पीएम–कुसुम योजना के तहत कृषि क्षेत्र के सौरकरण को गति देने पर बल।
- बिहार में फ्लोटिंग सोलर परियोजनाओं की संभावनाओं का अध्ययन कर नई योजनाएं तैयार करने का निर्देश।
- ग्रीन हाइड्रोजन नीति तैयार करने की दिशा में कार्य प्रारंभ करने पर सहमति
- राज्य में नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में निजी निवेश आकर्षित करने के लिए अनुकूल वातावरण विकसित करने का निर्देश।

प्रात : किरण

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गुरूवार को लोक सेवक आवास स्थित संकल्प सभागार में केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रहलाद जोशी के साथ बिहार में नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र के विकास एवं ऊर्जा सुरक्षा को लेकर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में राज्य में स्वच्छ ऊर्जा के विस्तार, ऊर्जा आत्मनिर्भरता तथा भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप नई परियोजनाओं पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। बैठक में नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार के सचिव संतोष कुमार सारंगी एवं बिहार सरकार में ऊर्जा विभाग के सचिव श्री अजय यादव ने नवीकरणीय ऊर्जा को लेकर प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विस्तृत जानकारी दी। बैठक में नई नई दिल्ली से नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार के सचिव संतोष कुमार सारंगी एवं उनकी टीम तथा बिहार के विभिन्न जिलों के जिलाधिकारी वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम ये जुड़े हुये थे।

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का प्रभावी एवं व्यापक क्रियान्वयन हो

बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के प्रभावी एवं व्यापक क्रियान्वयन कर तेजी से लक्ष्य को प्राप्त करें। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि पात्र परिवारों को योजना का अधिकतम लाभ उपलब्ध कराने के लिए जनजागरूकता बढ़ाई जाए तथा सभी प्रक्रियाओं को सरल एवं समयबद्ध बनाया जाए। जिलाधिकारी अपने-अपने जिलों के लिये निर्धारित लक्ष्य को तेजी से प्राप्त करें।

सूबे में फ्लोटिंग सोलर की काफी संभावनाएं

मुख्यमंत्री ने पीएम-कुसुम योजना के अंतर्गत कृषि क्षेत्र के सौरकरण को प्राथमिकता देने पर बल देते हुए कहा कि किसानों को सौर ऊर्जा आधारित सिंचाई सुविधाएं उपलब्ध कराने से कृषि लागत कम होगी तथा स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा। बिहार में फ्लोटिंग सोलर की काफी संभावना है। राज्य के जलाशयों एवं अन्य उपयुक्त स्थलों का वैज्ञानिक अध्ययन कर नई परियोजनाओं की कार्ययोजना तैयार करें, जिससे बिहार नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन में नई उपलब्धियां हासिल कर सके। बैठक के दौरान राज्य के लिए ग्रीन हाइड्रोजन नीति तैयार करने की दिशा में आवश्यक पहल करने पर भी विचार किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि भविष्य की ऊर्जा आवश्यकताओं एवं औद्योगिक विकास को ध्यान में रखते हुए बिहार को उभरती हुई स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के लिए तैयार करना आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने राज्य में नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में निजी निवेश आकर्षित करने हेतु निवेशकों के लिए अनुकूल एवं पारदर्शी वातावरण विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बिहार की सौर ऊर्जा क्षमता का वैज्ञानिक आकलन कर उसका अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जाए तथा उत्पादन, वितरण एवं ऊर्जा अवसंरचना को सुदृढ़ बनाया जाए।

सभी नवीकरणीय ऊर्जा योजनाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान वैश्विक भू-राजनीतिक परिस्थितियों तथा जीवाश्म ईंधनों एवं परिवहन श्रृंखलाओं से जुड़ी अनिश्चितताओं को देखते हुए भारत को स्वच्छ एवं आत्मनिर्भर ऊर्जा की दिशा में तेजी से आगे बढ़ना होगा। सभी नवीकरणीय ऊर्जा योजनाओं का सुव्यवस्थित एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए, ताकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को बिहार में प्रभावी रूप से साकार किया जा सके। केंद्रीय मंत्री श्री प्रह्लाद जोशी जी का विशेष तौर पर आभार व्यक्त करते हैं कि उन्होंने बिहार आकर योजनाओं की समीक्षा की। साथ ही बिहार को नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाने के लिये जो सुझाव दिया है उस पर तेजी से कार्य करेंगे।

ये रहे मौजूद :

बैठक में केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रहलाद जोशी, बिहार सरकार के ऊर्जा मंत्री शैलेश कुमार उर्फ बुलो मंडल, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार के सचिव संतोष कुमार सारंगी, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार के संयुक्त सचिव अनुपम कुमार, बिहार सरकार में ऊर्जा विभाग के सचिव अजय यादव, मुख्यमंत्री के सचिव संजय कुमार सिंह सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

कर्नाटक : सड़क हादसे में छह लोगों की मौत

यल्लापुर । प्रदेश के उत्तर कन्नड़ जिले के यल्लापुर तालुक के अरबैल घाट स्थित बलगार के पास गुरुवार तड़के एक क्रूजर वाहन और ट्रक के बीच हुई आमने-सामने की टक्कर में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, धारवाड़ के पर्यटक धर्मस्थल और चिक्कमगलूर की यात्रा पर जा रहे थे। इसी दौरान अरबैल घाट में उनके क्रूजर वाहन की ट्रक से भिड़ंत हो गई। मृतकों में पांच की पहचान बसवराज, अभिषेक ईश्वर, अक्षय , अभिषेक , संजीव/संजय अंगडी के रूप में हुई है। एक व्यक्ति की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। घायलों में शिवराज दुर्गप्पा मडिवाल , मंजूनाथ अशोक चुलकी , सचिन तथा चेन्नबसैया बसलिंगैया संपगांव शामिल हैं। सभी का अस्पताल के गहन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू) में इलाज चल रहा है। यल्लापुर पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया है।

प्रधानमंत्री ने जताया शोक

नई दिल्ली /एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले के कारवार में हुई दुर्घटना पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले के कारवार में हुई यह दुर्घटना अत्यंत दुखद है। इस कठिन घड़ी में उनकी संवेदनाएं मृतकों के परिजनों के साथ हैं। उन्होंने दुर्घटना में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी प्रार्थना की।

अमरनाथ गुफा के लिए 8,000 से ज्यादा तीर्थयात्रियों का आठवां जत्था जम्मू से रवाना

जम्मू /एजेंसी। कड़ी सुरक्षा के बीच गुरुवार को 8000 से ज्यादा अमरनाथ तीर्थयात्रियों का आठवां जत्था जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास बेस कैंप से दक्षिण कश्मीर हिमालय में स्थित गुफा मंदिर के दो बेस कैंपों के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों ने बताया कि 8150 तीर्थयात्री सुबह-सुबह जम्मू बेस कैंप से 334 गाड़ियों (जिनमें हल्की और भारी मोटर गाड़ियां शामिल थीं) के काफिले में रवाना हुए। इस जत्थे में बालटाल के लिए 3445 और पहलगाम के लिए 4705 तीर्थयात्री शामिल थे। वे कई स्तरों वाली सुरक्षा व्यवस्था के बीच यात्रा के लिए रवाना हुए।

बांकीपुर उपचुनाव : भाजपा व राजद प्रत्याशी ने किया नामांकन

एनडीए व महागठबंधन के नेताओं ने दिखाई एकजुटता

प्रात : किरण

पटना। बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के लिए बीजेपी उम्मीदवार अभिषेक कुमार और राष्ट्रीय जनता दल प्रत्याशी रेखा गुप्ता अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। बांकीपुर विधानसभा सीट पर 30 जुलाई को वोट डाले जाएंगे और वोटों की गिनती 3 अगस्त की जाएगी। भाजपा प्रत्याशी अभिषेक कुमार बंटी ने पटना समाहरणालय पहुंचकर अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी सहित राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के वरिष्ठ नेताओं के साथ बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे। नामांकन दाखिल करने के बाद अभिषेक कुमार बंटी ने कहा कि बांकीपुर की जनता हमेशा विकास, सुशासन और राष्ट्रहित की राजनीति के साथ खड़ी रही है। उन्हें विश्वास जताते हुए कहा कि इस उपचुनाव में भी जनता अपना भरपूर समर्थन देकर ऐतिहासिक विजय दिलाएगी।

राजद प्रत्याशी रेखा गुप्ता ने अपनी जीत का दावा ठोका

राजद प्रत्याशी रेखा गुप्ता ने अपनी जीत का दावा ठोका है और कहा कि वो इस बार जरूर जीतेंगी। राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश प्रवक्ता अरुण कुमार यादव ने बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में महागठबंधन समर्थित राष्ट्रीय जनता दल की उम्मीदवार रेखा गुप्ता के नामांकन उपरांत महागठबंधन समर्थित राजद उम्मीदवार रेखा गुप्ता की ऐतिहासिक जीत का दावा करते हुए कहा कि बांकीपुर विधानसभा की जनता ने बदलाव का संकल्प ले लिया है।

अमेरिका, ईरान ने पश्चिम एशिया में एक–दूसरे पर हमले तेज किए

प्रात : किरण

दुबई/ एजेंसी। अमेरिका ने बृहस्पतिवार तड़के ईरान पर एक बार फिर हवाई हमले किए, जिसके जवाब में ईरान ने उसके सहयोगी पश्चिम एशियाई देशों को निशाना बनाया। दोनों तरफ से हुए हमलों के कारण वह अस्थाई समझौता खतरा में पड़ गया है, जिसका मकसद पश्चिम एशिया में युद्ध खत्म करने में मदद करना था।

बुधवार को भी दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर हमले किए थे, लेकिन बृहस्पतिवार के हमले पहले से ज्यादा बड़े थे। बहरीन में कम से कम तीन बार सायरन बजे। कुवैत और कतर पर भी मिसाइलें दागी गईं। बहरीन में अमेरिकी नौसेना के पांचवें बेड़े का मुख्यालय है।

बृहस्पतिवार दोपहर जॉर्डन में भी सायरन बजे, जहां अमेरिका ने अपने सैनिक और विमान तैनात रखे हैं।

ईरान के एक अधिकारी ने आरोप लगाया कि बृहस्पतिवार को अमेरिका ने ईरान के एकमात्र परमाणु ऊर्जा संयंत्र के आसपास हवाई हमला किया और दोपहर में देश के दूसरे हिस्सों से भी विस्फोटों की खबरें आईं।

ये हमले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक बयान के कुछ घंटे बाद हुए, जिसमें उन्होंने कहा था कि होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों पर ईरान के हालिया हमले युद्धविराम के खत्म होने का संकेत हैं। उन्होंने चेतावनी दी थी कि अगर ये हमले नहीं रुके तो संघर्ष और बढ़ सकता है।इसके बाद पूरे क्षेत्र में एक बार फिर बड़े युद्ध की चपेट में आने की आशंका बढ़ गई। ऐसा होने पर कई देश प्रभावित होंगे और होर्मुज जलडमरूमध्य से ऊर्जा आपूर्ति भी रुक सकती है, जो वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि पिछले दो दिन में अमेरिकी हवाई हमलों में कम से कम 14 लोगों की मौत हुई है और 78 लोग घायल हुए हैं। इनमें ज्यादातर सुरक्षा बलों के सदस्य बताए गए हैं।

कुवैत की सेना ने कहा कि उसने तीन बैलिस्टिक मिसाइलें, एक क्रूज मिसाइल और 10 ड्रोन मार गिराए। बहरीन ने कहा कि उसने भी हमलों को रोका है। कतर में नुकसान के बारे में तत्काल कोई जानकारी नहीं मिली।

अमेरिकी सेना के सेंट्रल कमांड ने कहा कि उसने ईरान में करीब 90 ठिकानों पर हमला किया। कमांड ने हवाई अड्डे के रनवे और मिसाइल लॉन्चर पर हमलों के कुछ वीडियो साझा किए।अमेरिका ने कहा कि इन हमलों का मकसद होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही को खतरे में डालने की ईरान की क्षमता को कमजोर करना था।युद्ध के दौरान जहाजों पर हुए हमलों और उनके खतरे की वजह से होर्मुज जलडमरुमध्य पर आवाजाही

देश को घुसपैठिया मुक्त बनाने की दिशा में तेजी से हो रहा काम: शाह

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी । केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि सीमा सुरक्षा को अभेद्य बनाने के लिए मोदी सरकार ने चतुष्कोणीय सुरक्षा ग्रिड का निर्माण किया है जिससे हमने अपनी अप्रोच को रिएक्टिव से प्रोएक्टिव में बदला है। मोदी सरकार आइसोलेटेड सीमा चौकी की व्यवस्था से एकीकृत सुरक्षा ग्रिड का निर्माण करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। गृह मंत्री ने सीमांत क्षेत्रों में असामान्य कारणों से जनसांख्यिकी में हो रहे बदलाव की सूचना जल्द से जल्द नीचे से उच्चतम स्तर तक पहुंचाने के महत्व पर बल दिया।

श्री अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार 31 हजार करोड़ से 1610 किलोमीटर लंबे म्यांमार बॉर्डर पर बाड़बंदी कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रॉक्सी वार, घुसपैठ, कट्टरपंथ का प्रसार, नारकोटिक्स, तस्करी, ड्रोन, साइबर अपराध, संगठित अपराध और जनसांख्यिकीय परिवर्तन रोकना, सीमा को रहने लायक बनाना और वहां से पलायन रोकना और सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारे उद्देश्य हैं।और नक्सलवाद से निजात मिली है जो हमारी साझी सफलता का सूचक है। उन्होंने कहा कि आने वाले 3 सालों में हम नारकोटिक्स की समस्या को गंभीर क्षति पहुंचाकर इस पर भी विजय प्राप्त करेंगे। उन्होंने कहा कि देश को घुसपैठिया मुक्त बनाने और घुसपैठ हो ही न सके, इसके लिए एक मजबूत तंत्र

का निर्माण कर रहे हैं। श्री शाह ने कहा कि पहले समस्याएं स्थायी और समाधान अस्थायी थे, मोदी सरकार में समस्याओं की जड़ पर प्रहार कर समाधानों को स्थायी बनाया जा रहा है।श्री अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने बॉर्डर इन्फ्रास्ट्रक्चर में 400 प्रतिशत वृद्धि कर वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ इसे आगे बढ़ाया है। प्रधानमंत्री मोदी जी ने वायब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम के तहत देश के अंतिम गांव को देश का प्रथम गांव कहा है, इसके तहत पलायन रोकने, रोजगार बढ़ाने और सरकारी योजनाओं का शत प्रतिशत क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है। श्री शाह ने कहा कि मोदी जी ने जनसांख्यिकी परिवर्तन का अध्ययन करने, उसमें असामान्य कारणों से हो रही वृद्धि को चिन्हित करने और भविष्य में इसे रोकने के उपाय सुझाने के लिए डेमोग्राफी मिशन की शुरूआत की है। उन्होंने कहा कि रूथलैस अप्रोच के साथ जनसांख्यिकी में असामान्य कारणों से हो रही वृद्धि को रोकना मोदी सरकार का संकल्प है। गृह मंत्री ने कहा कि सीमांत क्षेत्रों में हो रहे जनसंख्यिकी परिवर्तन का मूल कारण घुसपैठ है।

भारत–ऑस्ट्रेलिया ने व्यापार, परमाणु ऊर्जा और रक्षा सहयोग को नई गति देने का संकल्प लिया : मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मेलबर्न में प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज के साथ सार्थक वार्ता की

प्रात : किरण

मेलबर्न /एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज के बीच गुरुवार को यहां आयोजित तीसरे वार्षिक शिखर सम्मेलन के बाद हुई संयुक्त प्रेस वार्ता में दोनों देशों ने व्यापार, निवेश, परमाणु ऊर्जा, रक्षा, समुद्री सुरक्षा और शिक्षा समेत कई क्षेत्रों में सहयोग को नई गति देने का संकल्प व्यक्त किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दोनों देशों की व्यापक रणनीतिक साझेदारी ने पिछले कुछ वर्षों में अभूतपूर्व प्रगति की है और अब यह सहयोग नए आयाम हासिल कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पीएम एंथनी अल्बनीज के व्यक्तिगत प्रयासों और उनकी प्रतिबद्धता ने भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंधों को नई ऊंचाइयों और व्यापकता प्रदान की है। उन्होंने कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया दो जीवंत लोकतंत्र, बहुसांस्कृतिक समाज और हिंद-प्रशांत क्षेत्र की महत्वपूर्ण समुद्री शक्तियां हैं। दोनों देशों की समान सोच और साझा

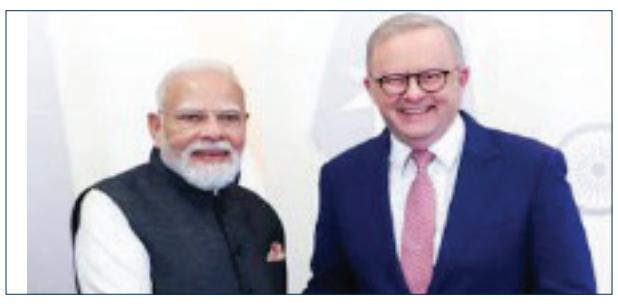

वैश्विक दृष्टिकोण आपसी विश्वास को लगातार मजबूत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2022 में हुए आर्थिक सहयोग एवं व्यापार समझौते के बाद दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश में लगातार वृद्धि हुई है। अब दोनों देशों ने व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते को शीघ्र अंतिम रूप देने का निर्णय लिया है, जो संतुलित, महत्वाकांक्षी और दोनों पक्षों के लिए लाभकारी होगा। प्रधानमंत्री ने बताया कि परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में आज महत्वपूर्ण समझौता हुआ है, जिससे ऑस्ट्रेलिया से भारत को यूरेनियम की आपूर्ति का मार्ग खुलेगा। उन्होंने कहा कि इससे भारत के स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों को नई मजबूती मिलेगी और ऊर्जा सुरक्षा भी सुदृढ़ होगी।

आतंकवाद पूरी मानवता की गंभीर चुनौती

रक्षा सहयोग का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि भारत-ऑस्ट्रेलिया रक्षा नवाचार गलियारे (डिफेंस इनोवेशन कॉरिडोर) के माध्यम से दोनों देशों के रक्षा स्टार्टअप और उद्योगों को जोड़ा जाएगा। साथ ही समुद्री सुरक्षा सहयोग रोडमैप के जरिए हिंद-प्रशांत क्षेत्र में साझा सुरक्षा प्रयासों को और मजबूत किया जाएगा। आतंकवाद के मुद्दे पर प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया का मानना है कि आतंकवाद किसी एक देश की नहीं बल्कि पूरी मानवता की गंभीर चुनौती है। इसलिए आतंकवाद के खिलाफ दोनों देशों की लड़ाई साझा है, संकल्प अटूट है और सहयोग लगातार मजबूत हो रहा है। उन्होंने कहा कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों में जारी संघर्षों और युद्धों का समाधान केवल संवाद और कूटनीति के माध्यम से संभव है। दोनों देश हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता, नौवहन की स्वतंत्रता और नियम-आधारित व्यवस्था को मजबूत करने के लिए मिलकर काम करेंगे।

रक्षा, ऊर्जा, शिक्षा और प्रौद्योगिकी सहित 18 प्रमुख समझौते

नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया ने व्यापक रणनीतिक साझेदारी के तहत गुरुवार को रक्षा, समुद्री सुरक्षा, ऊर्जा विशेषकर नाभिकीय ऊर्जा, साइबर सुरक्षा, शिक्षा, कौशल विकास, खनन, विज्ञान, प्रौद्योगिकी तथा सांस्कृतिक विरासत सहित विभिन्न क्षेत्रों में 18 महत्वपूर्ण समझौतों और पहलों को अपनाया है।

ऑस्ट्रेलिया भारतीय छात्रों के लिए पसंदीदा शिक्षा गंतव्य

मोदी ने कहा कि भारतीय मूल के लोग ऑस्ट्रेलिया के आर्थिक और सामाजिक जीवन में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया भारतीय छात्रों के लिए पसंदीदा शिक्षा गंतव्य रहा है और भारत में ऑस्ट्रेलियाई विश्वविद्यालयों के परिसर खुलने से दोनों देशों की ज्ञान साझेदारी का नया अध्याय शुरू हुआ है। उन्होंने कहा कि दोनों देश छात्रों, पेशेवरों और पर्यटकों के बीच आवागमन और संपर्क बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास करते रहेंगे।

नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा बिहार : जोशी

- पीएम सूर्य घर एवं पीएम–कुसुम योजनाओं को गति देने पर केंद्र एवं बिहार में सहमति

प्रात : किरण

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी एवं केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी की उपस्थिति में गुरुवार को संकल्प, 1 अणे मार्ग में बिहार में नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की प्रगति, आगामी कार्ययोजना तथा विभिन्न अक्षय ऊर्जा योजनाओं के प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन को लेकर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान बिहार के ऊर्जा सचिव सह अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड अजय यादव ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से राज्य में संचालित नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की योजनाओं, प्रगति, उपलब्धियों तथा भावी परियोजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि भारत सरकार राज्यों को नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में हरसंभव सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के पास विभिन्न योजनाओं के लिए पर्याप्त संसाधन उपलब्ध हैं तथा बिहार यदि योजनाओं का समयबद्ध एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करता है तो आवश्यक वित्तीय एवं तकनीकी सहयोग प्रदान करने में कोई कमी नहीं रखी जाएगी।

केंद्रीय मंत्री ने फ्लोटिंग सोलर, बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली, लघु जल विद्युत परियोजनाओं तथा ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर जैसी उभरती हुई नवीकरणीय ऊर्जा पहलों में भी बिहार को सक्रिय रूप से आगे बढ़ने का सुझाव दिया तथा इन क्षेत्रों में उपलब्ध केंद्रीय योजनाओं का लाभ उठाने के लिए समय पर प्रस्ताव तैयार करने और आवश्यक कार्यवाही में तेजी लाने पर बल दिया। ऊर्जा मंत्री शैलेश कुमार उर्फ बुलो मंडल ने कहा कि बिहार सरकार केंद्र सरकार के सहयोग से नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में तेजी से कार्य कर रही है।

बिहार के स्वास्थ्य सचिव ने एम्स पटना में राष्ट्रीय मास्टर ट्रेनर कार्यक्रम का किया शुभारंभ, नवजात सुरक्षा को मिलेगी नई मजबूती

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। हर नवजात का जीवन सुरक्षित और बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के साथ शुरू हो, इसी उद्देश्य को लेकर एम्स पटना ने गुरुवार को ह्लसुरक्षित नवजात एवं बाल देखभाल रोगी सुरक्षा मॉड्यूलह्व पर आधारित दो दिवसीय राष्ट्रीय मास्टर ट्रेनिंग (ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स) कार्यक्रम का शुभारंभ किया। यह प्रशिक्षण 9 और 10 जुलाई 2026 को आयोजित किया जा रहा है।इस राष्ट्रीय कार्यक्रम में 57 संकाय सदस्य, चिकित्सा पदाधिकारी और नर्सिंग अधिकारी भाग ले रहे हैं। ये प्रतिभागी बिहार के विभिन्न सरकारी मेडिकल कॉलेजों, जिला अस्पतालों तथा एम्स पटना, एम्स कल्याणी और एम्स देवघर के नवजात गहन चिकित्सा इकाइयों में कार्यरत हैं। प्रशिक्षण पूरा करने के बाद सभी प्रतिभागी मास्टर ट्रेनर बनेंगे और अपने अपने संस्थानों में स्वास्थ्यकर्मियों को प्रशिक्षित कर नवजात रोगी सुरक्षा को और मजबूत करेंगे।कार्यशाला में दवा सुरक्षा, संक्रमण की रोकथाम एवं नियंत्रण, सुरक्षित उपचार पद्धतियां, प्रभावी संवाद और गुणवत्ता सुधार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है ताकि नवजातों की देखभाल को और अधिक सुरक्षित एवं प्रभावी बनाया जा सके।इस प्रशिक्षण का संचालन चंडीगढ़, नई दिल्ली, एम्स पटना और आईजीआईएमएस के राष्ट्रीय विशेषज्ञों द्वारा किया जा रहा है। नवजात शिशु रोग, बाल रोग, औषधि विज्ञान, सूक्ष्मजीव विज्ञान और आपातकालीन चिकित्सा विभागों के विशेषज्ञ प्रतिभागियों को व्यावहारिक और आधुनिक तकनीकों से प्रशिक्षित कर रहे हैं।

कार्यक्रम का उद्घाटन एम्स पटना के ई-क्लासरूम में भारत सरकार, बिहार सरकार और विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ।

इस मौके पर मुख्य अतिथि बिहार सरकार के स्वास्थ्य विभाग के सचिव कुमार रवि ने कहा कि नवजातों की सुरक्षित देखभाल के लिए प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने इस राष्ट्रीय पहल के लिए एम्स पटना की सराहना करते हुए विश्वास जताया कि यह प्रशिक्षण देशभर में नवजात स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को नई मजबूती देगा।विशिष्ट अतिथि डॉ. सुजाता चौधरी, अतिरिक्त महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं एवं प्रमुख, राष्ट्रीय रोगी सुरक्षा सचिवालय ने कहा कि रोगी सुरक्षा गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की सबसे मजबूत नींव है। उन्होंने सभी स्वास्थ्य संस्थानों में सुरक्षित उपचार प्रणाली और निरंतर प्रशिक्षण की आवश्यकता पर बल दिया।प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए एम्स पटना के कार्यकारी निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रो. (ब्रिगेडियर) डॉ. राजू अग्रवाल ने कहा कि नवजातों की सुरक्षित देखभाल केवल तकनीक से नहीं बल्कि प्रशिक्षित और संवेदनशील स्वास्थ्यकर्मियों से संभव है। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण देशभर में सुरक्षित नवजात देखभाल की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

राष्ट्रीय रोगी सुरक्षा सचिवालय के उप सहायक महानिदेशक डॉ. अविनाश सुंथलिया ने स्वास्थ्य सेवाओं में टीमवर्क, प्रभावी संवाद और मानकीकृत प्रक्रियाओं को रोगी सुरक्षा का आधार बताया।पीरामल फाउंडेशन के जीएवीबी के अध्यक्ष डॉ. सुनील बाबू ने सुरक्षित नवजात एवं बाल स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने में विभिन्न संस्थानों के बीच सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया।कार्यक्रम के दौरान कुमार रवि, आईएएस, डॉ. सुजाता चौधरी और प्रो. (ब्रिगेडियर) डॉ. राजू अग्रवाल ने एम्स पटना परिसर में पौधारोपण भी किया। यह पौधारोपण सुरक्षित भविष्य और स्वस्थ पर्यावरण के प्रति सामूहिक संकल्प का प्रतीक रहा।इस अवसर पर एम्स पटना के चिकित्सा अधीक्षक प्रो. डॉ. प्रशांत कुमार सिंह, डीन (अकादमिक, प्रभारी) प्रो. डॉ. संजय कुमार पांडेय, नवजात शिशु रोग विभागाध्यक्ष डॉ. भबेश कांत चौधरी, आपातकालीन चिकित्सा विभागाध्यक्ष डॉ. दिवेंदु भूषण, संस्थान के वरिष्ठ संकाय सदस्य, राष्ट्रीय प्रशिक्षक तथा देशभर से आए स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।प्रशिक्षण के समापन पर सभी 57 प्रतिभागियों को मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रमाणित किया जाएगा। इसके बाद वे अपने-अपने संस्थानों में प्रशिक्षण देकर सुरक्षित नवजात देखभाल की इस मुहिम को आगे बढ़ाएंगे।

फतुहा में विशेष अतिक्रमण हटाओ अभियान शुरू छोटी लाइन से गोविंदपुर बाजार तक कार्रवाई

प्रातः किरण संवाददाता

फतुहा। शहर में लगातार लगने वाले भीषण जाम से राहत दिलाने के उद्देश्य से नगर परिषद ने गुरुवार से विशेष अतिक्रमण हटाओ अभियान शुरू कर दिया। कार्यपालक पदाधिकारी जगन्नाथ प्रसाद यादव के नेतृत्व में छोटी लाइन क्षेत्र से शुरू हुए अभियान में जेसीबी मशीनों की मदद से सड़क किनारे, नालों के ऊपर किए गए अवैध निर्माण और अस्थायी दुकानों को हटाया जा रहा है। टीम छोटी लाइन से स्टेशन रोड होते हुए चौराहा और गोविंदपुर बाजार की ओर बढ़ रही है। प्रशासन ने बताया कि सड़क की चौड़ाई बढ़ाकर यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाना इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है। कार्रवाई से पहले 8 जुलाई को माइकिंग कर दुकानदारों और स्थानीय लोगों को स्वयं अतिक्रमण हटाने की चेतावनी दी गई थी। नगर परिषद के अनुसार यह विशेष अभियान 9 से 11 जुलाई तक लगातार चलेगा। अभियान के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारी पुलिस बल एवं दंडाधिकारियों की तैनाती की गई है। प्रशासन की सख्ती के बीच अतिक्रमणकारियों में हड़कंप है, वहीं स्थानीय लोगों ने जाम की समस्या से राहत मिलने की उम्मीद जताते हुए इस कार्रवाई का स्वागत किया।

संक्षिप्त खबरें

जेठुली में 47 लीटर देसी चुलाई शराब बरामद, एक युवक गिरफ्तार

फतुहा। पटना जिले के नदी थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए जेठुली गांव से 47 लीटर देसी चुलाई शराब बरामद की है। कार्रवाई के दौरान एक युवक को मौके से गिरफ्तार किया गया।गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान विद्दू कुमार (19 वर्ष), पिता वीरेंद्र राय, निवासी ग्राम जेठूली, थाना नदी, जिला पटना के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से 47 लीटर देसी चुलाई शराब बरामद की।नदी थाना पुलिस ने अभियुक्त के विरुद्ध बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने बताया कि मामले में अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

राजमिस्त्री का शव संदिग्धावस्था में बरामद किया गया

दानापुर। शाहपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आशोपुर बधार में गड्ढे में एक राजमिस्त्री का संदिग्धावस्था शव मिलने से गुरुवार को सनसनी फैला गई है. मृतक का पहचान बांका जिले चारो मुर्मू 57 वर्षीय के रूप में किया गया है. मृतक राजमिस्त्री का काम करता था. मृतक के बहनोई राजेश हेंब्रम ने बताया कि बुधवार को शाम में काम समाप्त होने के बाद चारो ने कहा कि सब्जी खरीदने जा रहे हैं और जब हमलोग चाउमीन दुकान पर खा रहे थे तो वे आया तो मैने उससे चाउमीन खाने के लिए कहा था. परंतु वे शराब के नशे में धुत था. उसके बाद वहां से चला गया और देर रात तक लौट नहीं आया तो खोजबीन करने के बाद नहीं मिला. गुरुवार की सुबह फिर खोजबीन करने के दौरान आशोपुर बधार में गड्ढे में शव पड़ा हुआ मिला. इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी. सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अनुमंडलीयअस्पताल में पोस्टमार्टम करा कर परिजनों को सौंप दिया गया है. थानाध्यक्ष नवीन कुमार सिंह ने बताया कि मौत का कारण अभी पता नहीं चला है. पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत का कारण पता चल पाया जाएगा.

एडीजे द्वितीय के द्वारा दहेज को लेकर विवाहिता की हत्या मामले में पति को आजीवन व सास, ससुर को सात साल की सजा सुनाए गई

दानापुर। नगर के अंतर्गत बृहस्पतिवार को एडीजे द्वितीय के अंजली ने सिंगौड़ी थाना क्षेत्र में दहेज को लेकर हुई एक विवाहिता की हत्या मामले में पति को आजीवन और सास, ससुर को सात साल कारावास की सजा सुनाए।साथ ही दस दस हजार जुमार्ना और जुमार्ना नहीं देने पर तीन माह का अतिरिक्त कारावास।प्रभारी अपर लोक अभियोजक राम केश्वर प्रसाद ने बताया कि सत्रवाद संख्या-721/23 और सिंगोड़ी थाना काण्ड 141/21 में सिंगोड़ी थाना क्षेत्र के करहरा ढिबड़ापर निवासी ससुर राजदेव बिंद,सास जासो देवी और मृतक सोनी कुमारी के पति कामेन्द्र बिंद के खिलाफ दहेज में बाईक नहीं मिलने पर सोनी का हत्या कर शव गायब करने का आरोप था। मृतक के पिता धनरूआ के अहपुरा निवासी बिनोद बिंद ने मामला दर्ज कराया था। बताया था कि पुत्री सोनी कुमारी की शादी 2018 में कामेन्द्र बिंद से किये थे। ससुराल वाले में बाईक की मांग करते थे, नहीं देने पर मार-पीट करते थे।07/11/21 को शाम में ग्रामीणों से खबर मिली कि सोनी का हत्या कर लाश छुपा दिया गया है। सूचना पाकर पहुंचे तो ससुराल वाले सभी फरार थे।

67 नवनियुक्त लैब तकनीशियन को टीबी जांच पर किया गया प्रशिक्षित

- अल्ट्रा पोर्टेबल हैंड हेल्ड एक्सरे मशीन और निक्षय पोर्टल पर मरीजों का विवरण दर्ज करने का मिला प्रशिक्षण
- दो बैच में दिया गया प्रशिक्षण
- स्वास्थ्य भवन, शेखपुरा में आयोजित किया गया प्रशिक्षण कार्यक्रम

प्रातः किरण संवाददाता

पटना- टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत शेखपुरा स्थित स्वास्थ्य भवन के सभागार कक्ष, दूसरा तल्ला में नवनियुक्त 76 में से 67 लैब तकनीशियन को अल्ट्रा पोर्टेबल हैंड हेल्ड एक्सरे मशीन और निक्षय पोर्टल पर मरीजों का विवरण दर्ज करने का प्रशिक्षण दिया गया. यह प्रशिक्षण नवनियुक्त लैब तकनीशियन को दो बैच में 7 और 8 जुलाई को दिया गया. पहले बैच में 7 जुलाई को 31 और दुसरे बैच में 36 लैब तकनीशियन को 8 जुलाई को प्रशिक्षित किया गया. मालुम हो कि नवनियुक्त लैब तकनीशियन टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत अनिक्रा फाउंडेशन और एवरराइज फाउंडेशन द्वारा टीबी उन्मूलन अभियान में पदस्थापित किये गए हैं. तकनीशियन अल्ट्रा पोर्टेबल हैंड हेल्ड एक्सरे मशीन का संचालन करेंगे. प्रशिक्षण कार्यक्रम अपर कार्यपालक निदेशक, राज्य स्वास्थ्य समिति, बिहार, डॉ. अनुपमा सिंह तथा अपर निदेशक सह राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी, यक्ष्मा, डॉ. बाल कृष्ण मिश्र के अध्यक्षता और निगरानी में संचालित किया गया.

कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए तथा नवनियुक्त तकनीशियन को संबोधित करते हुए अपर कार्यपालक निदेशक, राज्य स्वास्थ्य समिति, बिहार, डॉ. अनुपमा सिंह ने कहा कि सभी जांच का विवरण निक्षय पोर्टल पर अपलोड करना जरुरी है. उन्होंने कहा कि एक दिन में अल्ट्रा पोर्टेबल हैंड हेल्ड एक्सरे मशीन से 50-100 संभावित मरीजों की जांच की जाए. साथ ही उन्होंने मशीन के महत्त्व और कितनी मशीन क्रियाशील है उसपर भी चर्चा की. अपर निदेशक सह राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी, यक्ष्मा डॉ. बाल कृष्ण मिश्र ने संभावित मरीजों की भली भांति जांच करने और और मशीन की उचित रख रखाव पर बल दिया.

नवनियुक्त प्रशिक्षित लैब तकनीशियन अल्ट्रा पोर्टेबल हैंड हेल्ड एक्सरे मशीन से संभावित यक्ष्मा मरीजों की जांच कर उनकी रिपोर्ट निक्षय पोर्टल पर अपलोड करेंगे. राज्य में अभी 140 अल्ट्रा पोर्टेबल हैंड हेल्ड एक्सरे मशीन से संभावित टीबी मरीजों की जांच की जा रही है. इसका सबसे बड़ा लाभ यह है कि इससे दूर दराज में रहने वाले उच्च जोखिम समुदाय की जाँच उनके गाँव में ही की जा सकेगी.

कार्यपालक पदाधिकारी पंकज कुमार की अध्यक्षता में की गई नगर परिषद में विशेष बैठक

दानापुर नगर के अंतर्गत बृहस्पतिवार को मानसून को लेकर नगर परिषद में एक विशेष बैठक कार्यपालकपदाधिकारी पंकज कुमार की अध्यक्षता में की गई। बैठक में कार्यपालक पदाधिकारी ने जल निकासी को लेकर जगह-जगह लगाए गए पंपों के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए 2 दिन के अंदर सारे पंपों को कनेक्शन कर चालू कर जांच कर लेने की बात कही। नगर परिषद द्वारा फिलहाल 132 स्थान पर पंप लगाने का निर्देश जारी किया जा चुका है। इसमें 85 पंप लगाई जा चुके हैं। जिस पर उन्होंने सभी आवश्यक स्थान पर पंप लगाकर उसकी तैयारी कर लेने का निर्देश दिया है ताकि वर्षा के बाद जल जमाव की स्थिति से निपटा जा सके। श्री कुमार ने कहा इसमें लापरवाही बढ़ाने वाले के विरुद्ध कार्रवाई होगी। बैठक में स्वच्छता पदाधिकारी अपर्णा कुमारी, नगर प्रबंधक बृजेश कुमार सिंह व अमरेंद्र कुमार आदि थे।

मोटोरोला ने लॉन्च किया मोटो जी 77 पावर

पटना : मोटोरोला ने नए मोटो जी 77 पावर के लॉन्च की घोषणा की। मोटो जी 77 पावर का अग्रणी प्रो-ग्रेड 50 एमपी सोनी लिटिया 600 कैमरा सिस्टम है और मुख्य कैमरे के साथ ही इसमें एक 8 एमपी का अल्ट्रा-वाइड लेंस दिया गया है। मोटो जी 77 में 6.72 इंच का इमर्सिव फुल एचडी प्लस डिस्प्ले दिया गया है, जो 120 हर्ट्ज के स्मूथ रिफ्रेश रेट के साथ आता है। इसमें 7000 एमएएच की विशाल बैटरी दी गई है। इसमें वॉल्यूम बूस्ट और डॉल्बी एटमॉस के साथ शक्तिशाली डुअल स्टीरियो स्पीकर्स दिए गए हैं। मोटोरोला इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर टी एम नरसिम्हन ने कहा कि उपभोक्ता स्मार्टफोन कैमरों को अधिक महत्व दे रहे हैं, क्योंकि वे अपने रोजमर्रा के पलों को कैप्चर करने, क्रिएट करने और शेयर करने के लिए तेजी से इन पर निर्भर हो रहे हैं। मोटो जी 77 पावर इन-बिल्ट 8 जीबी प्लस 128 जीबी वेरिएंट में उपलब्ध होगा और पैनटोन क्यूरेटेड कलर ऑप्शन्स में आएगा, जिसमें पैनटोन फुशिया रेड, पैनटोन नॉटिकल ब्लू और पैनटोन इम्पेनिट्रेबल शामिल हैं। यह स्मार्टफोन भारत भर में फ्लिपकार्ट, मोटोरोला डॉट इन और प्रमुख रिटेल स्टोर्स पर उपलब्ध होगा। उपभोक्ता एक एक्सक्लूसिव जियो ऑफर का भी लाभ उठा सकते हैं।

मेधा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : शिक्षा मंत्री

- भविष्य में उत्कृष्टता का केंद्र बनेंगे मॉडल स्कूल, अन्य विद्यालयों के लिए मानक स्थापित करेंगे

पटना। शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने कहा है कि राज्य सरकार विद्यार्थियों की मेधा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व नवाचार को बढ़ावा देने और शैक्षणिक स्तर को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।गुरुवार को बक्सर में आयोजित मेधावी छात्र सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए शिक्षा मंत्री ने कहा कि आज 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया जा रहा है। यह बिहार की शैक्षणिक प्रगति का सकारात्मक संकेत है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले वर्षों में यह आंकड़ा 98 से 99 प्रतिशत तक पहुंचेगा।श्री तिवारी ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण पहल कर रही है। मुख्यमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट सरस्वती विद्या निकेतन के तहत राज्य के प्रत्येक प्रखंड में मॉडल स्कूल स्थापित किए जा रहे हैं। इन विद्यालयों में विषय विशेषज्ञ एवं दक्ष शिक्षकों की नियुक्ति की जा रही है, ताकि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।उन्होंने कहा कि सरस्वती विद्या निकेतन विद्यालय भविष्य में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में विकसित होंगे तथा अन्य विद्यालयों के लिए भी मानक स्थापित करेंगे। सरकार का उद्देश्य विद्यार्थियों को ऐसी शिक्षा उपलब्ध कराना है, जिससे वे राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम बन सकें।शिक्षा मंत्री ने सम्मानित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा उन्हें निरंतर परिश्रम और अनुशासन के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

चलायी जा रही 11 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के परिचालन अवधि में विस्तार

प्रातः किरण संवाददाता

हाजीपुर । यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए उनकी सुविधा के मद्देनजर चलायी जा रही स्पेशल ट्रेनों के परिचालन अवधि में विस्तार किया जा रहा है । अब इनका परिचालन उनके सामने अंकित तिथि तक किया जाएगा -

1.गाड़ी संख्या 01449 पुणे-दानापुर स्पेशल - 28.09.26 तक प्रतिदिन

2.गाड़ी संख्या 01450 दानापुर-पुणे स्पेशल - 30.09.26 तक प्रतिदिन

3.गाड़ी संख्या 02563 बरौनी-नई दिल्ली क्लोन स्पेशल - 31.07.26 तक प्रतिदिन

4.गाड़ी संख्या 02564 नई दिल्ली-बरौनी क्लोन स्पेशल - 01.08.26 तक प्रतिदिन

5.गाड़ी संख्या 02569 दरभंगा-नई दिल्ली क्लोन स्पेशल - 31.07.26 तक प्रतिदिन

6.गाड़ी संख्या 02570 नई दिल्ली-दरभंगा क्लोन स्पेशल - 01.08.26 तक प्रतिदिन

7.गाड़ी संख्या 03257 दानापुर-आनंद विहार स्पेशल - 26.07.26 तक प्रत्येक रविवार को

8.गाड़ी संख्या 03258 आनंद विहार-दानापुर स्पेशल - 27.07.26 तक प्रत्येक सोमवार को

9.गाड़ी संख्या 02397 शेखपुरा-आनंद विहार स्पेशल - 26.07.26 तक प्रत्येक रविवार को

10.गाड़ी संख्या 02398 आनंद विहार-शेखपुरा स्पेशल - 27.07.26 तक प्रत्येक सोमवार को

11.गाड़ी संख्या 03697 शेखपुरा-आनंद विहार स्पेशल - 31.07.26 तक प्रत्येक सोम, मंगल, शुक्र एवं शनिवार को

12.गाड़ी संख्या 03698 आनंद विहार-शेखपुरा स्पेशल - 01.08.26 तक प्रत्येक मंगल, बुध, शनि एवं रविवार को

13.गाड़ी संख्या 05219 मुजफ्फरपुर-आनंद विहार स्पेशल - 31.07.26 तक प्रत्येक शुक्रवार को

14.गाड़ी संख्या 05220 आनंद विहार-मुजफ्फरपुर स्पेशल - 01.08.26 तक प्रत्येक शनिवार को

15. गाड़ी संख्या 05579 पूर्णिया कोर्ट-आनंद विहार स्पेशल - 31.07.26 तक प्रत्येक शुक्र एवं रविवार को

16.गाड़ी संख्या 05580 आनंद विहार-पूर्णिया कोर्ट स्पेशल - 02.08.26 तक प्रत्येक रवि एवं मंगलवार को

17.गाड़ी संख्या 05575 सहरसा-आनंद विहार स्पेशल - 28.07.26 तक प्रत्येक मंगलवार को

18.गाड़ी संख्या 05576 आनंद विहार-सहरसा स्पेशल - 30.07.26 तक प्रत्येक गुरूवार को

19.गाड़ी संख्या 09045 उधना-मधुबनी विहार स्पेशल - 26.07.26 तक प्रत्येक रविवार को

20.गाड़ी संख्या 09046 मधुबनी-उधना विहार स्पेशल - 27.07.26 तक प्रत्येक सोमवार को 21.गाड़ी संख्या 09047 उधना-झंझारपुर स्पेशल - 26.07.26 तक प्रत्येक रविवार को 22.गाड़ी संख्या 09048 झंझारपुर-उधना स्पेशल - 27.07.26 तक प्रत्येक सोमवार को ।

प्रेम यूथ फाउंडेशन द्वारा युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

पटना- प्रेम यूथ फाउंडेशन, अंतराष्ट्रीय युवा संगठन द्वारा युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवा छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता फाउंडेशन के संस्थापक गांधीवादी प्रेम जी ने संबोधित करते हुए कहा कि देश के निर्माण में युवाओं की सबसे अहम भूमिका है। उन्होंने युवाओं से सामाजिक कार्यों में आगे आने, नशे से दूर रहने और शिक्षा के साथ-साथ देश सेवा को अपनाने का आह्वान किया।

उन्होंने अपने संबोधन के दौरान युवाओं को देश की वर्तमान चुनौतियों और उनके समाधान के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति ही समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकती है।

कार्यक्रम में मौजूद युवाओं ने भी अपने विचार रखे और विभिन्न मुद्दों पर सवाल पूछे। छात्रों ने वक्ता के विचारों को बहुत ध्यानपूर्वक सुना ।

प्रेम यूथ फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने बताया कि इस तरह के ह्लयुवा संवादह्व कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में नेतृत्व क्षमता विकसित करना और उन्हें राष्ट्र निर्माण से जोड़ना है।

कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने स्वच्छता और सामाजिक सेवा का संकल्प लिया। मौके पर फाउंडेशन के प्रोग्राम ऑफिसर सुधांशु राज, सुलेखा कुमारी, अमृत राज मौजूद रहे ।

पटना का हेल्थ प्रोटेक्शन स्कोर 3.76, हेल्थ इंश्योरेंस लेने वालों की संख्या बेहद कम

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। निवा बूपा हेल्थ इंश्योरेंस ने हेल्थ इंश्योरेंस को लेकर भारत के युवाओं की सोच और नजरिए पर एक कंज्यूमर इनसाइट्स रिपोर्ट जारी की है। यह रिपोर्ट बताती है कि पटना के युवा मेडिकल इमरजेंसी यानी स्वास्थ्य संबंधी आपात स्थिति के लिए पर्याप्त रूप से तैयार नहीं है। इसका मुख्य कारण हेल्थ इंश्योरेंस का न होना, इसके प्रति जागरूकता का अभाव होना और इलाज के खर्च का सही अंदाजा न लगा पाना है। रिपोर्ट के नतीजे यह भी बताते हैं कि हेल्थ प्रोटेक्शन के मामले में एक बड़ा अंतर मौजूद है, क्योंकि बहुत से युवाओं के पास अचानक आने वाले मेडिकल खर्चों से निपटने के लिए पर्याप्त वित्तीय तैयारी नहीं है।

यह रिपोर्ट देश के 2,400 से ज्यादा लोगों पर किए गए व्यापक सर्वे पर आधारित है, जिसमें टियर 1, टियर 2, टियर 3 शहरों के साथ-साथ ग्रामीण केंद्रों को शामिल किया गया है। इस रिपोर्ट के माध्यम से पहली बार ह्यहेल्थ प्रोटेक्शन स्कोर (एचपीएस) पेश किया गया है, जो कि अपने तरह का ऐसा पहला मापदंड है, जिससे यह पता चल सके कि भारतीय लोग स्वास्थ्य से जुड़ी किसी भी आपातकालीन स्थिति के लिए कितने तैयार हैं।देश का औसत हेल्थ प्रोटेक्शन स्कोर जहाँ 4.54 है, वहीं पटना का स्कोर सिर्फ 3.76 दर्ज किया गया है। यह दिखाता है कि पटना के लोग मेडिकल इमरजेंसी और उससे जुड़े वित्तीय जोखिमों से निपटने के लिए देश के बाकी हिस्सों की तुलना में कम तैयार हैं।इन नतीजों ने स्पष्ट कर दिया है कि पटना के युवा मेडिकल इमरजेंसी के कारण लगने वाले वित्तीय झटकों के सामने ज्यादा लाचार साबित होंगे।

इसका बड़ा कारण इंश्योरेंस का कम होना और पैसों की सीमित तैयारी है।स्टडी बताती है कि पटना में केवल 8% युवाओं के पास खुद का हेल्थ इंश्योरेंस है, जो 14% के राष्ट्रीय औसत से काफी कम है। सुरक्षा के इस निचले स्तर का असर यह है कि पटना के 36% लोग बेहद असुरक्षित श्रेणी में आते हैं, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर यह आंकड़ा 23% है। इससे भी जाहिर होता है कि युवा आबादी का एक बड़ा हिस्सा अचानक अस्पताल में भर्ती होने या इलाज के खर्च का आर्थिक बोझ उठाने में मुश्किलों का सामना कर सकता है।इस स्टडी का सबसे चौंकाने वाला नतीजा इलाज के अनुमानित खर्च और असल खर्च के बीच का बड़ा अंतर है।

जगत नारायण लाल कॉलेज में परिचर्चा एवं पुस्तक का किया गया लोकार्पण

प्रातः किरण संवाददाता

दानापुर खगौल नगर के अंतर्गत बृहस्पतिवार को जगत नारायण लाल कॉलेज में स्नातकोत्तर केन्द्र इतिहास विभाग और इतिहास विभाग पाटलिपुत्रविश्वविद्यालयपटना में समकालीन भारतीय इतिहास लेखन चुनौतियां और संभावनाएं इस विषय पर राष्ट्रीय परिचर्चा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। इसके उपरांत सभी सम्मानित अतिथियों को अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के आयोजन सचिव प्रोफेसर निखिल कुमार सिंह ने स्वागत भाषण से सभी उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया।यह कार्यक्रम दो सत्रों में हुआ। प्रथम सत्र में प्रो अभय कुमार ने इतिहास लेखन की चुनौतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा कि विभिन्न परिस्थितियों में इतिहास लेखन विभिन्न तथ्यों पर आधारित होते हैं। उन्होंने आंचलिक क्षेत्र से इतिहास लेखन की संभावनाओं पर विस्तृत जानकारी दी। पुणे से प्रो लहु गायकवाड़ ने समकालीन भारतीय लेखन पर शोधकताओं को आनलाइन माध्यम से महत्वपूर्ण जानकारी दी। द्वितीय सत्र में उत्तराखंड से प्रो संजय कुमार ने ऑनलाइन माध्यम से इतिहास लेखन की संभावनाओं पर विस्तृत जानकारी दी। इसके बाद खुदा बख्श लाइब्रेरी के भूतपूर्व पूर्व निदेशक प्रो इम्तियाज अहमद ने अपने सम्बोधन में कहा कि इतिहास लेखन आरंभ से चुनौतिपूर्ण रहा है। लेकिन पूर्वाग्रह से मुक्त हो कर लेखन कार्य करना चाहिए।इसके बाद भारत की अवधारणा पुस्तक का विमोचन किया गया। पुस्तक के लेखक प्रो रत्न ा अमृत,प्रो अरविंद कुमार और प्रो अविनाश कुमार ने अपने संबोधन में पुस्तक की महत्ता एवं उपयोगिता पर प्रकाश डाला। दरभंगा विश्वविद्यालय के भूतपूर्व इतिहास विभागाध्यक्ष प्रो रत्नेश्वर मिश्रा ने इतिहास लेखन की कला पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने अपने संबोधन ने कहा कि अन्वेषण करके जो पता चले उसे तथ्यपूर्ण ढंग से प्रस्तुत करना इतिहास है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा विचार और विचारधारा दो पृथक तत्व है। विचार व्यक्ति विशेष का होता है, किन्तु विचारधारा एक संस्कृति का परिचायक है। महाविद्यालय की प्रधानाचार्या प्रो मधुप्रभा सिंह ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में इतिहास लेखन के लिए सभी को प्रेरित किया तथा इतिहास लेखन के महत्व पर प्रकाश डाला प्रथम सत्र का संचालन स्वेता कुमारी एवं धन्यवाद ज्ञापन शुभांगी त्रिपाठी ने किया तथा द्वितीय सत्र का संचालन प्रो अविनाश झा एवं धन्यवाद ज्ञापन गिरिजेश नंदन कुमार ने किया।इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी लोग उपस्थित रहे।

पालीगंज में लोजपा नेता ने किया नव चयनित बीडीओ को सम्मानित

पालीगंज विधान सभा के लोजपा नेता सुनील यादव ने पालीगंज प्रखण्ड के हेल्हा गांव निवासी चांदनी कुमारी को 70 वीं बीपीएससी प्रतियोगिता परीक्षा पास कर बीडीओ पद के लिए चयनित होने पर सम्मानित किया है।

जानकारी के अनुसार पालीगंज विधानसभा सह प्रखण्ड क्षेत्र के हेल्हा गांव निवासी रंजीत कुमार साव की पुत्री चांदनी कुमारी ने 70 वीं बीपीएससी प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। जिसकी चयन बीडीओ पद के लिए किया गया है। जिसकी सूचना मिलने के बाद ग्रामीणों के बीच खुशी का माहौल है। इसी बीच पालीगंज विधानसभा के लोकप्रिय लोजपा नेता सह पूर्व विधानसभा प्रत्यासी सुनील यादव ने संवाददाता पंकज कुमार के साथ नव चयनित चांदनी कुमारी के आवास पर पहुंचे। जहां अंगवस्त्र, पुष्पगुच्छ प्रदान करने के बाद मिठाई खिलाकर चांदनी कुमारी को सम्मानित किया। साथ ही उन्होंने चांदनी कुमारी की उज्ज्वल भविष्य की कामना किया। मौके पर उन्होंने कहा कि मात्र 22 वर्ष छह माह की आयु में चांदनी कुमारी को सफलता प्राप्त करना बहुत खुशी की बात है। साथ ही यह नए वर्ग की युवतियों के लिए भी प्रेरणा की स्रोत बनी है।

स्थानांतरित अधिकारी तत्काल करें योगदानः मंत्री

➤ योगदान नहीं देने वाले अधिकारी 9 जुलाई से खुद माने जाएंगे विरमित

पटना। राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने कहा है कि राज्य में राजस्व प्रशासन को अधिक प्रभावी, जवाबदेह और पारदर्शी बनाने के लिए स्थानांतरित एवं पदस्थापित अधिकारियों का समय पर योगदान सुनिश्चित करना आवश्यक है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि विभागीय आदेशों का पालन हर अधिकारी की जिम्मेदारी है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। मंत्री ने कहा कि जिन अधिकारियों का स्थानांतरण एवं पदस्थापन किया जा चुका है, उन्हें बिना किसी विलंब के अपने नए पदस्थापन स्थल पर योगदान देना चाहिए, ताकि आम जनता को राजस्व संबंधी सेवाओं का लाभ समय पर मिल सके और प्रशासनिक कार्य प्रभावित न हों। उन्होंने बताया कि विभाग के संज्ञान में यह बात आई है कि कुछ अधिकारियों ने अब तक नए पद पर योगदान नहीं दिया है। ऐसे मामलों में विभाग ने स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं कि संबंधित अधिकारियों को तत्काल विरमित किया जाए। यदि ऐसा नहीं किया जाता है।

बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड की परियोजनाओं और अन्य कार्यों की हुई समीक्षा

समय-सीमा में पूरा करें काम, गुणवत्ता से नहीं होगा समझौता : मंत्री

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। सड़क निर्माण मंत्री इंजीनियर कुमार शैलेंद्र ने पथ निर्माण विभाग के अंतर्गत बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड (बीआरपीएएनएल) की ओर से चलाई जा रही कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं की समीक्षा की। इस बैठक में मौजूद अधिकारियों को मंत्री श्री कुमार ने स्पष्ट कहा कि सभी परियोजनाओं का काम निर्धारित समय के भीतर पूरा किया जाय। निर्माण कार्यों में किसी भी स्तर पर किया जाने वाला समझौता बरदाश्त से बाहर होगा।

बीआरपीएएनएल मुख्यालय में आयोजित इस बैठक में पथ निर्माण विभाग के सचिव श्री पंकज कुमार पाल, निगम के अध्यक्ष, प्रबंध निदेशक आदि अधिकारियों की प्रमुख उपस्थिति रही। अधिकारियों ने राज्य में उच्च स्तरीय पुलों, रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी), बाईपास आदि के निर्माण की प्रगति की विस्तृत जानकारी दी। इसमें मुख्य रूप से ग्रीनफील्ड हाईवे, मुख्यमंत्री की प्रगति यात्रा और दूसरे जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर से संबंधित परियोजनाओं की भौतिक और वित्तीय प्रगति, निर्माण और उसकी गुणवत्ता, जमीन अधिग्रहण, वन विभाग की एनओसी, यूटिलिटी शिफ्टिंग, रेलवे से तालमेल, डिजाइन की मंजूरी आदि विषयों से मंत्री को अवगत कराया। कुछ महत्वपूर्ण परियोजनाओं में सासाराम बाईपास (रोहतास), पूर्णिया में महानंदा नदी पर 1180 मीटर लंबा हाई-लेवल ब्रिज, सहरसा में कोसी नदी पर हाई-लेवल ब्रिज और अप्रोच रोड, सहरसा (बंगाली बाजार) आरओबी, राजगीर बुद्धिस्ट सर्किट (सलेमपुर-राजगीर) के लिए ग्रीनफील्ड फोर-लेन सड़क का निर्माण, हिलसा ईस्ट बाईपास, सोन नदी पर पांडुका पुल (बिहार-झारखंड कनेक्टिविटी), जनेश्वर मिश्र सेतु (बक्सर) एप्रोच रोड, मधुबनी आरओबी और रिंग रोड, छपरा डबल डेकर फ्लाईओवर, पटना, करबिगहिया फ्लाईओवर, अगुवानी घाट-सुल्तानगंज गंगा पुल, अगुवानी घाट विस्तार, मुंगेर बाईपास आदि परियोजनाओं की प्रगति पर विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर मंत्री श्री कुमार ने संवेदनशील और अहम परियोजनाओं की अधिकारियों को व्यक्तिगत स्तर पर निगरानी करने के निर्देश दिए।

ड्रोन तकनीक से होगी स्मार्ट खेती, किसानों की लागत घटेगी और आय बढ़ेगी : विजय

➤ बिहार में कृषि ड्रोन क्रांति को मिलेगी नई उड़ान, 11.81 करोड़ की योजना स्वीकृत

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा है कि राज्य सरकार किसानों को आधुनिक तकनीक से जोड़कर कृषि को अधिक लाभकारी, टिकाऊ एवं प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इसी कड़ी में बिहार सरकार ने कृषि क्षेत्र में ड्रोन तकनीक के व्यापक उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 11.81 करोड़ की राशि स्वीकृत की है। इस योजना के अंतर्गत राज्य के सभी 38 जिलों में कृषि ड्रोन के माध्यम से फसल संरक्षण एवं पोषक तत्वों के छिड़काव को प्रोत्साहित किया जाएगा। श्री सिन्हा ने कहा कि आज कृषि क्षेत्र तेजी से तकनीकी परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। दुनिया के विकसित देशों की तरह बिहार में भी स्मार्ट एवं सटीक कृषि को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है। कृषि ड्रोन इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण तकनीक है, जो कम समय में अधिक क्षेत्रफल पर प्रभावी ढंग से कृषि कार्यों को संपादित करने में सक्षम है। इससे किसानों की लागत कम होगी, श्रम की बचत होगी तथा उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि होगी। कृषि मंत्री ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत किसानों, कृषि उद्यमियों, कृषक समूहों तथा कृषि यंत्र सेवा प्रदाताओं को ड्रोन तकनीक के उपयोग के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। विभिन्न जिलों में प्रशिक्षण, प्रदर्शन तथा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे ताकि अधिकाधिक किसान इस तकनीक के लाभों से परिचित हो सकें। श्री सिन्हा ने कहा कि कृषि ड्रोन के उपयोग से रासायनिक दवाओं एवं उर्वरकों का बेहतर प्रबंधन संभव होगा। इससे अनावश्यक उपयोग में कमी आएगी और पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। श्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीक का समावेश ही भविष्य की आवश्यकता है। ड्रोन आधारित कृषि न केवल उत्पादन लागत कम करेगी बल्कि जल, उर्वरक एवं अन्य संसाधनों के कुशल उपयोग को भी सुनिश्चित करेगी। इससे कृषि अधिक लाभकारी, पर्यावरण अनुकूल और टिकाऊ बनेगी। उन्होंने किसानों से अपील करते हुए कहा कि वे कृषि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाएँ तथा आधुनिक तकनीकों को अपनाकर अपनी आय बढ़ाने का प्रयास करें। कृषि विभाग किसानों को हर संभव सहयोग एवं मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। अंत में कृषि मंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि कृषि ड्रोन योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से बिहार में तकनीक आधारित कृषि को नई दिशा मिलेगी, कृषि उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि होगी, कृषि लागत में कमी आएगी तथा किसानों की आय बढ़ाने के राज्य सरकार के लक्ष्य को बल मिलेगा। यह योजना बिहार को आधुनिक, स्मार्ट एवं आत्मनिर्भर कृषि व्यवस्था की ओर अग्रसर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

राज्य में चीनी उद्योग के साथ ही गुड़ उद्योग को बढ़ावा देने के लिए सरकार प्रयासरतः मंत्री

● गन्ना किसानों और उद्यमियों की समस्याओं का निदान करने को सरकार प्रतिबद्ध

पटना। गन्ना उद्योग मंत्री संजय कुमार ने कहा कि बिहार में गन्ना उद्योग को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार द्वारा कई योजनाएं शुरू की गई है, ताकि किसानों को कम खर्च में अधिक आय हो सके। उन्होंने गुरुवार को कहा कि राज्य सरकार नई चीनी मिले स्थापित करने के साथ ही राज्य में गुड़ उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए बिहार राज्य गुड़ उद्योग प्रोत्साहन कार्यक्रम शुरू किया है। इस योजना के तहत गुड़ उद्योग लगाने वालों को अनुदान दिया जा रहा है। गन्ना का विस्तार करने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है, जिससे कि चीनी मिलों और गुड़ उत्पादन करने वाले इकाईयों को गन्ना की कमी नहीं हो। उधर, बिहार राज्य गुड़ उद्योग प्रोत्साहन कार्यक्रम के तहत संचालित योजनाओं की समीक्षा के लिए गुरुवार को विकास भवन स्थित गन्ना उद्योग विभाग के सभागार में बैठक आयोजित की गई, जिसमें उद्यमियों को संबोधित करते हुए विभागीय पदाधिकारियों ने कहा कि आपकी और गन्ना किसानों की समस्याओं का निदान करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। किसानों को जागरूक करें ताकि गन्ना का विस्तार हो सकें। पदाधिकारियों ने कहा कि गुड़ उद्योग प्रोत्साहन कार्यक्रम के क्रियान्वयन में जो भी समस्याएं आ रही है उसका शीघ्र समाधान किया जाएगा। मशीनरी के सप्लायरों की सूची किसानों को उपलब्ध कराई जाए ताकि आसानी से आधुनिक यंत्र मिल सके। किसानों और गुड़ उद्योग से जुड़े उद्यमियों को प्रशिक्षण दिलाया जाए, गैर चीनी मिल क्षेत्रों में गन्ना बढ़ाने के लिए कार्य किया जाए, जंगली पशुओं के कारण गन्ना की फसल बर्बाद हो रही है उसे रोकने की व्यवस्था की जाए, बिजली की समस्या को दूर करने के साथ ही किसानों को अच्छे गन्ना बीज उपलब्ध करायी जाए। बैठक की अध्यक्षता सचिव धर्मेन्द्र सिंह ने की। इस मौके पर ईख आयुक्त अनिल कुमार झा, संयुक्त ईखायुक्त वेदव्रत एवं अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

बिहार को अकाल क्षेत्र घोषित कर सरकारःभाकपा

पटना। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव रामनरेश पाण्डेय ने कहा कि सामान्य से 56 फीसद कम बारिश हुई है। जिससे बिहार सूखे की चपेट में आ गया है। पूरे राज्य में धान की रोपनी प्रभावित है। उत्तर बिहार में धान का बिचड़ा सुख रहा है तो दक्षिण बिहार में बीज की बुआई प्रभावित हुई है। इसके बावजूद सरकार की तरफ से सूखे से निपटने के लिए लिए कोई ठोस तैयारी नहीं दिख रही है। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी बिहार को अकाल क्षेत्र घोषित करने और अकाल में मिलने वाली सभी सुविधाएं आम जनता को उपलब्ध कराने की मांग करती है। किसानों को खेती के लिए मुफ्त में 24 घंटे बिजली और डीजल पर अनुदान देने की घोषणा सरकार करें। बिहार में मानसून 11 जून 2026 को प्रवेश किया था। मानसून के दौरान बिहार में 27 दिनों में 56 फीसद कम बारिश हुई है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार 1 जून 2027 से 6 जुलाई 2026 तक बिहार में 102.3 एम लएम बारिश हुई। इस दौरान सामान्य बारिश 230.1 एमएम होनी चाहिए थी। जुलाई महीने में अभी तक 15 एमएम बारिश हुई है। यह सामान्य (66.8 एम एम) से 77 फीसद कम है। मौसम विज्ञान विभाग के आंकड़े साफ बता रहा है कि बिहार सूखे की चपेट में है।

हरिद्वार में भांजी के मुंडन संस्कार में चिराग सपरिवार शामिल

पटना। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री सह लोजपा (रा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने बृहस्पतिवार को उत्तराखंड के हरिद्वार में पवित्र माँ गंगा के पावन तट पर भांजी के मुंडन संस्कार में सपरिवार शामिल हुआ। माँ गंगा से समस्त परिवार और देशवासियों के लिए सुख समृद्धि और शांति की कामना की।इस आशय की जानकारी पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंदन कुमार ने दी।

बीएसआरटीसी लो फ्लोर बसों की खरीददारी करे : मंत्री

➤ बुजुर्गों और गर्भवती महिलाओं को दिक्कत नहीं होगी

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बिहार में दिव्यांगजनों, बुजुर्गों और गर्भवती महिलाओं को बस यात्रा के दौरान बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से परिवहन विभाग के मंत्री दामोदर रावत ने बिहार राज्य पथ परिवहन निगम (बीएसआरटीसी) को निर्देश दिया है। मंत्री ने निगम को पत्र लिखकर कहा है कि राज्य में खरीदी जाने वाली सभी बसों को लो फ्लोर मॉडल में ही क्रय किया जाए, ताकि आम यात्रियों खासकर कमजोर वर्गों को चढ़ने-उतरने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। मंत्री श्री दामोदर रावत ने कहा कि बिहार में सार्वजनिक परिवहन को अधिक समावेशी बनाने के लिए यह कदम उठाया गया है, ताकि सड़कों पर चलने वाली बसें हर वर्ग के यात्रियों के अनुकूल हों। यह बसें दिव्यांग भाई-बहनों, वरिष्ठ नागरिकों और गर्भवती महिलाओं के लिए वरदान साबित होंगी। इन बसों में सीढ़ियां नहीं होतीं, जिससे यात्रा न सिर्फ आसान बल्कि सुरक्षित भी हो जाती है। विभाग की कोशिश है कि आगामी 400 पीएम ई-बसें भी पूरी तरह लो फ्लोर हो। उन्होंने आगे कहा कि लो फ्लोर बसों में सीढ़ियों की जगह हाइड्रॉलिक रैंप लगा होता है, जो आसानी से खुलता और बंद होता है। दिव्यांग यात्री व्हीलचेयर के साथ भी इन बसों में सीधे प्रवेश कर सकते हैं। साथ ही इनकी ऊंचाई भी सड़कों से कम होती है।

बांकीपुर उप-चुनाव में एनडीए प्रत्याशी की जीत तय, कोई चुनौती नहीं : अशोक

जनसुनवाई में मंत्री डॉ अशोक चैधरी, डॉ श्वेता गुप्ता एवं मदन सहनी ने सुनीं आमजनों की समस्याएँ

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। जदयू प्रदेश कार्यालय में गुरूवार को आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में बिहार सरकार के मंत्री डॉ अशोक चैधरी, मंत्री डॉ श्वेता गुप्ता एवं मंत्री मदन सहनी ने प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए फरियादियों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना। आमजनों से प्राप्त आवेदनों एवं शिकायतों पर संवेदनशीलता के साथ विचार करते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को विधिसम्मत एवं त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी एवं विधान पार्षद शिवरानी देवी प्रजापति भी उपस्थित रहीं। इस दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए डॉ अशोक चैधरी ने कहा कि बांकीपुर का प्रतिनिधित्व लंबे समय तक नितिन नवीन ने किया है और उन्होंने क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए अनेक उल्लेखनीय कार्य किए हैं। बांकीपुर के हर परिवार से उनका गहरा और आत्मीय रिश्ता है। उनका भारतीय जनता पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनना बांकीपुर सहित पूरे बिहार के लिए गौरव का विषय है। डॉ चौ धरी ने कहा कि बांकीपुर विधानसभा उप-चुनाव में एनडीए प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित है, वहाँ कोई चुनौती नहीं है। डॉ चौधरी ने यह भी जानकारी दी कि मुख्यमंत्री सम्राट चैधरी की पहल पर भारत सरकार के उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रह्लाद जोशी के साथ पटना में महत्वपूर्ण बैठक हुई, जिसमें बिहार में खाद्य सुरक्षा व्यवस्था को और

अधिक सुदृढ़ बनाने तथा केंद्र-राज्य समन्वय के माध्यम से जनहित के कार्यों को गति देने के विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

नशा उन्मूलन को लेकर सरकार सख्त :

मंत्री मदन सहनी ने कहा कि सूखा नशा के खिलाफ सरकार लगातार सख्त कार्रवाई कर रही है। इससे जुड़े असामाजिक तत्वों की पहचान कर उनके विरुद्ध निरंतर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार नशा उन्मूलन के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए व्यापक जन-जागरूकता अभियान भी चला रही है।

सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक रूप से सशक्त हुई आधी आबादी

मंत्री डॉ श्वेता गुप्ता ने कहा कि नीतीश कुमार की दूरदर्शी नीतियों एवं सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप प्रदेश की आधी आबादी सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक रूप से सशक्त हुई है। उन्होंने कहा कि वर्तमान एनडीए सरकार महिला सशक्तिकरण की दिशा में नीतीश कुमार द्वारा प्रारंभ की गई योजनाओं एवं नीतियों को और अधिक मजबूती के साथ आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

अंतर-राज्य परिवहन पास से एक महीने में आया 21.65 करोड़ रुपये का राजस्व : मंत्री

■ 250 करोड़ रुपये वार्षिक राजस्व प्राप्ति का है लक्ष्य

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। अंतर-राज्य परिवहन पास (आईएसटीपी) से एक महीने में लगभग 21.65 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है। प्रत्येक सप्ताह औसतन 5.6 करोड़ रुपये का राजस्व मिल रहा है। यह जानकारी खान एवं भूतत्व विभाग के मंत्री डॉ. प्रमोद कुमार ने गुरुवार को विकास भवन स्थित कार्यालय कक्ष में आयोजित प्रेस वार्ता में दी। उन्होंने कहा कि आईएसटीपी पोर्टल पर अबतक 19 हजार वाहन पंजीकृत है। अन्य राज्यों से प्रतिदिन औसतन 4 हजार खनिज लदे वाहन बिहार आ रहे हैं, जिसमें झारखण्ड, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, छतीसगढ़, हरियाणा, राजस्थान और उतराखंड के वाहन शामिल है। इससे विभाग द्वारा लगभग 250 करोड़ रुपये वार्षिक राजस्व प्राप्ति का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। गौरतलब है कि राज्य सरकार ने बीते 10 जून को अंतर-राज्य परिवहन पास लागू किया है। निर्धारित प्रावधानों के अनुसार, दूसरे राज्यों से आने वाले वाहनों से प्राप्त खनिज परिवहन चालान में खनिज का वजन अंकित है उन्हें 60 रुपये प्रति मीट्रिक टन और जिन चालानों में खनिज का वजन अंकित नहीं है उसे 85 रुपये घन मीटर की दर से ट्रांजिट पास दिया जा रहा है। इस योजना के लागू होने के बाद पहले सप्ताह में 4 करोड़ 31 लाख 87 हजार 788 रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ।

उन्होंने कहा कि चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 में जून महीने तक 505.26 करोड़ रुपये का राजस्व विभाग को प्राप्त हुआ है। यह पिछले वर्ष की तुलना में 95.64 करोड़ (23 प्रतिशत) अधिक है। चालू वित्तीय वर्ष में जून तक अवैध खनन और परिवहन के मामले में 12 हजार 877 छापेमारी की गई और इस मामले में 674 प्राथमिकी दर्ज करे गई है, जिसमें 248 लोगो को गिरफ्तार करने के साथ ही 1945 वाहनों को जप्त किया गया तथा जुमार्ना के रूप में 23.20 करोड़ रुपये की वसूली की गई है। पिछले वर्ष की तुलना में यह जुरमाना राशि 3.58 करोड़ रुपये (18 प्रतिशत) अधिक है। अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण के रोकथाम के लिए सरकार लगातार कार्रवाई कर रही है। मंत्री डॉ. कुमार ने कहा कि बिहार में पत्थर खनन में 44 भूखंड चिन्हित की गई है। इनमें गयाजी जिले में 9, बांका में 01, शेखपुरा में 10, नवादा में 17, औरंगाबाद में 3, और रोहतास में 4 भूखंड शामिल है। नवादा जिले में 08 पत्थर खनन पट्टों का टेंडर जारी कर दिया गया है। विभाग के सचिव अवनीश कुमार सिंह ने कहा कि हम अबकारी विभाग की तर्ज पर एक समर्पित बल के गठन के

बिहार के सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेजों के एमटेक कोर्स में आया दाखिले का अवसर

■ एमटेक में दाखिले के लिए गेट स्कोर प्राप्त अभ्यर्थी 10 जुलाई से कर सकेंगे आवेदन

■ पीजीईएसी-2026 के लिए 10-18 जुलाई तक है मौका, खाली सीटों पर बीटेक मार्क्स से मिलेगा दाखिला

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। बिहार के सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेजों में एम.टेक पाठ्यक्रमों में नामांकन के लिए आवेदन प्रक्रिया 10 जुलाई से शुरू होगी। बिहार संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पर्षद (बीसीईसीईबी) ने पोस्ट ग्रेजुएट इंजीनियरिंग एडमिशन काउंसलिंग (पीजीईएसी)-2026 की अधिसूचना जारी करते हुए बताया कि वैध गेट स्कोर वाले पात्र अभ्यर्थी 10 से 18 जुलाई 2026 तक ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कर सकेंगे। अभ्यर्थियों को बीसीईसीईबी की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध पीजीईएसी ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से आवेदन करना होगा। आवेदन शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 18 जुलाई है, जबकि ऑनलाइन आवेदन में 19 जुलाई तक संशोधन किया जा सकेगा। रैंक कार्ड और काउंसलिंग कार्यक्रम 24 जुलाई को जारी किए जाएंगे। काउंसलिंग की तिथि बाद में अधिसूचित की जाएगी।

पहले दो चरण गेट अभ्यर्थियों के लिए, रिक्त सीटों पर बीटेक अंकों से प्रवेश

पीजीईएसी-2026 के माध्यम से एमआईटी मुजफ्फरपुर, बीसीई भागलपुर, जीईसी वैशाली, जीसीई गया, केसीई कटिहार, जीईसी पश्चिमी चंपारण, सुपौल कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, श्री फणीश्वर नाथ रेणु इंजीनियरिंग कॉलेज, अररिया, एनसीई चंडी, डीसीई दरभंगा तथा बिहार रिमोट सेंसिंग एप्लीकेशन सेंटर, पटना सहित राज्य के विभिन्न सरकारी इंजीनियरिंग संस्थानों में प्रथम वर्ष एम.टेक पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिया जाएगा। पर्षद के अनुसार, काउंसलिंग के पहले दो चरण केवल वैध गेट स्कोर वाले अभ्यर्थियों के लिए आयोजित होंगे। यदि इसके बाद भी सीटें रिक्त रहती हैं, तो शेष सीटों पर बी.टेक/बीई में प्राप्त अंकों के आधार पर नामांकन किया जाएगा, जिसके लिए अलग से अधिसूचना जारी होगी। एम.टेक नामांकन के लिए आवेदन का अवसर केवल एक बार मिलेगा और उसी आवेदन के आधार पर सभी काउंसलिंग चरणों में सीटों का आवंटन किया जाएगा।

वीबी-जी राम जी योजना से पूरा हो सामुदायिक स्वच्छता परिसर निर्माण का कार्यः प्रधान सचिव

■ स्वच्छता कार्यों की समीक्षा में प्रधान सचिव ने जारी किए कई दिशा निर्देश

■ कहा कचरा संग्रहण और निस्तारण में किसी भी तरह की लापरवाही होगी बरदाश्त से बाहर

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। ग्रामीण विकास विभाग के प्रधान सचिव पंकज कुमार ने गुरुवार को स्वच्छ भारत अभियान (ग्रामीण) लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान (एलएसबीए) के अंतर्गत संचालित विभिन्न गतिविधियों की प्रथम तिमाही समीक्षा बैठक ली।

इस बैठक में उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि ग्राम पंचायतों के जिन इलाकों में सामुदायिक शौचालय निर्माण का काम अधूरा है, वहां विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन गारंटी (ग्रामीण) योजना से कार्य पूरा कराया जाय ताकि निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण हो सके और ग्रामीणों को आवश्यक स्वच्छता सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराई जा सकें। विभागीय सभागार में आयोजित इस बैठक में एलएसबीए के तहत व्यक्तिगत शौचालय निर्माण, सामुदायिक स्वच्छता परिसर, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, ओडीएफ प्लस, गोबर-धन, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन, मल कीचड़ उपचार संयंत्र फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट, व्यय प्रगति और निगरानी तंत्र सहित विभिन्न बिंदुओं की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में महादलित टोलों एवं साप्ताहिक हाटों में भी सामुदायिक स्वच्छता परिसर के निर्माण पर विशेष जोर दिया गया।

प्रधान सचिव श्री कुमार ने प्रदूषण की रोकथाम के लिये ग्रे वाटर (अपशिष्ट जल) का शोधन और उसके उत्पन्न होने के श्रोत को जड़ से समाप्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को और प्रभावी बनाने पर जोर देते हुए निर्देशित किया कि प्रत्येक वार्ड से प्रतिदिन न्यूनतम 10 किलोग्राम कचरे का संग्रहण सुनिश्चित कर उसे अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाई (वेस्ट प्रोसेसिंग यूनिट) तक भेजा जाए। साथ ही उन्होंने कहा कि सभी पंचायतों में यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी सार्वजनिक स्थल पर कचरा बिखरा हुआ दिखाई न दे। प्रधान सचिव ने कहा कि स्वच्छता केवल अभियान नहीं, बल्कि सतत जनभागीदारी का विषय है और इसे जन आंदोलन के रूप में आगे बढ़ाया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी सहित सभी सहयोगी दलों के नेताओं ने भरी जीत की हुंकार

बांकीपुर से भाजपा प्रत्याशी अभिषेक के समर्थन में एनडीए का शक्ति प्रदर्शन

■ भाजपा में बूथ स्तर के कार्यकर्ता को भी मिलता है सम्मान : सरावगी

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में एनडीए समर्थित भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी अभिषेक कुमार सिन्हा बंटी के नामांकन के बाद स्काउट एंड गाइड मैदान में आयोजित विशाल जनसभा में एनडीए की एकजुटता और संगठनात्मक शक्ति का भव्य प्रदर्शन देखने को मिला। सभा में बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी, जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा, राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा, लोजपा (रामविलास) के वरिष्ठ नेता संजय पासवान, हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अनिल कुमार सहित एनडीए के सभी घटक दलों के वरिष्ठ नेता, जनप्रतिनिधि और हजारों कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी नेताओं ने एक स्वर में भाजपा प्रत्याशी अभिषेक कुमार सिन्हा बंटी को भारी मतों से विजयी बनाने का आह्वान किया। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी खूबसूरती यही है कि यहां बूथ स्तर पर काम करने वाले समर्पित कार्यकर्ता को भी टिकट देकर चुनाव लड़ाया जाता है। अभिषेक कुमार सिन्हा बंटी इसका जीवंत उदाहरण हैं। उन्होंने कहा कि बांकीपुर पीढ़ियों से भाजपा का गढ़ रहा है और यहां के हर घर का भाजपा से आत्मीय संबंध रहा है। पिछले 15 वर्षों में बांकीपुर का जो विकास हुआ है, वह भाजपा और एनडीए सरकार की नीतियों का परिणाम है। जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने कहा कि अभिषेक कुमार भाजपा के प्रत्याशी हैं, लेकिन वे पूरे एनडीए परिवार के साझा उम्मीदवार हैं। गठबंधन के सभी पांचों घटक दल पूरी मजबूती के साथ उनके समर्थन में चुनाव मैदान में उतरे हैं।

राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि एनडीए प्रत्याशी अभिषेक कुमार सिन्हा की जीत उतनी ही निश्चित है, जितना पूर्व दिशा से सूर्य का उदय होना। लोजपा (रामविलास) के वरिष्ठ नेता संजय पासवान ने कहा कि एनडीए पूरी तरह संगठित और मजबूत है। बूथ स्तर तक जाकर प्रत्येक मतदाता से संपर्क करें और अभिषेक कुमार को रिकॉर्ड मतों से विजयी बनाएं।

हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अनिल कुमार ने कार्यक्रम में मौजूद कार्यकताओं की ऊर्जा और समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि एनडीए की सबसे बड़ी ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री विजय कुमार सिन्हा, दिलीप जायसवाल, सांसद संजय जयसवाल, शांभवी चौधरी, जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा, पटना साहिब के सांसद रविशंकर प्रसाद, विधायक संजीव चौरसिया, संजय गुप्ता रत्नेश कुशवाहा, विधान पार्षद संजय मयूख, पटना मेयर सीता साहू सहित एनडीए के सभी घटक दलों के प्रदेश पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

महागठबंधन ने ऐतिहासिक मतों से रेखा गुप्ता को विजयी बनाने का लिया संकल्प लिया

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश कार्यालय स्थित कपूर्री सभागार में बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में महागठबंधन समर्थित राजद उम्मीदवार रेखा गुप्ता के समर्थन में भव्य आशीर्वाद सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजद के प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल ने किया।सभा को संबोधित करते हुए महागठबंधन नेताओं ने कहा कि बांकीपुर की जनता वर्षों से विकास, रोजगार, बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य, जलनिकासी, सड़क और मूलभूत सुविधाओं की उपेक्षा झेल रही है। अब जनता बदलाव चाहती है और इस उपचुनाव में महागठबंधन की उम्मीदवार रेखा गुप्ता को अपना आशीर्वाद देकर विकास, सामाजिक न्याय और जनहित की राजनीति को मजबूत करेगी। महागठबंधन जनता के मुद्दों को लेकर लगातार संघर्ष करता रहा है और आगे भी करता रहेगा। सभा को संबोधित करने वालो में राजद के प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल, पूर्व मंत्री आलोक कुमार मेहता, पार्टी के प्रधान महासचिव, रणविजय साहू, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष उदयनारायण चौधरी, राष्ट्रीय महासचिव भोला यादव, विधायक अख्तरुल इस्लाम शाहीन, राजद दलित प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष साधु पासवान, कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता राजेश राठौर, बांकीपुर के पूर्व प्रत्याशी कांग्रेस नेता कुमार आशीष, वीआइपी के प्रदेश अध्यक्ष बालगोविंद बिंद, सीपीआई के राज्य सचिव रामलला सिंह, सीपीआई माले के विधायक संदीप सौरभ, पूर्व विधायक गोपाल रविदास, सीपीएम के ललन चौधरी थे। राजद के प्रदेश प्रवक्ता अरुण कुमार यादव ने बताया कि आशीर्वाद सभा के उपरांत महागठबंधन समर्थित राजद उम्मीदवार रेखा गुप्ता ने नामांकन किया। आशीर्वाद सभा में राजद के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अनवर आलम, पार्टी प्रदेश प्रवक्ता अरुण क

संक्षिप्त खबरें

अपहृता को पुलिस ने किया बरामद आरोपी भी गिरफ्तार

मनीगाछी(दरभंगा)।नेहरा थाना पुलिस ने मधुबनी जिला के रूद्रपुर थाना क्षेत्र के महरैल गाँव निवासी गोपाल झा के पुत्र राकेश झा को गिरफ्तार कर गुरुवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इस संबंध में थानाध्यक्ष मोती कुमार ने बताया कि नेहरा थाना क्षेत्र के एक गाँव से एक लड़की की अपहरण की सूचना लड़की की पिता के द्वारा लिखित रूप में दिया गया था। इस संबंध में थाना कांड संख्या-75/26 दर्ज है। जिसमें गाँव के ही चार लोगों पर अपहरण की संका जाहिर किया गया था। लेकिन तकनीकी एवं मानवीय जाँच में मधुबनी जिला के रूद्रपुर थाना क्षेत्र के महरैल गाँव निवासी गोपाल झा के पुत्र राकेश झा का नाम सामने आया। राकेश झा लड़की के रिस्तेदारी में बताया जाता है। केस के आईओ अपर थानाध्यक्ष निलेश कुमार के दबिश पर लड़का लड़की इधरउधर भाग रहा था। इसी बीच गुप्त सूचना मिली की लड़का लड़की सकरी धरौड़ा मुख्य मार्ग से कहीं जा रहा है। आईओ द्वारा नेहरा हाट चौक के पास से अपहृता को बरामद कर लिया गया है। साथ ही उसके साथ राकेश झा को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि यह प्रेम प्रसंग का मामला है। अग्रिम कार्रवाई किया जा रहा है।

उर्वरक की कालाबाजारी रोकने के लिए जिला स्तरीय कंट्रोल रूम गठित

मधुबनी। खरीफ मौसम 2026 में उर्वरकों के परिचालन, वितरण, भंडारण एवं बिक्री की प्रभावी निगरानी के लिए जिला प्रशासन ने जिला स्तरीय कंट्रोल रूम का गठन किया है। जिलाधिकारी आनंद शर्मा के निर्देश पर जिला कृषि कार्यालय द्वारा यह व्यवस्था की गई है। कंट्रोल रूम प्रतिदिन सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक कार्य करेगा। जिला कृषि कार्यालय के सहायक निदेशक (शस्य) मनीष राज को कंट्रोल रूम का प्राधिकृत पदाधिकारी बनाया गया है। किसान जिले के किसी भी प्रखंड में खुदरा उर्वरक विक्रेता द्वारा निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत वसूलने या टैगिंग से संबंधित शिकायत हेल्पलाइन नंबर 9031646881 पर दर्ज करा सकते हैं।प्राप्त शिकायतों का पंजीकरण जिला कृषि कार्यालय के उच्च वर्गीय लिपिक राजेश कुमार द्वारा किया जाएगा। इसके बाद संबंधित पदाधिकारियों से तत्काल जांच कराकर शिकायतों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित किया जाएगा। जिला प्रशासन ने किसानो से किसी भी अनियमितता की सूचना तत्काल कंट्रोल रूम को देने की अपील की है।

हॉस्टल से एक साथ 9 छात्र गायब, स्कूल निदेशक ने दर्ज करवाया प्राथमिकी

विभूतिपुर/समस्तीपुर। थाना क्षेत्र देशरी स्थित संचालित दामोदर पब्लिक स्कूल के हॉस्टल से एक साथ बुधवार की रात्रि 9 छात्र गायब हो गए। बच्चों की गायब होने की सूचना मिलते ही विभूतिपुर पुलिस पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए 24 घंटे के अंदर सभी बच्चों को सकुशल बरामद कर लिया। बच्चों की सकुशल बरामदगी के बाद गुरुवार की दोपहर इंस्पेक्टर मनोज कुमार एवं अपर थाना अध्यक्ष शिवनारायण प्रसाद ने विभूतिपुर थाना परिसर मे प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर बताया कि गुरुवार की सुबह दामोदर पब्लिक स्कूल के निदेशक सह प्राचार्य के द्वारा विभूतिपुर थाना को लिखित सूचना दी गई कि बुधवार की रात्रि हॉस्टल से 9 छात्र बाउंड्रीवाल फांदकर गायब हो गए हैं।मामले को गंभीरता से लेते हुए कांड अंकित कर एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम के द्वारा सात बच्चे को सिंघिया घाट रेलवे स्टेशन एवं दो बच्चे को कापन से सकुशल बरामद कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि बच्चों के द्वारा बताया गया है कि कल हम लोग विद्यालय में खेलने के बाद शाम में बारिश में स्नान कर लिए, जिसके बाद विद्यालय के शिक्षकों के द्वारा डांट फटकार किया गया और हम लोग गुस्सा में वहां से निकल गए। कहीं न कहीं विद्यालय की लापरवाही हुई है।मामला आएगा तो विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी।फिलहाल बच्चों को न्यायलय के निदेर्शानुसार आगे की प्रक्रिया की जाएगी। बता दें कि हॉस्टल से एक साथ बच्चों की गायब होने पर विद्यालय के निदेशक सह प्राचार्य पटना जिला के कंकड़बाग निवासी रामनिवास सिंह ने विभूतिपुर थाना में लिखित आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज करवाते हुए मदद की गुहार लगाया है। दर्ज प्राथमिकी में बताया गया कि प्रत्येक दिन की भांति बुधवार की रात्रि सभी बच्चे खाना खाकर अपने-अपने कमरे मे बेड पर सोने चले गए। गुरुवार को सुबह बच्चों की गिनती की गई तो पता चला कि पहाड़पुर निवासी विशेश्वर प्रसाद का पुत्र अभय कुमार, कोरबद्धा टभका निवासी अर्जुन महतो का पुत्र अंशु कुमार,देशरी निवासी नरेश मुखिया का पुत्र प्रिंस कुमार,कापन निवासी अर्जुन कुमार महतो का पुत्र राहुल कुमार,देशरी निवासी कालू मुखिया का पुत्र अमन कुमार,कापन निवासी सुजीत महतो का पुत्र प्रिंस कुमार, भगवानपुर थाना क्षेत्र के हरिचक निवासी पृथ्वी कुमार का पुत्र आर्यन रंजन, मधेपुरा जिला का चौसा निवासी चंदन भगत का पुत्र शिवम कुमार, बछवारा थाना क्षेत्र के राजेश कुमार यादव का पुत्र गोविंद कुमार ये सभी बच्चे विद्यालय की चाहरदिवारी फांदकर कहीं गायब हो गए है।

दरभंगा एयरपोर्ट को अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के रूप में विकसित किए जाने के लिए केंद्र सरकार प्रतिबद्ध : सांसद

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। देश स्तर पर क्षेत्रीय हवाई कनेक्टिविटी को मजबूत किया जा रहा है। दरभंगा एयरपोर्ट को अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के रूप में विकसित किए जाने तथा हवाई कनेक्टिविटी के क्षेत्र में दरभंगा को मुख्य केंद्रबिंदु बनाने के लिए केंद्र की मोदी सरकार के द्वारा पहल की जा रही है केंद्र और राज्य सरकार के सहयोग से दरभंगा एयरपोर्ट के विकास में लगातार नए आयाम स्थपित किए जा रहे हैं। सीआईएसएफ के जिम्मे इस एयरपोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था तथा एनएच- 27 से 4 सौ करोड़ की लागत से एयरपोर्ट के निमार्णाधीन नए टर्मिनल भवन तक फोरलेन सड़क एवं फ्लाई ओभर की औपचारिकताओं को पूरा किया जाना इसका ज्वलंत उदाहरण है। भारत सरकार के केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू जी से शीघ्र ही दरभंगा आकर 912 करोड़ की लागत से निमार्णाधीन टर्मिनल भवन का अवलोकन करने का आग्रह किया गया है ताकि नियत समय पर देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के कर कमलों से इसका शुभारंभ किया जा सके। तथा केंद्रीय मंत्री श्री नायडू ने दरभंगा आने के लिए आश्वस्त भी किया है। स्थानीय सांसद सह नागर विमानन मंत्रालय समिति के सदस्य एवं दरभंगा एयरपोर्ट सलाहकार समिति के अध्यक्ष डॉ गोपाल जी ठाकुर ने गुरुवार को केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री राममोहन नायडू से दिल्ली स्थित उनके मंत्रालय कक्ष में मुलाकात करने के बाद उपरोक्त बातों की जानकारी दी है।इस मौके पर सांसद डा ठाकुर ने केंद्रीय मंत्री श्री नायडू का मिथिला की संस्कृति और परंपरा के अनुसार मखान माला तथा पाग एवं अंगवस्त्र से सम्मानित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के साथ साथ नागरिक उड्डयन मंत्री श्री नायडू के पहल और योगदानों के बदौलत ही आज दरभंगा एयरपोर्ट का अंतरराष्ट्रीय हवाई के रूप में विकास कार्यों को पूरा किया जा रहा है तथा नागरिक सुविधाओं में बढ़ोतरी हो रही है। एयरपोर्ट सलाहकार समिति के चेयरमैन सांसद डा ठाकुर ने गुरुवार को नागर विमानन मंत्री श्री नायडू से भेंट के क्रम में दरभंगा एयरपोर्ट के विकास के लिए केंद्र सरकार एवं विमानन मंत्रालय के द्वारा लगातार किए जा प्रयासों के लिए आभार प्रकट करते हुए दरभंगा एयरपोर्ट के विकास से संबंधित विभिन्न विषयों को लेकर पत्र भी सौंपा।

एसएसबी व बिहार पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में विदेशी शराब जब्त, चार तस्कर गिरफ्तार

●जयनगर सीमा क्षेत्र में ऑटो रिक्शा भी जब्त, मधवापुर थाना को सौंपा गया मामला

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी। भारत-नेपाल सीमा पर अवैध शराब तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, जयनगर की ए समवाय, मधवापुर तथा बिहार पुलिस के मधवापुर थाना की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 270 लीटर नेपाली शराब, एक ऑटो रिक्शा जब्त किया तथा चार तस्करों को गिरफ्तार किया है। विश्वसनीय सूचना के आधार पर एसएसबी एवं बिहार पुलिस की संयुक्त गश्ती टीम ने मधवापुर क्षेत्र के इमली गाछी के समीप विशेष निगरानी शुरू की। शाम करीब 5:27 बजे महारानी स्थान की ओर से आ रहे एक संदिग्ध बजाज ऑटो को रोककर उसकी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान ऑटो में रखे थैलों से नेपाली निर्मित सोफी शराब की 300-300 मिलीलीटर की कुल 900 बोतलें, अर्थात 270 लीटर शराब बरामद हुई।पूछताछ में गिरफ्तार आरोपितों ने बताया कि बरामद शराब नेपाल के मटिहानी स्थित शराब दुकान से खरीदकर भारत में अवैध बिक्री के उद्देश्य से लाई जा रही थी। इस मामले में दरभंगा एवं मधुबनी जिले के चार भारतीय तस्करों को गिरफ्तार किया गया।जब्त शराब, ऑटो रिक्शा तथा गिरफ्तार सभी आरोपितों को आवश्यक वैधानिक कार्रवाई के लिए मधवापुर थाना के हवाले कर दिया गया है।48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, जयनगर के कमांडेंट ने बताया कि सीमा क्षेत्र में अवैध शराब, मादक पदार्थ एवं अन्य प्रतिबंधित वस्तुओ की तस्करी रोकने के लिए बिहार पुलिस तथा अन्य प्रवर्तन एजेंसियों के साथ समन्वय बनाकर लगातार अभियान चलाया जा रहा है। उन्होने कहा कि सीमा पर किसी भी प्रकार की तस्करी को सफल नहीं होने दिया जाएगा और कानून का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध आगे भी कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

अभाविप ने मनाया 78वां स्थापना दिवस, राष्ट्र निर्माण में विद्यार्थियों की भूमिका पर हुई संगोष्ठी

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) के 78वें स्थापना दिवस एवं राष्ट्रीय छात्र दिवस के अवसर पर दरभंगा इकाई की ओर से मिश्रटोला स्थित परिषद कार्यालय में ध्वजारोहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। परिषद गीत एवं ध्वजारोहण के साथ कार्यकताओं ने राष्ट्रहित एवं छात्रहित के कार्यों को और अधिक गति देने का संकल्प लिया। इसके बाद एम.आर.एम. कॉलेज परिसर में ह्लराष्ट्र निर्माण में विद्यार्थियों की भूमिका एवं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की प्रासंगिकताह्व विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रांत विश्वविद्यालय कार्य सह संयोजक हरिओम झा ने कहा कि अभाविप पिछले 78 वर्षों से छात्रशक्ति को राष्ट्रशक्ति के रूप में संगठित कर शिक्षा, सेवा और संस्कार के माध्यम से राष्ट्र निर्माण का कार्य कर रही है। उन्होंने युवाओं से राष्ट्रहित के कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। नगर अध्यक्ष प्रो. जयशंकर ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि जिम्मेदार, संवेदनशील एवं चरित्रवान नागरिक तैयार करना भी है। वहीं पूर्व नगर अध्यक्ष एवं स्पोकेन हिल के निदेशक अश्वनी कुमार झा ने विद्यार्थियों से विषय ज्ञान के साथ व्यक्तित्व विकास, संवाद कौशल और नेतृत्व क्षमता विकसित करने पर बल दिया। विभाग संयोजक मनोज मिश्रा ने सेवा, समर्पण एवं संगठन की भावना के साथ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने का संदेश दिया, जबकि प्रांत एसएफडी कार्य सह संयोजक मनोहर मिश्र ने राष्ट्रीय छात्र दिवस को विद्यार्थियों के कर्तव्यों एवं राष्ट्र के प्रति दायित्वों का स्मरण कराने वाला दिवस बताया। संगोष्ठी के उपरांत आयोजित मेहंदी एवं क्विज प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। मेहंदी प्रतियोगिता में भाव्या भारती प्रथम, सौम्या लाल द्वितीय तथा शोभा कुमारी तृतीय स्थान पर रहीं। वहीं क्विज प्रतियोगिता में ऋचा साह प्रथम, पल्लवी द्वितीय और मौसम कुमारी तृतीय स्थान पर रहीं।

दीक्षारम्भ कक्षा में छात्रों ने सीखे कामयाबी के गुर

सीएम साइंस कॉलेज में स्नातक भौतिकी 30 छात्रों के लिए इन्डक्शन क्लास आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। इन्डक्शन क्लास यानी दीक्षारम्भ कक्षा का उद्देश्य पाठ्यक्रम में शामिल नये छात्रों को नये शैक्षणिक वातावरण में समायोजित करने और उन्हें सहज महसूस करने में मदद पहुंचाना होता है। यह उन्हें शिक्षण संस्थान के लोकाचार और संस्कृति को विकसित करने के साथ ही उन्हें अन्य छात्रों और शिक्षकों के साथ परस्पर संबंध बनाने में मार्गदर्शन करता है। यह बातें गुरुवार को सी.एम. साइंस कालेज में चार वर्षीय बैचलर ऑफ साइंस (भौतिकी) सत्रः 2026-30 के छात्रों के लिए आयोजित इन्डक्शन क्लास में भौतिकी विभाग के अध्यक्ष डॉ. उमेश कुमार दास ने कही। उन्होंने सीबीसीएस के तहत निर्धारित स्नातक पाठ्यक्रम के स्वरूप एवं इसे पूरा करने के बाद कैरियर संवारने के मिलने वाले अवसरों की विस्तृत जानकारी देते कहा कि यह कार्यक्रम उन्हें बड़े उद्देश्य और आत्म-अन्वेषण की भावना को उजागर करने में भी मददगार होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्रधानाचार्य प्रो. संजीव कुमार मिश्र ने कहा कि इस कार्यक्रम का आयोजन छात्र-छात्राओं में पढ़ाई के प्रति जागरूकता लाने के साथ-साथ उन्हें भविष्य के लिए अनुभवी मार्गदर्शन प्रदान करने के उद्देश्य से किया गया है। अपने संबोधन में उन्होंने महाविद्यालय के क्रिया-कलापों एवं उपलब्धियों की विस्तृत जानकारी दी। स्नातक (भौतिकी) के नये सत्र में नामांकित छात्र-छात्राओं का अभिनंदन करते हुए उन्होंने कहा कि आने वाला चार साल उनके लिए स्वर्णिम होगा। जब वे समाज में विषयगत सम्मान हासिल करेंगे। मौके पर उपस्थित विभाग के शिक्षकों ने उपस्थित छात्र-छात्राओं को विभाग की जानकारी देते हुए सफल होने के लिए उन्हें कठिन परिश्रम का मूल मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नए छात्र-छात्राओं को नए परिवेश से परिचित कराना है जिससे छात्र छात्राओं को यह जानकारी मिल सके कि किस प्रकार वे अपने कैरियर को संवारने के साथ देश, प्रदेश, समाज और मानवता की सेवा करते हुए अपने परिवार का नाम रोशन कर सकते हैं। मौके पर भौतिकी विभाग के डॉ. सुजीत कुमार चौधरी, डॉ संतोष कुमार, डॉ. आदित्य नाथ मिश्रा, डॉ. रवि रंजन, डॉ. आशुतोष कुमार सिंह, डॉ. स्वर्णा श्रीया, डॉ. रश्मि रेखा, मोहम्मद माशुक, जयकांत कामती आदि की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

डीएमसीएच में 20 सूत्री मांगों को लेकर दूसरे दिन भी कर्मियों का धरना-सत्याग्रह जारी

दरभंगा। बिहार चिकित्सा एवं जन स्वास्थ्य कर्मचारी संघ, विशेष शाखा-डीएमसीएच, लहेरियासराय के बैनर तले अपनी 20 सूत्री मांगों के समर्थन में कर्मियों का सामूहिक जत्थेबंद धरना-सत्याग्रह दूसरे दिन भी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल परिसर में जारी रहा। प्रदर्शनकारियों ने अस्पताल अधीक्षक डॉ. जगदीश चंद्र को पद से हटाने, सर्जरी विभाग के चिकित्सक डॉ. सुरेंद्र कुमार पर कार्रवाई कर उन्हें प्रभारी उपाधीक्षक के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त करने तथा बीएससी नर्सिंग कॉलेज की प्रभारी प्राचार्य श्रीमती भवानी भारती को बर्खास्त करने की मांग दोहराई। संघ के अध्यक्ष अनिल कुमार सिन्हा एवं मंत्री अजय कुमार साह ने आरोप लगाया कि अस्पताल अधीक्षक की संवेदनहीनता, लापरवाही, प्रशासनिक अनुभवहीनता और टालमटोल की नीति के कारण कर्मचारियों एवं अस्पताल की समस्याओं का समाधान नहीं हो पा रहा है। उन्होंने कहा कि अस्पताल की व्यवस्था चरमरा गई है, मरीजों को सरकारी सुविधाओं का समुचित लाभ नहीं मिल रहा है तथा भ्रष्टाचार बढ़ा है। उन्होंने ब्लड बैंक में खून की अवैध बिक्री, एसीपी,एमएसीपी लाभ लंबित रहने, कर्मचारियों पर कथित दमनात्मक कार्रवाई, हटाए गए कर्मियों की सेवा बहाली तथा बीएससी नर्सिंग कॉलेज में व्याप्त समस्याओं के समाधान की भी मांग की।संघ अध्यक्ष ने कहा कि यह धरना मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री एवं स्वास्थ्य सचिव का ध्यान आकृष्ट करने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जल्द ही संघ का एक शिष्टमंडल पटना जाकर सरकार को पूरे मामले से अवगत कराएगा। धरना स्थल पर प्रकाश कुमार सहनी एवं लालन शर्मा की संयुक्त अध्यक्षता में आयोजित सभा में उपस्थित कर्मचारियों ने मांगें पूरी होने तक चरणबद्ध आंदोलन जारी रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में रामबालक यादव, प्रकाश कुमार सहनी, शिखा राज, मधु महतो, मोहम्मद जमील, मोहम्मद सदरे आलम, अली अहमद, नवल किशोर साह, राजन मसीह, अर्जुन कुमार, प्रमोद कुमार चौधरी, बैद्यनाथ ठाकुर, उज्ज्वल कुमार, कविता निधि, सुषमा सिंह, पूनम कुमारी, उमेश सहनी, मनोज कुमार राय, कुशम कला देवी, वसंत हरिजन, श्री कुमारी, कंचना कुमारी, सुरेश कुमार साह, शीला कुमारी-4, उषा कुमारी, संगीता कुमारी, बैधनाथ राम, राजेन्द्र यादव, कल्याणी कुमारी, सुधा कुमारी, जयंती कुमारी, रंजना कुमारी, राज कुमार, शुभरंजन, रोहित कुमार, संतोष कुमार सहनी, संजू कुमारी -2, सूर्यवंश यादव, संजय कुमार सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे।

दूष्कर्म के आरोप में एक को ताउम्र कैद व एक लाख रुपये अर्थदंड

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। दरभंगा जिला के पॉक्सो कोर्ट के विशेष न्यायाधीश सुलेखा झा की अदालत ने एक 13 वर्षीय बच्ची से दूष्कर्म के आरोप में एक दूष्कर्मी को ताउम्र कैद(जीवन पर्यन्तआजीवन सश्रम कारावास) और एक लाख रुपये अर्थदंड की सजा सूनाई है।अदालत ने यह सजा सिंहवाड़ा थानाक्षेत्र के पैगम्बरपुर गांव के गौतम शर्मा के दूष्कर्मी पुत्र विवेक कुमार शर्मा को सुनाई है।अभियोजन पक्ष का संचालन कर रहे प्रभारी स्पेशल पीपी अमर प्रकाश ने बताया कि एक नाबालिग लड़की को जबरन बंधक बनाकर दूष्कर्म की गई थी,और वह शोर न कर सके इसके लिए उसके मुंह में कपड़ा ठूंस दिया।नाबालिग वेहोश हो गई।घटना के अगले दिन उसके कराहने की आवाज सुनकर जब लोग पहूंचे और पानी पिलाकर होश में लाया गया।इस जघन्य घटना की प्राथमिकी एक थाने में 21.सितम्वर2022को कांड संख्या 201/22 दर्ज की गई।पुलिस ने नामजद अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया।अनुसंधान पश्चात पुलिस ने न्यायालय में आरोपपत्र समर्पित किया।न्यायालय में इस केश का बिचारण जीआर नं.147/22 के तहत प्रारंभ किया गया।गुरुवार को अदालत में अभियुक्त का सजा निर्धारण के बिन्दु सूनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से इसे सामाजिक अपराध बताते हुए अदालत से दूष्कर्मी को अधिकतम सजा देने की मांग किया।वहीं वचाव पक्ष की ओर से आरोपी के कम उम्र का हवाला देते हुए न्यूनतम सजा देने का फरियाद किया।अदालत ने अभियोजन और वचाव पक्ष का वहश,और अभिलेख पर मौजूद साक्ष्यों का गहन परिशीलन के बाद गुरुवार को दूष्कर्मी को पॉक्सो ऐक्ट की धारा 6 में ताउम्र कैद (जीवन पर्यन्त सश्रम कैद)और 50 हजार अर्थदंड, धारा 4 पॉक्सो ऐक्ट में 25 वर्षों का सश्रम कारावास, और 50 हजार रुपया ताथा भादवि की धारा 341 में एक माह का कारावास औरा धारा 342 में 6 माह की सजा सुनाया है।वहीं अर्थदंड नही जमा करने पर जूर्मी को 6 माह अतिरिक्त कारावास की सजा भुगतनी पड़ेगी।सभी सजाएं साथ-साथ चलेगी।इसके अलावे न्यायालय ने बिहार पीड़ित प्रतिकर योजना के तहत पीड़िता के सहायतार्थ 6 लाख रुपये मुआवजा भुगतान करने का आदेश पारित किया है।लोक अभियोजक अमरेंद्र नारायण झा ने बताया कि सभी एपीपी और स्पेशल पीपी पूरी मुस्तैदी से अभियोजन पक्ष को अदालत में पेश कर आरोपियों को सजा मुकर्रर कराने में लगे रहते हैं। जिसका परिणाम है कि पाक्सो कोर्ट ने दुष्कर्मी को जीवन भर के लिए कारावास की सजा सुनाई है।

पीएनबी नेहरा शाखा प्रबंधक ने पीएमजेजेबीवाय खाताधारी के नॉमिनी को दिया दो लाख का चेक

प्रात : किरण संवाददाता

मनीगाछी(दरभंगा)। प्रखंड क्षेत्र के नेहरा पूर्वी पंचायत के नेहरा कोठी टोल निवासी दिलीप मंडल को नेहरा पीएनबी शाखा के शाखा प्रबंधक मुरारी मोहन कुवर ने गुरुवार को दो लाख रुपए का चेक प्रदान किया है। शाखा प्रबंधक ने बताया कि नेहरा निवासी दिलीप मंडल की पत्नी जानकी देवी ने पंजाब नैशनल बैंक नेहरा शाखा के अधीनस्थ ग्राहक सेवा केन्द्र से पंजाब नैशनल बैंक की खाता खुलवाई थी। और अपने खाता में प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना का इंश्योरेंस करवाई थी। जिसमें साल में मात्र 436 रुपए खाताधारी के खाता से कट रहा था। इस बीमा योजना में खाताधारी के मृत्यु के बाद नॉमिनी को सहायता के रूप में दो लाख रुपए का लाभ मिलता है। खाताधारी जानकी देवी की मृत्यु 13 मई 2026 को हो गई थी। खाताधारी के नॉमिनी उनके पति दिलीप मंडल के द्वारा जून माह में बीमा का दाबा आपत्ति फार्म दाखिल किया गया। जिसे स्वीकार करते हुए महज एक माह के अंदर उन्हें दो लाख रुपए का चेक प्रदान किया गया है। उन्होंने बताया कि केन्द्र सरकार की प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एवं अटल पेंशन योजना बहुत ही लाभकारी योजना है। मौके पर सहायक प्रबंधक सदभूषण ठाकुर, मुख्य खजांची सुमित कुमार,नयन बेराजी,ग्राहक सेवा केन्द्र संचालक बिरेन्द्र यादव,सुनील मंडल, संत सहनी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

मधुबनी में एलपीजी और पेट्रोलियम पदार्थों की आपूर्ति सामान्य

8 जुलाई को 15,703 उपभोक्ताओं ने कराई गैस बुकिंग

●गैस एजेंसियों को शत-प्रतिशत होम डिलीवरी का निर्देश, गड़बड़ी पर होगी सख्त कार्रवाई

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी। जिले में एलपीजी गैस एवं पेट्रोलियम पदार्थों की उपलब्धता पूरी तरह सामान्य और नियंत्रित है। जिला प्रशासन जिलेभर में गैस वितरण व्यवस्था की लगातार निगरानी कर रहा है ताकि प्रत्येक उपभोक्ता को समय पर गैस सिलेंडर उपलब्ध हो सके। 8 जुलाई के अद्यतन आंकड़ों के अनुसार जिले में 15,703 एलपीजी उपभोक्ताओं ने गैस बुकिंग कराई। वहीं विभिन्न तेल कंपनियों से कुल 16,002 गैस सिलेंडरों की आपूर्ति हुई। इसमें इंडियन ऑयल से 9,121, हिंदुस्तान पेट्रोलियम से 3,458 तथा भारत पेट्रोलियम से 3,423 सिलेंडर प्राप्त हुए। प्रशासन ने बताया कि बुकिंग के अनुरूप तेजी से गैस सिलेंडरों की आपूर्ति की जा रही है। जिला प्रशासन ने सभी गैस वितरकों को शत-प्रतिशत होम डिलीवरी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। साथ ही चेतावनी दी गई है कि यदि कोई गैस एजेंसी उपभोक्ताओं से अतिरिक्त राशि वसूलती है, अनावश्यक रूप से परेशान करती है या वितरण में लापरवाही बरतती है, तो उसके विरुद्ध प्रशासनिक एवं कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने उपभोक्ताओं से अनावश्यक गैस बुकिंग नहीं करने, घरेलू गैस का उपयोग केवल घरेलू कार्यों में करने तथा कालाबाजारी, जमाखोरी या अवैध भंडारण की सूचना तत्काल जिला प्रशासन को देने की अपील की है। किसी भी शिकायत के लिए जिला नियंत्रण कक्ष के दूरभाष संख्या 06276-222576 पर संपर्क किया जा सकता है। जिले के सभी पेट्रोल पंपों पर भी पेट्रोल और हाई स्पीड डीजल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। 9 जुलाई को जिले में 842.8 हजार लीटर पेट्रोल तथा 1106.7 हजार लीटर हाई स्पीड डीजल का स्टॉक उपलब्ध था। जिला प्रशासन ने आम लोगों से पेट्रोल-डीजल का अनावश्यक भंडारण नहीं करने की अपील करते हुए कहा है कि संपूर्ण स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है और किसी भी प्रकार की अनियमितता मिलने पर त्वरित एवं सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जनशिकायतों के त्वरित निपटारे पर जोर लंबित मामलों में तेजी लाने का निर्देश

●अंतर विभागीय समीक्षा बैठक में राजस्व वसूली, न्यायालयीन वाद और विकास योजनाओं की प्रगति की हुई समीक्षा

प्रात : किरण संवाददाता

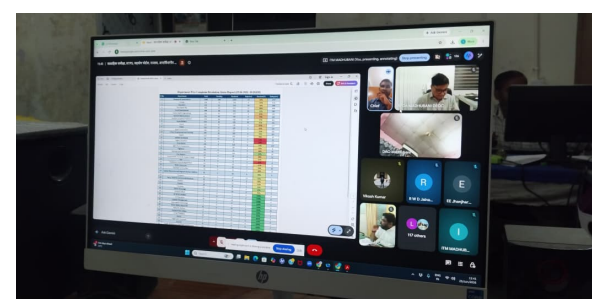

मधुबनी। जिलाधिकारी आनंद शर्मा की अध्यक्षता में गुरुवार को वर्चुअल माध्यम से सभी विभागों के पदाधिकारियों के साथ साप्ताहिक अंतर विभागीय समन्वय एवं समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों की प्रगति, लंबित मामलों, जन शिकायतों, न्यायालयीन वादों, राजस्व वसूली तथा विकास योजनाओं की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने सभी विभागों को लंबित मामलों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।बैठक में सेवा-संवाद-समाधान एवं सहयोग शिविर पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने निर्देश दिया कि प्राप्त शिकायतों को अनावश्यक रूप से लंबित नहीं रखा जाए। बताया गया कि सहयोग शिविर एवं पोर्टल पर अब तक 11,082 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 9,641 का निष्पादन किया जा चुका है, जबकि 1,039 आवेदन लंबित हैं। जिलाधिकारी ने सभी लंबित आवेदनों का निर्धारित समय-सीमा के भीतर निस्तारण करने का निर्देश दिया। समीक्षा के दौरान कला एवं संस्कृति, पिछड़ा एवं अति पिछड़ा कल्याण, उद्योग, अल्पसंख्यक कल्याण, खेल, सूचना एवं जनसंपर्क, पर्यटन तथा गन्ना उद्योग विभाग द्वारा शत-प्रतिशत आवेदनों के निष्पादन की सराहना की गई, जबकि लंबित मामलों वाले विभागों को फटकार लगाते हुए शीघ्र कार्रवाई का निर्देश दिया गया। बैठक में लोक सेवाओं का अधिकार अधिनियम, जिला स्तरीय जनता दरबार, मुख्यमंत्री जनता दरबार, सीपीग्राम, सूचना का अधिकार तथा अन्य शिकायत निवारण मंचों पर लंबित मामलों की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि शिकायतों के निष्पादन में लापरवाही बरतने वाले पदाधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। नीलाम पत्र शाखा की समीक्षा के दौरान राजस्व वसूली से जुड़े लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन पर बल दिया गया। जिलाधिकारी ने बड़े राजस्व वाले मामलों की प्राथमिकता के आधार पर सुनवाई एवं वसूली की प्रक्रिया तेज करने तथा नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।उच्च न्यायालय में लंबित सीडब्ल्यूजेसी, एमजेसी, एलपीए सहित अन्य न्यायालयीन मामलों की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को समय पर शपथ-पत्र, प्रतिवेदन एवं आवश्यक अभिलेख उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि न्यायालयीन मामलों में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।बैठक में विभिन्न विभागों के लंबित उपयोगिता प्रमाण-पत्र (यूसी) एवं व्यय प्रमाण-पत्र (डीसी) की भी समीक्षा की गई। साथ ही विभिन्न तकनीकी विभागों की विकास योजनाओं की प्रगति की जानकारी लेते हुए कार्यों में आ रही बाधाओं को शीघ्र दूर करने तथा सभी योजनाओं को निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्वक पूरा करने का निर्देश दिया।बैठक में अपर समाहर्ता (आपदा) संतोष कुमार सहित सभी विभागों के वरीय पदाधिकारी वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए।

एसएफआई की बैठक, छात्र अधिकारों को लेकर संघर्ष तेज करने का निर्णय

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी। जयनगर स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) जयनगर अनुमंडल इकाई की बैठक गुरुवार को आर्यकुमार पुस्तकालय के सभाकक्ष में सृजन की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। पूर्व छात्र नेता चंदेश्वर प्रसाद यादव और कुमार राणा प्रताप सिंह ने छात्रों से शिक्षा के अधिकार, सरकारी स्कूल-कॉलेजों की सुरक्षा तथा निजीकरण के विरोध में एकजुट होकर संघर्ष करने का आह्वान किया।केशव कुमार, राहुल कुमार यादव, पप्पू प्रभाकर और अनीश कुमार ने कहा कि एसएफआई छात्रों के

होटल लिच्छवी विहार के विकास को लेकर होटल मौर्या और बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम के बीच हुआ समझौता

समझौते से उत्तर बिहार के पर्यटन को मिलेगी नई दिशा : मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। बिहार के प्रतिष्ठित आतिथ्य संस्थान होटल मौर्या, पटना ने अपनी गौरवशाली विरासत को आगे बढ़ाते हुए उत्तर बिहार में विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया। इसी क्रम में होटल मौर्या एवं बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम के बीच मुजफ्फरपुर स्थित होटल लिच्छवी विहार के विकास, संचालन एवं प्रबंधन को लेकर समझौता संपन्न हुआ। इस अवसर पर बिहार सरकार के पर्यटन मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। होटल मौर्या वर्षों से बिहार की आतिथ्य परंपरा का एक विश्वसनीय और प्रतिष्ठित नाम रहा है। अब उत्तर बिहार में अपने विस्तार के साथ होटल मौर्या क्षेत्र में पर्यटन, बेहतर आतिथ्य सेवाओं, रोजगार सृजन तथा आर्थिक गतिविधियों को नई गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। होटल लिच्छवी विहार के आधुनिक विकास से मुजफ्फरपुर सहित पूरे उत्तर बिहार के पर्यटन को नई पहचान मिलने की उम्मीद है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पर्यटन मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता ने कहा कि बिहार सरकार राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सरकार द्वारा पर्यटन योजनाओं पर तेजी से काम हो रहा है। होटल मौर्या और बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम की यह साझेदारी उत्तर बिहार के पर्यटन विकास को एक नई दिशा देगी। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक समझौता नहीं, बल्कि विश्वास, पारदर्शिता, सहयोग और विकास के प्रति साझा संकल्प का प्रतीक है। होटल मौर्या के प्रबंध निदेशक आदित्य प्रकाश सिन्हा ने कहा कि होटल मौर्या की पहचान केवल एक होटल ब्रांड के रूप में नहीं, बल्कि बिहार की आतिथ्य संस्कृति के प्रतीक के रूप में रही है। होटल लिच्छवी विहार के विकास के माध्यम से हमारा लक्ष्य उत्तर बिहार में विश्वस्तरीय आतिथ्य सेवाएं उपलब्ध कराना, पर्यटन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार एवं आर्थिक अवसरों का सृजन करना है। होटल मौर्या, पटना के कार्यकारी निदेशक बी डी सिंह ने कहा कि होटल मौर्या की विरासत उत्कृष्ट आतिथ्य सेवा और गुणवत्ता पर आधारित रही है। उत्तर बिहार में हमारा यह विस्तार केवल एक व्यावसायिक पहल नहीं, बल्कि राज्य के पर्यटन और आतिथ्य उद्योग को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का संकल्प है। बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम के साथ मिलकर हम होटल लिच्छवी विहार को विश्वस्तरीय सुविधाओं से सुसज्जित करेंगे, जिससे पर्यटकों को बेहतर अनुभव मिलेगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। समारोह में पर्यटन विभाग, बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम, होटल मौर्या के वरिष्ठ अधिकारी तथा विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। सभी ने इस पहल को बिहार के पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र के लिए एक सकारात्मक, दूरदर्शी एवं ऐतिहासिक कदम बताया।

मुख्यमंत्री करेंगे 12 जुलाई को सिकंदरपुर मरीन ड्राइव का उद्घाटन

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। स्मार्ट सिटी मिशन के तहत मुजफ्फरपुर शहर का बहुप्रतीक्षित सिकंदरपुर मरीन ड्राइव प्रोजेक्ट अब पूरी तरह तैयार हो चुका है। आगामी 12 जुलाई को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी अपने प्रस्तावित मुजफ्फरपुर दौरे के दौरान इस महत्वाकांक्षी परियोजना का विधिवत उद्घाटन करेंगे। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर जिला प्रशासन की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। जानकारी के अनुसार, मुख्यमंत्री के दौरे को ऐतिहासिक बनाने के लिए जिला प्रशासन, नगर निगम और बुडको की टीम लगातार तैयारियों में जुटी हुई है। शहर की कई पूर्ण और निमार्णाधीन विकास योजनाओं को भी चिह्नित किया जा रहा है, ताकि मरीन ड्राइव के साथ उनका भी उद्घाटन और शिलान्यास कराया जा सके। मुख्यमंत्री के मुख्य कार्यक्रम के लिए एमआईटी मैदान को प्रस्तावित स्थल बनाया गया है। यहां विशाल मंच, पंडाल और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं तेजी से की जा रही हैं। प्रशासनिक अधिकारी लगातार कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर सुरक्षा, यातायात और अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा कर रहे हैं। इस कार्यक्रम की सबसे खास बात यह होगी कि मुजफ्फरपुर की धरती से पूरे बिहार के लिए ह्यमुख्यमंत्री समग्र विकास योजनाह्न के तहत तैयार और प्रस्तावित विभिन्न विकास परियोजनाओं का ऑनलाइन उद्घाटन और शिलान्यास किया जाएगा। इससे यह आयोजन केवल मुजफ्फरपुर ही नहीं, बल्कि पूरे राज्य के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। प्रशासन का कहना है कि मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर सभी विभागों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं और तैयारियों की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। 12 जुलाई को होने वाला यह कार्यक्रम मुजफ्फरपुर के विकास में एक नए अध्याय की शुरूआत माना जा रहा है।

फरार आरोपी के घर पुलिस ने चिपकाया इस्तेहार

मुजफ्फरपुर।जिले के हथौड़ी थाना क्षेत्र के एक पुराने मामले में लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी रामबाबू सहनी के घर पर पुलिस ने इस्तेहार तामीला की कार्रवाई की है। आरोपी रामबाबू सहनी, रामपुरहरी थाना क्षेत्र के ग्राम माधोपुर भिंडा का रहने वाला है। उसके खिलाफ हथौड़ी थाना कांड संख्या- 180/12 के तहत डकैती और आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज है। न्यायालय के आदेश पर पुलिस टीम ने आरोपी के पैतृक घर पहुंचकर ग्रामीणों के समक्ष इस्तेहार चिपकाया। मामले को लेकर हथौड़ी थाना अध्यक्ष सत्यनारायण शर्मा ने बताया कि आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा है और गिरफ्तारी से बचने का प्रयास कर रहा है।

नवपदस्थापित सीईओ प्रणव कुमार का स्वागत, शिक्षकों की समस्याओं के त्वरित समाधान का दिया आश्वासन

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। बीआरसी बोचहां में गुरुवार को एक समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में नवनियुक्त प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी प्रणव कुमार का परिवर्तनकारी शिक्षक संघ एवं प्रधान शिक्षक संघ के संयुक्त तत्वावधान में भव्य स्वागत सह सम्मान किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संयुक्त रूप से विपिन बिहारी प्रसाद एवं मिन्दु कुमार द्वारा की गई। विभिन्न विद्यालयों से आए प्रधान शिक्षकों और सहायक शिक्षकों ने नए प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी को फूल-माला पहनाकर, शॉल ओढ़ाकर, पेन, डायरी और गुलदस्ता भेंट किया। शिक्षकों ने अत्यंत गर्मजोशी और उत्साह के साथ नए बीईओ का स्वागत किया। स्वागत समारोह के बाद शिक्षकों को संबोधित करते हुए प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी प्रणव कुमार ने शिक्षा व्यवस्था में सुधार और अनुशासन को लेकर तीन अत्यंत महत्वपूर्ण बातें कहीं। उन्होंने कहा कि सभी विद्यालयों का संचालन निर्धारित समय पर हो और बच्चों के पठन-पाठन कार्य को पूरी गुणवत्ता के साथ सुनिश्चित किया जाए। शिक्षकों के वेतन और अंतर-वेतन से जुड़ी जो भी समस्याएं हैं, उन्हें अविलंब दूर किया जाएगा। विभाग द्वारा समय-समय पर निर्गत किए जाने वाले पत्रों और मांगी गई रिपोर्टों को तय समय सीमा के भीतर विभाग को उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। इस स्वागत सह सम्मान कार्यक्रम में मुख्य रूप से विपिन बिहारी प्रसाद यादव, मिन्दु कुमार, चंदन यादव, धनंजय कुमार, मनोज कुमार, संतोष कुमार, अजीत कुमार, विजय कुमार, गंगा कुमार, कमलेश कुमार, शुभ्रासु कुमारी सहित प्रखंड के कई शिक्षक और शिक्षाविद उपस्थित थे।

भोजपुर एन्काउंटर मामले में मानवाधिकार आयोग सख्त, अगली सुनवाई 3 अगस्त को

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर । भोजपुर एन्काउंटर मामले में बिहार राज्य मानवाधिकार आयोग काफी सख्त है। 3 जुलाई को बिहार सरकार की ओर से अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (विधि एवं व्यवस्था) के द्वारा उपस्थित होकर प्रतिवेदन दाखिल करने हेतु अतिरिक्त दो सप्ताह का समय देने का अनुरोध किया गया। इसपर सुनवाई करते हुए आयोग ने मांगे गए समय को स्वीकृति देने के साथ ही, इस दौरान मृतक भरत भूषण तिवारी के आश्रितों को जल्द-से-जल्द अनुग्रह राशि देने का भी आदेश दिया। विदित हो कि आयोग में मानवाधिकार अधिवक्ता एस.के.झा की याचिका पर सुनवाई चल रही है, जिसमें आयोग द्वारा लगातार सख़्ती दिखाई जा रही है। मानवाधिकार अधिवक्ता एस.के.झा ने कहा कि पीड़ित परिवार को हर हाल में न्याय मिलना चाहिए और दोषी पुलिसकर्मियों के विरुद्ध कड़ी-से-कड़ी और सख्त कार्रवाई सुनिश्चित होनी चाहिए। मामले में अगली सुनवाई 3 अगस्त को निर्धारित की गयी है।

एसटीएफ की बड़ी सफलता: 24 घंटे में 3 वांछित अपराधी गिरफ्तार, दो टॉप-10 बदमाश भी गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। स्पेशल टास्क फोर्स ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के भीतर तीन वांछित अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में दो जिले के टॉप-10 अपराधी शामिल हैं। यह कार्रवाई मुजफ्फरपुर जिला पुलिस, हरियाणा पुलिस और स्थानीय पुलिस के संयुक्त अभियान के तहत की गई। पहली कार्रवाई में हरियाणा के सदर पेहवा थाना, कुरुक्षेत्र में एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज मामले में वांछित आरोपी मो. मुन्ना उर्फ लालू को जिले के सकरा थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। आरोपी पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी का रहने वाला है और नशा तस्करी के मामले में फरार चल रहा था। दूसरी कार्रवाई में एसटीएफ ने करजा थाना में दर्ज सीएससी लूटकांड के वांछित टॉप-10 अपराधी अक्षय कुमार को सोनपुर रेलवे स्टेशन के पास से गिरफ्तार किया। उस पर वर्ष 2025 में सीएससी केंद्र से 1.72 लाख रुपये की लूट का आरोप है। आरोपी मोतीपुर थाना क्षेत्र के बरियारपुर गांव का निवासी है। तीसरी कार्रवाई में साहेबगंज थाना में दर्ज डकैती और हत्या के प्रयास के मामले में फरार टॉप-10 अपराधी गोलू चौधरी को दानापुर रेलवे स्टेशन के पास से दबोचा गया। उसके खिलाफ वर्ष 2021 से मामला दर्ज था और वह लंबे समय से फरार चल रहा था।एसटीएफ अधिकारियों ने बताया कि तीनों आरोपियों को संबंधित थानों को सौंप दिया गया है, जहां उनसे पूछताछ के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस अभियान को संगठित अपराध और फरार अपराधियों के खिलाफ एसटीएफ की बड़ी सफलता माना जा रहा है।

दो किशोरी लापता, अलग-अलग मामलों में एफआईआर दर्ज

मुजफ्फरपुर। गरहां थाना क्षेत्र के दो अलग-अलग गांवों से दो नाबालिग किशोरियों के लापता होने का मामला सामने आया है। दोनों मामलों में परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। साथ ही किशोरियों की सुरक्षित बरामदगी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। पहले मामले में एक पिता ने पुलिस को दिए आवेदन में बताया कि उनकी 16 वर्षीय पुत्री चार जुलाई को घर से बिना किसी को बताए कहीं चली गई। परिजनों ने अपने स्तर पर काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। पीड़ित पिता ने मीनापुर थाना क्षेत्र के एक युवक और उसके परिजनों पर आरोप लगाया है कि उन्होंने शादी का झांसा देकर उनकी पुत्री को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गए। आवेदन में यह भी कहा गया है कि घर से करीब 50 हजार रुपये नकद और चांदी के आभूषण भी गायब हैं। इस मामले में कई लोगों को नामजद करते हुए साजिश में संलिप्तता की आशंका जताई गई है। वहीं, दूसरे मामले में एक अन्य पिता ने बताया कि उनकी करीब 16 वर्षीय पुत्री दो जुलाई को परीक्षा देने के लिए घर से निकली थी, लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटी। परिजनों ने रिश्तेदारों, परिचितों और सहेलियों के यहां उसकी तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिलने पर उन्होंने गरहां थाना में शिकायत दर्ज कराई। गरहां थानाध्यक्ष सेन्टू कुमार ने बताया कि दोनों मामलों में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है। नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी और दोनों लापता किशोरियों की सुरक्षित बरामदगी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है तथा आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

बिछड़ा भाई 41 साल बाद घर लौटा , छोटे भाई के अटूट विश्वास ने लिखी भावुक मिलन की कहानी

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले के कांटी प्रखंड के गोदाई फुलकाहा गांव में 41 वर्षों बाद एक ऐसा भावुक मिलन हुआ, जिसने पूरे इलाके की आंखें नम कर दीं। पोखरैरा निवासी दिवंगत राम खिलावन मिश्र के बड़े पुत्र उमेश मिश्र 5 जुलाई 2026 की सुबह अचानक अपने पैतृक घर पहुंच गए। उन्हें सामने देखकर छोटे भाई वीरेंद्र मिश्र खुद को संभाल नहीं सके और दोनों भाई गले लगकर फूट-फूटकर रो पड़े। यह दृश्य देखकर गांव के लोगों की भी आंखें भर आईं। उमेश मिश्र ने बताया कि वर्ष 1986 में वे रोजगार की तलाश में असम चले गए थे। शुरूआत में घर लौटने का इरादा था, लेकिन समय बीतने के साथ उनके मन में एक अजीब और अनजाना डर घर कर गया। इसी डर के कारण वे चाहकर भी कभी अपने परिवार के पास लौटने की हिम्मत नहीं जुटा सके। उन्होंने भावुक होकर कहा कि परिवार की याद उन्हें हर दिन आती थी, लेकिन उनके कदम जैसे रुक गए थे। इधर, घर पर छोटे भाई वीरेंद्र मिश्र ने कभी अपने बड़े भाई के जीवित होने की उम्मीद नहीं छोड़ी। वर्ष 1995 में पिता के निधन के बाद उन्होंने भाई की तलाश शुरू की। 1996 में जानकारी मिलने पर वे असम भी पहुंचे, जहां उमेश से मुलाकात हुई। उस समय उमेश ने बाद में घर आने का भरोसा दिया, लेकिन इसके बाद वे गुजरात चले गए और फिर वर्षों तक उनका कोई संपर्क नहीं हो सका। समय बीतने के साथ गांव के लोगों ने उमेश को मृत मान लिया और कई बार वीरेंद्र मिश्र पर बड़े भाई का श्राद्ध करने का दबाव बनाया। इस बात को लेकर परिवार में भी कई बार विवाद हुआ, लेकिन वीरेंद्र हर बार यही कहते रहे कि उनका भाई जीवित है और वे उसका श्राद्ध कभी नहीं करेंगे। उनका यह अटूट विश्वास आखिरकार 41 साल बाद सच साबित हुआ। उमेश मिश्र ने बताया कि वर्ष 2024 में गुजरात के गांधीधाम में एक भीषण सड़क दुर्घटना में वे गंभीर रूप से घायल हो गए थे। अस्पताल में जिंदगी और मौत से जूझते हुए उन्हें अपने परिवार, गांव और छोटे भाई की याद सताने लगी। करीब दो वर्षों तक इलाज और संघर्ष के बाद उन्होंने घर लौटने का फैसला किया और 5 जुलाई 2026 को अपने गांव पहुंच गए। 41 वर्षों बाद दोनों भाइयों के मिलन की यह मार्मिक कहानी पूरे इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है। गांव के लोग वीरेंद्र मिश्र के अटूट विश्वास और भाई के प्रति उनके प्रेम को सलाम कर रहे हैं। यह घटना एक बार फिर साबित करती है कि सच्चे रिश्ते समय और दूरी से नहीं टूटते, बल्कि विश्वास और प्रेम उन्हें हमेशा जीवित रखता है।

दिव्यांगजन सशक्तिकरण की मिसाल दो दिव्यांगजन विवाह बंधन में बंधे

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर, 8 जुलाई। सामाजिक समरसता, समान अवसर और दिव्यांगजन सशक्तिकरण की दिशा में एक प्रेरणादायी पहल करते हुए बिहार एसोसिएशन ऑफ पर्सन्स विथ डिसेबिलिटी के प्रयास से दो दिव्यांगजन का विवाह तिरहुत प्रमंडल के प्रसिद्ध बाबा गरीब स्थान मंदिर में सामाजिक रीति-रिवाजों के साथ संपन्न कराया गया।इस अवसर पर सचिन कुमार (ग्रामझरतवारा, थानाझपारू) और रूपा कुमारी (ग्रामझबसुआ, थानाझऔराई) ने वैवाहिक जीवन की नई शुरूआत की। समारोह दोनों परिवारों की सहमति और सामाजिक गरिमा के साथ संपन्न हुआ। सचिन कुमार की कहानी इस विवाह को और भी प्रेरणादायी बनाती है। उनके पिता रामेश्वर दास 100 प्रतिशत दिव्यांग हैं और परिवार में उनकी देखभाल करने वाला कोई अन्य सदस्य नहीं है। ऐसे में सचिन वर्षों से स्वयं भोजन बनाकर अपने पिता की सेवा और देखभाल करते आ रहे हैं। उनकी जिम्मेदारी और सेवा-भावना को देखते हुए संगठन की टीम ने दोनों परिवारों को जोड़ने का प्रयास किया, जो सफल रहा। संगठन ने नवदंपति को रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ दिलाने और बिहार सरकार की मुख्यमंत्री निःशक्तजन विवाह प्रोत्साहन अनुदान योजना के तहत मिलने वाली एक लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि दिलाने के लिए आवश्यक दस्तावेजी प्रक्रिया और प्रशासनिक सहयोग देने का भी संकल्प लिया है।

हाईटेंशन टावर पर चढ़ी युवती घंटों चला समझाने का प्रयास

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले के साहेबगंज थाना क्षेत्र के गुलाबपट्टी गांव में गुरुवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक युवती हाईटेंशन बिजली टावर पर चढ़ गई। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोगों की भारी भीड़ मौके पर जुट गई। प्रशासन और पुलिस की टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और युवती को सुरक्षित नीचे उतारने के प्रयास शुरू कर दिए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, युवती कथित तौर पर दूसरी युवती से शादी करने की मांग को लेकर टावर पर चढ़ी है। हालांकि, इस दावे की अभी तक प्रशासन की ओर से आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और घटना के पीछे की वास्तविक वजह का पता लगाने में जुटी है। घटना की गंभीरता को देखते हुए प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस बल और संबंधित विभाग के कर्मी मौके पर मौजूद रहे। अधिकारियों ने युवती से बातचीत कर उसे शांत करने और सुरक्षित नीचे उतरने के लिए लगातार प्रयास किया। किसी भी अप्रिय घटना से बचाव के लिए इलाके में सुरक्षा व्यवस्था भी बढ़ा दी गई। हाईटेंशन टावर पर युवती के चढ़ने की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण और आसपास के लोग घटनास्थल पर पहुंच गए, जिससे वहां भीड़ लग गई। पुलिस ने लोगों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने और राहत एवं बचाव कार्य में सहयोग करने की अपील की। फिलहाल प्रशासन की प्राथमिकता युवती को सुरक्षित नीचे उतारना है। वहीं, युवती की पहचान, उसकी मांग और टावर पर चढ़ने के पीछे की वास्तविक वजह को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

दो चचेरी बहनें लापता, जांच में जुटी पुलिस

मुजफ्फरपुर। जिले के औराई थाना क्षेत्र से रिश्तों को लेकर सनसनीखेज मामला सामने आया है। एक ही परिवार की दो चचेरी बहनों के एक साथ घर से लापता होने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। परिजनों ने आरोप लगाया है कि दोनों युवतियां पड़ोस के दो युवकों के साथ घर छोड़कर चली गई हैं। आरोप है कि इनमें से एक युवक रिश्ते में चाचा, जबकि दूसरा चचेरा भाई लगता है। जानकारी के अनुसार, घटना शनिवार की बताई जा रही है। उस समय दोनों युवतियों के परिजन रोजगार के सिलसिले में घर से बाहर गए हुए थे। शाम को घर लौटने पर दोनों बेटियां घर पर नहीं मिलीं। काफी खोजबीन के बाद भी उनका कोई सुराग नहीं लगा। इसी बीच परिजनों को पता चला कि पड़ोस के दो युवक भी उसी समय से लापता हैं। इसके बाद परिजन औराई थाना पहुंचे और पूरे मामले की लिखित शिकायत दर्ज कराई। आवेदन में आरोप लगाया गया है कि दोनों युवतियां उन्हीं युवकों के साथ गई हैं। परिजनों का कहना है कि एक युवती अपने रिश्ते के चाचा और दूसरी अपने चचेरे भाई के साथ घर छोड़कर चली गई है। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। औराई थाना पुलिस संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है तथा मोबाइल लोकेशन और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर दोनों युवतियों की तलाश की जा रही है। इस संबंध में डीएसपी ईस्ट-1 आलय वत्स ने बताया कि परिजनों से आवेदन प्राप्त हुआ है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है और दोनों युवतियों की बरामदगी के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

बागमती की पुरानी धारा में पहली बार छोड़ा गया पानी, किसानों के लिए जगी नई उम्मीद

मुजफ्फरपुर। उत्तर बिहार में हर साल बाढ़ का कारण बनने वाली बागमती नदी अब किसानों के लिए राहत और समृद्धि का माध्यम बनने की ओर बढ़ रही है। सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत बेलवा घाट स्थित हेड रेगुलेटर से पहली बार परीक्षण के तौर पर बागमती नदी का पानी उसकी पुरानी धारा में छोड़ा गया। पानी के पुरानी धारा में पहुंचते ही इलाके के किसानों में खुशी की लहर दौड़ गई। जल संसाधन विभाग के अनुसार बेलवा घाट से छोड़ा गया पानी बागमती की पुरानी धारा के रास्ते पूर्वी चंपारण, शिवहर और मुजफ्फरपुर के मीनापुर तक पहुंचेगा। इससे हजारों किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध होगा। किसानों को उम्मीद है कि सिंचाई की लागत कम होगी और कृषि उत्पादन में भी बढ़ोतरी होगी। अधिकारियों का कहना है कि यह परियोजना केवल सिंचाई तक सीमित नहीं है। बागमती नदी में जलस्तर बढ़ने पर अतिरिक्त पानी को हेड रेगुलेटर के माध्यम से पुरानी धारा में मोड़ा जाएगा। इससे मुख्य धारा पर दबाव कम होगा और बाढ़ नियंत्रण में भी बड़ी मदद मिलेगी। जल संसाधन विभाग ने इस परियोजना के तहत करीब 139 करोड़ रुपये की लागत से बेलवा घाट पर हेड रेगुलेटर और स्लूइस गेट का निर्माण कराया है। इसके अलावा बेलवा घाट से देवापुर तक लगभग 1,732 मीटर लंबे तटबंध का भी निर्माण किया गया है। परियोजना के तहत बेलवा, जिहुली, ललुआ और आसपास के क्षेत्रों में बागमती नदी की पुरानी धारा की व्यापक खुदाई कर उसे दोबारा जल प्रवाह के योग्य बनाया गया है। इसी वजह से अब नदी का पानी पुरानी धारा के रास्ते आगे बढ़ने लगा है। स्थानीय किसानों का कहना है कि अब उन्हें सिंचाई के लिए केवल बारिश या महंगे डीजल पंप पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। नदी का पानी उपलब्ध होने से धान समेत अन्य फसलों की खेती आसान होगी और उत्पादन बढ़ने से किसानों की आय में भी वृद्धि की उम्मीद है। बागमती परियोजना के अभियंता अविनाश कुमार ने बताया कि बेलवा घाट हेड रेगुलेटर से पुरानी धारा में पानी छोड़कर सफल परीक्षण किया गया है। उन्होंने कहा कि परियोजना पूरी तरह लागू होने के बाद बाढ़ के समय अतिरिक्त पानी को पुरानी धारा में प्रवाहित किया जाएगा, जिससे बाढ़ नियंत्रण के साथ-साथ सिंचाई व्यवस्था भी और अधिक सुदृढ़ होगी।

अंधविश्वास के नाम पर महिला से लाखों के जेवर ठगे

मुजफ्फरपुर। ब्रह्मपुरा थाना क्षेत्र में अंधविश्वास का सहारा लेकर ठगी का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। दो शातिर ठगों ने एक महिला को शनि की दशा खराब होने और परिवार पर बड़ी विपत्ति आने का भय दिखाकर सोने-चांदी के जेवर अपने कब्जे में ले लिए और मौके से फरार हो गए। घटना के बाद पीड़िता ने ब्रह्मपुरा थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस को दिए आवेदन में संजय सिनेमा कॉलोनी (रोड नंबर-5) निवासी सीता गुप्ता ने बताया कि वह सुबह दीपक खरीदने के लिए बाजार जा रही थीं। इसी दौरान आयुष्मान अस्पताल के पास सड़क किनारे खड़े दो अज्ञात व्यक्तियों ने उन्हें रोककर बातचीत शुरू की। दोनों ने स्वयं को ज्योतिष का जानकार बताते हुए उनके भविष्य और ग्रह-दशा की चर्चा की। महिला के अनुसार, ठगों ने कहा कि उनकी शनि की दशा खराब चल रही है और परिवार पर बड़ा संकट आने वाला है। इसके बाद उन्होंने गले में पहनी सोने की चेन को अशुद्ध बताते हुए उसे शुद्ध करने की बात कही। परिवार पर संकट की बात सुनकर महिला घबरा गई और अपने गले की करीब डेढ़ भर सोने की चेन, आधा भर सोने के टॉप्स तथा करीब एक भर चांदी की अंगूठी उतारकर उन्हें सौंप दी। जेवर हाथ में मिलते ही दोनों आरोपी कुछ ही सेकेंड में वहां से फरार हो गए। कुछ देर बाद महिला को ठगी का एहसास हुआ, जिसके बाद उन्होंने ब्रह्मपुरा थाना पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई। ब्रह्मपुरा थानाध्यक्ष विपिन रंजन ने बताया कि मामले में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। जांच की जिम्मेदारी सब-इंस्पेक्टर शालिनी कुमारी को सौंपी गई है। पुलिस घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि आरोपियों की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी की जा सके। पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि सड़क पर अजनबियों द्वारा भविष्य, ग्रह-दशा, तंत्र-मंत्र या जेवर शुद्ध करने जैसी बातों में न आएं। किसी भी संदिग्ध व्यक्ति की सूचना तुरंत नजदीकी थाना या पुलिस कंट्रोल रूम को दें, ताकि ऐसी घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाई जा सके।

अंचलाधिकारी अंकुर राय की भावपूर्ण विदाई, कर्मियों ने किया सम्मानित

मुजफ्फरपुर। जिले के बन्दरा के अंचलाधिकारी अंकुर राय का तबादला दरभंगा जिले के सिंहवाड़ा अंचल में होने पर अंचल कार्यालय के कर्मियों की ओर से शहर में भव्य विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में सीओ अंकुर राय एवं उनकी पत्नी की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर अंचल के अधिकारियों एवं कर्मियों ने अंकुर राय के कार्यकाल को याद करते हुए उनके प्रशासनिक कार्यों, कार्यशैली और व्यवहार की मुक्तकंठ से सराहना की। वक्ताओं ने कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान ईमानदारी, पारदर्शिता और जनसेवा की भावना के साथ कार्य किया। अधीनस्थ कर्मियों के प्रति उनका सहयोगात्मक और प्रेरणादायी व्यवहार अनुकरणीय रहा। समारोह के दौरान सीओ अंकुर राय और उनकी पत्नी को पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। सभी ने उनके उज्ज्वल भविष्य और नई जिम्मेदारी के सफल निर्वहन की शुभकामनाएं दीं।

फेसबुक पर अवैध कट्टे के साथ फोटो पोस्ट करना पड़ा महंगा, युवक गिरफ्तार

- औसी थाना पुलिस ने एक देशी कट्टा, जिंदा कारतूस व मोबाइल बरामद किया, एक अन्य आरोपी फरार

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी । सोशल मीडिया पर अवैध देशी कट्टे के साथ फोटो पोस्ट करने के मामले में औंसी थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से एक अवैध देशी कट्टा, एक जिंदा कारतूस और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया है। मामले में आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है, जबकि फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मो. जमील अहमद, पिता इरशाद अहमद, निवासी खैरीबांका, थाना औंसी, जिला मधुबनी के रूप में हुई है।पुलिस के अनुसार, जिले में स्थापित सोशल मीडिया सेंटर के माध्यम से औंसी थाना को एक फोटो प्राप्त हुई, जिसमें एक युवक अवैध देशी कट्टे के साथ फोटो खिंचवाकर उसे अपने फेसबुक अकाउंट पर पोस्ट किए हुए था। स्थानीय चौकीदार से सत्यापन कराने पर युवक की पहचान मो. जमील अहमद के रूप में हुई। इसके बाद वरीय अधिकारियो के निर्देश पर थानाध्यक्ष के नेतृत्व में छापेमारी दल का गठन किया गया।पुलिस जब आरोपी के घर पहुंची तो वह भागने का प्रयास करने लगा, लेकिन पुलिस बल ने उसे पकड़ लिया। पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि कट्टे के साथ फोटो उसी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट की थी। उसने बताया कि वह मो. गुलफाम की झाड़-फूंक की दुकान पर गया था, जहां मौजूद देशी कट्टे के साथ उसने फोटो खिंचवाकर फेसबुक पर डाल दी थी।आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने मो. गुलफाम की दुकान पर छापेमारी की। पुलिस वाहन देखकर मो. गुलफाम अंधेरे का लाभ उठाकर फरार हो गया। दुकान की तलाशी के दौरान कागज में लिपटा एक अवैध देशी कट्टा, एक जिंदा कारतूस और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया।इस संबंध में औंसी थाना कांड संख्या 51/26, दिनांक 9 जुलाई 2026, के तहत आर्म्स एक्ट की धारा 25(1-बी)ए, 26 एवं 35 के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है।

श्रावणी मेले से पहले पुलिस की बड़ी तैयारी क्राइम मीटिंग में सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी। आगामी 30 जुलाई से शुरू होने वाले श्रावणी मेले को लेकर झंझारपुर अनुमंडल प्रशासन ने सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था की तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में मदनेश्वर स्थान स्थित पंचायत सरकार भवन में एसडीपीओ सुबोध कुमार सिंह की अध्यक्षता में मासिक क्राइम मीटिंग आयोजित की गई, जिसमें अनुमंडल के सभी थानाध्यक्ष एवं पुलिस पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में एसडीपीओ ने निर्देश दिया कि श्रावणी मेले के दौरान श्रद्धालुओं और कांवरियो की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। मंदिर परिसर, भीड़भाड़ वाले

सम्पादकीय

पृथ्वी पर तेजी से बढ़ती जनसंख्या : विकास, संसाधन और भविष्य की चुनौती

मानव सभ्यता के विकास का इतिहास जितना पुराना है, जनसंख्या वृद्धि का इतिहास भी उतना ही पुराना है। प्राचीन काल में अधिक जनसंख्या को शक्ति, समृद्धि और सामाजिक सुरक्षा का प्रतीक माना जाता था। कृषि प्रधान समाजों में अधिक हाथों का अर्थ अधिक उत्पादन और अधिक सुरक्षा समझा जाता था। भारत सहित विश्व की अनेक संस्कृतियों में विवाह और संतानोत्पत्ति को जीवन का महत्वपूर्ण उद्देश्य माना गया। उस समय पृथ्वी पर जनसंख्या कम थी, प्राकृतिक संसाधन पर्याप्त थे और मानव बसाहटें सीमित थीं, इसलिए जनसंख्या वृद्धि को प्रोत्साहित किया जाता था। किन्तु समय के साथ परिस्थितियाँ बदल गईं। औद्योगिक क्रांति, चिकित्सा विज्ञान की प्रगति, टीकाकरण, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं और घटती मृत्युदर के कारण विश्व की जनसंख्या अभूतपूर्व गति से बढ़ने लगी। आज स्थिति यह है कि जनसंख्या वृद्धि केवल संख्या का प्रश्न नहीं रह गई है, बल्कि यह विकास, पर्यावरण, रोजगार, स्वास्थ्य, शिक्षा और संसाधनों की उपलब्धता से जुड़ा वैश्विक विषय बन चुकी है। इसी गंभीर चुनौती के प्रति विश्व समुदाय का ध्यान आकर्षित करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 11 जुलाई को विश्व जनसंख्या दिवस मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 1989 में इस दिवस की शुरूआत की थी। 11 जुलाई 1987 को विश्व की जनसंख्या पाँच अरब के आँकड़े तक पहुँच गई थी, जिसे फाइव बिलियन डे कहा गया। उसी घटना की स्मृति में यह दिवस मनाया जाने लगा। आज विश्व की जनसंख्या लगभग आठ अरब से अधिक हो चुकी है। वैज्ञानिकों और जनसंख्या विशेषज्ञों का अनुमान है कि वर्ष 2050 तक यह संख्या लगभग 9.7 अरब तक पहुँच सकती है। यद्यपि कई विकसित देशों में जनसंख्या वृद्धि की दर धीमी हो रही है, फिर भी विकासशील देशों में बढ़ती आबादी संसाधनों पर भारी दबाव बना रही है। भारत के संदर्भ में यह विषय और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। भारत वर्तमान में विश्व का सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश है। स्वतंत्रता के समय देश की जनसंख्या लगभग 34 करोड़ थी। 1951 की पहली जनगणना में यह लगभग 36 करोड़ थी, जो आज बढ़कर लगभग 140 करोड़ से अधिक हो चुकी है। यह वृद्धि केवल संख्या में बढ़ोतरी नहीं है, बल्कि इसके साथ अनेक सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय चुनौतियाँ भी जुड़ी हुई हैं। तेजी से बढ़ती जनसंख्या का सबसे बड़ा प्रभाव प्राकृतिक संसाधनों पर पड़ता है। पृथ्वी के पास सीमित भूमि, जल, वन और खनिज संसाधन हैं, जबकि जनसंख्या निरंतर बढ़ रही है। परिणामस्वरूप कृषि भूमि सिकुड़ रही है, भूजल स्तर घट रहा है, जंगलों का विनाश हो रहा है और जैव विविधता संकट में पड़ रही है। मानव आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए प्रकृति पर बढ़ता दबाव पर्यावरणीय संतुलन को प्रभावित कर रहा है। जनसंख्या वृद्धि का सीधा संबंध बेरोजगारी से भी है। जब रोजगार सृजन की गति जनसंख्या वृद्धि की गति से पीछे रह जाती है, तब बेरोजगारी और आर्थिक विषमता बढ़ने लगती है। लाखों शिक्षित युवा रोजगार की तलाश में भटकते हैं, जबकि सीमित अवसरों के कारण प्रतिस्पर्धा और अधिक कठिन हो जाती है। यही स्थिति सामाजिक असंतोष और आर्थिक असुरक्षा को जन्म देती है। शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी जनसंख्या वृद्धि बड़ी चुनौती बनती जा रही है। बढ़ती आबादी के कारण विद्यालयों, महाविद्यालयों, अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों पर दबाव बढ़ रहा है। सरकारों को अधिक संसाधन खर्च करने पड़ते हैं, फिर भी गुणवत्तापूर्ण सुविधाएँ प्रत्येक व्यक्ति तक पहुँचाना कठिन हो जाता है। तेजी से बढ़ते शहरीकरण की समस्या भी जनसंख्या वृद्धि से जुड़ी हुई है। रोजगार और बेहतर जीवन की तलाश में लोग ग्रामीण क्षेत्रों से शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं।परिणामस्वरूप महानगरों में झुग्गी-झोपड़ियाँ बढ़ रही हैं, यातायात की समस्याएँ गंभीर होती जा रही हैं तथा पेयजल, स्वच्छता और आवास जैसी मूलभूत सुविधाओं पर अत्यधिक दबाव पड़ रहा है। जनसंख्या वृद्धि का प्रभाव जलवायु परिवर्तन पर भी पड़ता है। अधिक जनसंख्या का अर्थ अधिक ऊर्जा खपत, अधिक वाहन, अधिक उद्योग और अधिक कार्बन उत्सर्जन है। इससे वैश्विक तापमान वृद्धि, जल संकट और प्राकृतिक आपदाओं का खतरा बढ़ता जा रहा है। इसलिए जनसंख्या और पर्यावरण के बीच संतुलन स्थापित करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। हालाँकि यह भी सत्य है कि जनसंख्या केवल समस्या नहीं है। यदि जनसंख्या शिक्षित, स्वस्थ, कुशल और उत्पादक हो तो वही किसी राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति बन सकती है।

क्या यह विश्व इतिहास का सबसे बड़ा अंतिम संस्कार हो सकता है?

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

9 जुलाई 2026 पर पूरे विश्व की नजरे-कई विश्लेषकों का मानना है कि यह आयोजन भविष्य की वाताओं, क्षेत्रीय गठबंधनों और सुरक्षा समीकरणों को प्रभावित कर सकता है वैश्विक स्तरपर मध्य-पूर्व का इतिहास केवल युद्धों,तेल,परमाणु कार्यक्रमों और कूटनीतिक संघर्षों से नहीं लिखा गया है, बल्कि ऐसे प्रतीकात्मक आयोजनों से भी लिखा गया है जिन्होंने आने वाली पीढ़ियों की राजनीति और जनमानस को प्रभावित किया।28 फरवरी 2026 कों ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई का अंतिम संस्कार ऐसा ही एक आयोजन बनता दिखाई दे रहा है। फरवरी में हुए अमेरिकी-इजरायली हमले में उनकी मृत्यु के बाद सुरक्षा कारणों से अंतिम संस्कार तत्काल नहीं किया जा सका और उसे कई महीनों के लिए स्थगित करना पड़ा। अब जुलाई में शुरू हुई बहु-दिवसीय अंतिम यात्रा को ईरानी नेतृत्व केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता, शहादत, प्रतिरोध और राजनीतिक संदेश के रूप में प्रस्तुत कर रहा है। अनेक अंतरराष्ट्रीय मीडिया संस्थानों के अनुसार अंतिम यात्रा तेहरान से शुरू होकर विभिन्न धार्मिक स्थलों से गुजरते हुए 9 जुलाई को मशहद में दफन के साथ पूरी होगी।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र इलेक्ट्रॉनिक सोशल मीडिया में लगातार देख रहा हूं कि ईरानी सरकारी मीडिया और कई अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों में इसे फनरल ऑफ द सेंचुरी यानें शताब्दी का अंतिम संस्कार कहा जा रहा है। आयोजकों का दावा है कि पूरे कार्यक्रम में करोड़ों लोग शामिल हो सकते हैं, जबकि स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय एजेंसियाँ अभी केवल लाखों से करोड़ों तक की संभावित भीड़ का उल्लेख कर रही हैं और अंतिम संख्या की पुष्टि बाद में होने की बात कह रही हैं। कुछ रिपोर्टों में 1.5 से 2 करोड़ तथा कुछ में इससे भी अधिक उपस्थिति का अनुमान लगाया गया है, किंतु इन आँकड़ों की सटीकता से स्वतंत्र पुष्टि अभी शेष है। हालांकि यह पूरी जानकारी मीडिया से उठाई गई है। साथियों बात अगर हम चार महीने तक सुरक्षित रखा गया पार्थिव शरीर,शिया परंपरा और अभूतपूर्व राष्ट्रीय तैयारी को समझने की करें तो,इस पूरे आयोजन का सबसे असाधारण पक्ष यह है कि अयातुल्ला खामेनेई और उनके परिवार के 4 अन्य दिवंगत सदस्यों के पार्थिव शरीरों को लगभग चार महीने तक संरक्षित रखा गया। सामान्य इस्लामी परंपरा में मृत्यु के बाद शीघ्र दफन को सर्वोत्तम माना जाता है, लेकिन युद्ध, बड़े सुरक्षा संकट या अन्य असाधारण परिस्थितियों में विलंब की अनुमति दी जाती है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस अवधि में शवों को रासायनिक संरक्षण (एम्बामिंग) के बजाय नियंत्रित तापमान वाले रेफ्रिजरेटेड कोल्ड स्टोरेज में रखा गया होगा, ताकि धार्मिक मान्यताओं का सम्मान बना रहे।युद्धकालीन परिस्थितियों के कारण अंतिम संस्कार टालना केवल धार्मिक निर्णय नहीं था,बल्कि एक राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति भी थी। ईरान को आशंका थी कि यदि युद्ध के दौरान इतने बड़े सार्वजनिक कार्यक्रम आयोजित किए गए तो दुश्मन देश या आतंकी संगठन भीड़ या शीर्ष नेतृत्व को निशाना बना सकते हैं। इसी कारण अंतिम संस्कार तब तक स्थगित रखा गया जब तक व्यापक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित नहीं हो गई। साथियों बात अगर हम तेहरान में शुरू हुए इस शोक समारोह के लिए राजधानी को अभूतपूर्व सुरक्षा घेरे में बदल दिया गया है। विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार सेना, पुलिस, इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स,स्वयंसेवी संगठन और प्रशासनिक तंत्र को संयुक्त रूप से तैनात किया गया है। संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाई गई है और कुछ अवधियों के लिए हवाई क्षेत्र पर भी विशेष नियंत्रण रखा गया है। सोशल मीडिया और कुछ समाचार माध्यमों में पाँच करोड़ रोटियाँ, हजारों जल-छिड़काव केंद्र, सैकड़ों पार्किंग स्थल और करोड़ों श्रद्धालुओं जैसी तैयारियों के दावे सामने आए हैं।

बचपन की असुरक्षा और समाज की विफलता

लेकिन अपराध सामान्य नहीं होते। वे समाज की गहराइयों में मौजूद उन विकृतियों का परिणाम होते हैं, जिन्हें हम लंबे समय तक अनदेखा करते रहते हैं। इसलिए श्रीगंगानगर की घटना को केवल पुलिस कार्रवाई या अदालत की प्रक्रिया तक सीमित करके नहीं देखा जा सकता। यह हमारे सामाजिक चरित्र, नैतिक शिक्षा, प्रशासनिक सतर्कता और लोकतांत्रिक संवेदनशीलता की सामूहिक परीक्षा है। भारत में बाल यौन हिंसा का संकट नया नहीं है। पिछले डेढ़ दशक में ऐसे मामलों की रिपोर्टिंग बढ़ी है। इसका एक कारण यह भी है कि बच्चों के यौन शोषण को लेकर समाज में पहले की तुलना में अधिक जागरूकता आई है और पॉक्सो कानून के लागू होने के बाद शिकायत दर्ज कराने का रास्ता अपेक्षाकृत स्पष्ट हुआ है। लेकिन इसके साथ यह भी सच है कि बच्चों के विरुद्ध यौन अपराध आज भी भयावह स्तर पर मौजूद हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े लगातार बताते हैं कि हर वर्ष हजारों बच्चे यौन हिंसा का शिकार होते हैं। इनमें अधिकांश पीड़ित बच्चियां होती हैं और बड़ी संख्या में उनकी आयु किशोरावस्था से भी कम होती है। इन आंकड़ों का सबसे भयावह पक्ष यह नहीं कि अपराध बढ़ रहे हैं, बल्कि यह है कि अधिकांश मामलों में अपराधी कोई अजनबी नहीं होता।

कुमार कृष्णन
(लेखक)

राजस्थान के श्रीगंगानगर में एक तेरह वर्षीय छात्रा के साथ कथित सामूहिक यौन उत्पीड़न का मामला केवल एक आपराधिक घटना नहीं है। यह उस सामाजिक संकट का संकेत है, जिसकी आहट वर्षों से सुनाई दे रही है, लेकिन जिसे हम हर नई घटना के बाद कुछ दिनों के आक्रोश में भुला देते हैं। प्रारंभिक जांच के अनुसार एक नाबालिग छात्रा को कई दिनों तक बंधक बनाकर उसके साथ गंभीर अपराध किए जाने के आरोप हैं। पुलिस ने कई आरोपियों को गिरफ्तार किया है और जांच जारी है। न्यायालय का अंतिम निर्णय अभी आना बाकी है, इसलिए किसी निष्कर्ष पर पहुँचना जल्दबाजी होगी। लेकिन इस घटना ने एक बार फिर उस प्रश्न को हमारे सामने खड़ा कर दिया है, जिससे बचना अब संभव नहीं–क्या भारत अपने बच्चों, विशेषकर अपनी बेटियों, को सुरक्षित बचपन दे पा रहा है? हर बार जब ऐसी कोई घटना सामने आती है, तो हमारा सार्वजनिक विमर्श लगभग एक जैसा होता है। राजनीतिक बयान आते हैं, सोशल मीडिया पर आक्रोश उमड़ता है, कठोर दंड की मांग उठती है और कुछ दिनों बाद सब कुछ सामान्य हो जाता है। लेकिन अपराध सामान्य नहीं होते। वे समाज की गहराइयों में मौजूद उन विकृतियों का परिणाम होते हैं, जिन्हें हम लंबे समय तक अनदेखा करते रहते हैं। इसलिए श्रीगंगानगर की घटना को केवल पुलिस कार्रवाई या अदालत की प्रक्रिया तक सीमित करके नहीं देखा जा सकता। यह हमारे सामाजिक चरित्र, नैतिक शिक्षा, प्रशासनिक सतर्कता और लोकतांत्रिक संवेदनशीलता की सामूहिक परीक्षा है। भारत में बाल यौन हिंसा का संकट नया नहीं है। पिछले डेढ़ दशक में ऐसे मामलों की रिपोर्टिंग बढ़ी है। इसका एक कारण यह भी है कि बच्चों के यौन शोषण को लेकर समाज में पहले की तुलना में अधिक जागरूकता आई है और पॉक्सो कानून के लागू होने के बाद शिकायत दर्ज कराने का रास्ता अपेक्षाकृत स्पष्ट हुआ है। लेकिन इसके साथ यह भी सच है कि बच्चों के विरुद्ध यौन अपराध आज भी भयावह स्तर पर मौजूद हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े लगातार बताते हैं कि हर वर्ष हजारों बच्चे यौन हिंसा का शिकार होते हैं। इनमें अधिकांश पीड़ित बच्चियां होती हैं और बड़ी संख्या में उनकी आयु किशोरावस्था से भी कम होती है। इन आंकड़ों का सबसे भयावह पक्ष यह नहीं कि अपराध बढ़ रहे हैं, बल्कि यह है कि अधिकांश मामलों में अपराधी कोई अजनबी नहीं होता। वह परिवार का परिचित, पड़ोसी, रिश्तेदार, मित्र या ऐसा व्यक्ति होता है जिस पर बच्चा और उसका परिवार भरोसा करता है। यानी खतरा बाहर से कम और भीतर से अधिक है। यह तथ्य हमारी पारंपरिक सुरक्षा की समझ को बदल देता है। हम बच्चों को अनजान लोगों से सावधान रहना सिखाते हैं, लेकिन क्या उन्हें यह भी सिखाते हैं कि किसी परिचित द्वारा अनुचित व्यवहार होने पर वे बिना भय अपनी बात कह सकें? समाजशास्त्री लंबे समय से यह कहते रहे हैं कि किसी भी समाज में महिलाओं और बच्चों के विरुद्ध हिंसा केवल कानून-व्यवस्था की समस्या नहीं होती। वह उस सामाजिक सोच का परिणाम होती है जिसमें शक्ति, प्रभुत्व और स्त्री के प्रति असमान दृष्टि गहराई से मौजूद होती है। जब स्त्री को बराबरी के मनुष्य के बजाय नियंत्रण और उपभोग की वस्तु की तरह देखने वाली मानसिकता संस्कृति, भाषा, मनोरंजन और रोजमर्रा के व्यवहार में सामान्य होने लगती है, तब उसके सबसे भयावह रूप बच्चों के विरुद्ध अपराधों में दिखाई देते हैं। इसलिए केवल अपराधियों को राक्षस कह देने से समस्या का समाधान नहीं होगा। यह भी देखना होगा कि ऐसी मानसिकता पैदा कैसे होती है और समाज उसे रोकने में क्यों विफल रहता है। भारतीय समाज का एक बड़ा विरोधाभास यही है कि एक ओर हम कन्या पूजन करते हैं, स्त्री को शक्ति का स्वरूप बताते हैं, दूसरी ओर बच्चियों के प्रति हिंसा की खबरें लगातार सामने आती रहती हैं। यह विरोधाभास केवल धार्मिक या सांस्कृतिक नहीं, बल्कि सामाजिक व्यवहार का प्रश्न है। सम्मान का अर्थ केवल प्रतीकात्मक पूजा नहीं, बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में सुरक्षा, समानता और गरिमा सुनिश्चित करना है। यदि एक बच्ची अपने घर, स्कूल, पड़ोस या सार्वजनिक स्थानों पर भी स्वयं को सुरक्षित महसूस नहीं करती, तो हमारी सांस्कृतिक घोषणाएँ खोखली सिद्ध होती हैं। श्रीगंगानगर की घटना ने एक और महत्वपूर्ण प्रश्न उठाया है–क्या हमारे सार्वजनिक संस्थान बच्चों की सुरक्षा को लेकर पर्याप्त सतर्क हैं? यदि किसी नाबालिग को संदिग्ध परिस्थितियों में लगातार विभिन्न स्थानों पर ले जाया जाता है, तो क्या कहीं भी ऐसी व्यवस्था नहीं है जो समय रहते संदेह व्यक्त करे? यह प्रश्न केवल पुलिस का नहीं है। होटल, परिवहन तंत्र, स्थानीय समुदाय, बाल संरक्षण तंत्र और नागरिक समाज–सभी की भूमिका की निष्पक्ष समीक्षा आवश्यक है। किसी भी सभ्य समाज में बच्चों की सुरक्षा केवल कानून की जिम्मेदारी नहीं होती; वह सामाजिक संस्कृति का हिस्सा होती है। यही कारण है कि इस घटना को केवल एक क्राइम स्टोरी की तरह पढ़ना पर्याप्त नहीं होगा। इसे भारतीय समाज के बदलते चरित्र, संस्थागत जवाबदेही और लोकतांत्रिक संवेदनशीलता के व्यापक संदर्भ में समझना होगा। क्योंकि जब बचपन असुरक्षित होने लगे, तब संकट केवल कानून का नहीं रहता, वह राष्ट्र के भविष्य का संकट बन जाता है। भारत ने बच्चों की सुरक्षा के लिए वर्ष 2012 में यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो) लागू किया। इस कानून ने पहली बार बच्चों के विरुद्ध यौन अपराधों की स्पष्ट परिभाषा दी, उनकी पहचान गोपनीय रखने का प्रावधान किया और त्वरित न्याय का लक्ष्य निर्धारित किया। इसके बाद समय-समय पर कानून को और कठोर बनाया गया। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या केवल कठोर कानून बना देने से अपराध रुक जाते हैं? वास्तविकता यह है कि कानून का प्रभाव उसकी कठोरता से नहीं, बल्कि उसके प्रभावी क्रियान्वयन से तय होता है।

आदत, आस्था और राजनीति का बदलता मिजाज

यही कारण है कि बांकीपुर का उपचुनाव केवल एक सीट का चुनाव नहीं, बल्कि बिहार की बदलती राजनीतिक धारा को समझने का अवसर भी बन जाता है इस बार भी उपचुनाव ने राजनीतिक दलों को अपनी-अपनी रणनीति बनाने का मौका दिया है। सत्तारूढ़ दल अपने मजबूत जनाधार को बनाए रखने की चुनौती में है, जबकि विपक्ष इस सीट के माध्यम से अपनी राजनीतिक प्रासंगिकता साबित करना चाहता है। चुनावी गणित के साथ-साथ मनोवैज्ञानिक बढ़त भी इस चुनाव का महत्वपूर्ण पक्ष है। यदि कोई दल अपनी पारंपरिक सीट सुरक्षित रखता है तो वह केवल एक विधायक नहीं जीतता, बल्कि अपने समर्थकों में आत्मविश्वास भी पैदा करता है। बांकीपुर की राजनीति को समझने के लिए पटना शहर की सामाजिक संरचना को समझना आवश्यक है। यहां शिक्षा, व्यापार, सरकारी सेवा, पेशेवर वर्ग और नए शहरी मतदाताओं का प्रभाव अपेक्षाकृत अधिक है। इसलिए यहां चुनाव केवल जातीय समीकरणों पर निर्भर नहीं रहते हैं, बल्कि विकास, प्रशासन, सड़क, यातायात, रोजगार, कानून-व्यवस्था और शहर की सुविधाएं भी महत्वपूर्ण चुनावी मुद्दे बन जाते हैं। यही कारण है कि यहां का मतदाता ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में कई बार अलग राजनीतिक निर्णय लेता दिखाई देता है।

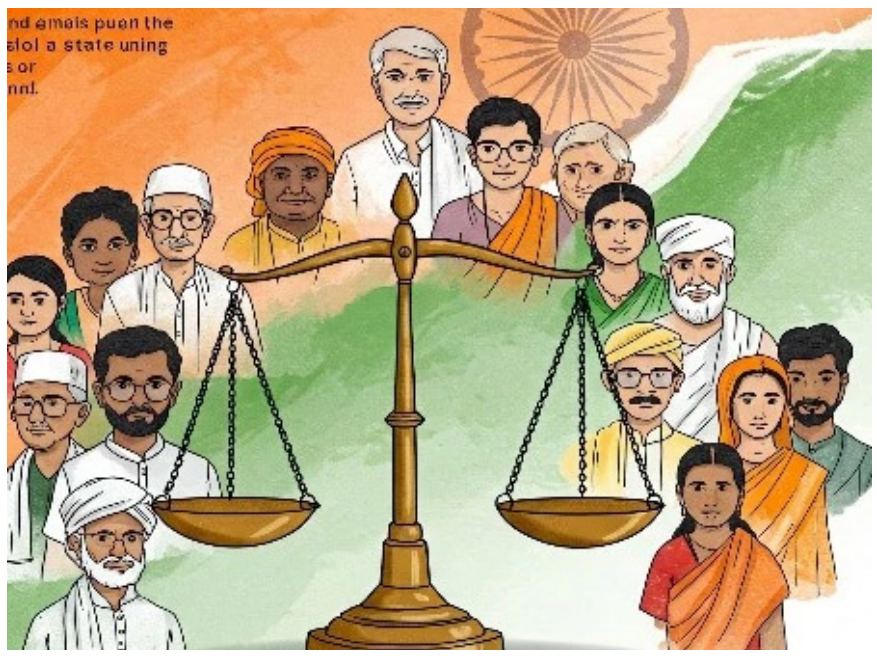

जितेन्द्र कुमार सिन्हा
(लेखक)

सुबह की चाय और अखबार, ये दोनों अधिकांश भारतीयों की दिनचर्या का ऐसा हिस्सा हैं जिनके बिना दिन अधूरा-सा लगता है। चाय की पहली चुस्की और अखबार की पहली सुर्खी केवल आदत नहीं, बल्कि समाज, राजनीति और देश-दुनिया से जुड़ने का माध्यम भी है। जिस दिन चाय का स्वाद बदल जाए या अखबार समय पर न पहुँचे, उस दिन कुछ न कुछ अधूरा महसूस होता है। भारतीय राजनीति में भी कुछ चुनावी सीटें ऐसी हैं जिनके परिणाम लगभग इसी तरह की पूवार्नुमेयता का एहसास कराते हैं। इन सीटों पर चुनाव होते हैं, प्रत्याशी बदलते हैं, मुद्दे बदलते हैं, लेकिन मतदाताओं का मूल राजनीतिक रुझान बहुत कम बदलता है। बिहार की राजधानी पटना का बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र ऐसी ही सीटों में लंबे समय से गिना जाता रहा है। यह केवल एक विधानसभा क्षेत्र नहीं है, बल्कि बिहार की शहरी राजनीति का आईना भी है। यहां के चुनावी नतीजे अक्सर यह संकेत देते हैं कि शहर का शिक्षित मध्यम वर्ग, व्यापारी समुदाय, युवा मतदाता और पारंपरिक राजनीतिक समर्थक किस दिशा में सोच रहे हैं। यही कारण है कि बांकीपुर का उपचुनाव केवल एक सीट का चुनाव नहीं, बल्कि बिहार की बदलती राजनीतिक धारा को समझने का अवसर भी बन जाता है इस बार भी उपचुनाव ने राजनीतिक दलों को अपनी-अपनी रणनीति बनाने का मौका दिया है। सत्तारूढ़ दल अपने मजबूत जनाधार को बनाए रखने की चुनौती में है, जबकि विपक्ष इस सीट के माध्यम से अपनी राजनीतिक प्रासंगिकता साबित करना चाहता है। चुनावी गणित के साथ-साथ मनोवैज्ञानिक बढ़त भी इस चुनाव का महत्वपूर्ण पक्ष है। यदि कोई दल अपनी पारंपरिक सीट सुरक्षित रखता है तो वह केवल एक विधायक नहीं जीतता, बल्कि अपने समर्थकों में आत्मविश्वास भी पैदा करता है। बांकीपुर की राजनीति को समझने के लिए पटना शहर की सामाजिक संरचना को समझना आवश्यक है। यहां शिक्षा, व्यापार, सरकारी सेवा, पेशेवर वर्ग और नए शहरी मतदाताओं का प्रभाव अपेक्षाकृत अधिक है। इसलिए यहां चुनाव केवल जातीय समीकरणों पर निर्भर नहीं रहते हैं, बल्कि विकास, प्रशासन, सड़क, यातायात, रोजगार, कानून-व्यवस्था और शहर की सुविधाएं भी महत्वपूर्ण चुनावी मुद्दे बन जाते हैं। यही कारण है कि यहां का मतदाता ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में कई बार अलग राजनीतिक निर्णय लेता दिखाई देता है। राजनीति में कुछ सीटें प्रतीक बन जाती हैं। जैसे किसी क्रिकेट टीम का घरेलू मैदान उसके आत्मविश्वास का केंद्र होता है, वैसे ही राजनीतिक दलों के लिए कुछ निर्वाचन क्षेत्र संगठन की शक्ति और समर्थकों के मनोबल का प्रतीक बन जाते हैं। बांकीपुर भी लंबे समय से ऐसे ही राजनीतिक प्रतीकों में शामिल रहा है। यहां जीत केवल एक निर्वाचन क्षेत्र की जीत नहीं मानी जाती, बल्कि यह संदेश भी देती है कि शहरी मतदाता किस दिशा में खड़ा है। इस चुनाव की सबसे अधिक चर्चा केवल सत्तारूढ़ दल या मुख्य विपक्ष को लेकर नहीं है, बल्कि उन नए राजनीतिक प्रयोगों को लेकर भी है जिन्होंने पिछले कुछ वर्षों में बिहार की राजनीति में नई संभावनाओं का दावा किया। राजनीतिक रणनीतिकार से नेता बने प्रशांत किशोर ने जब जन सुराज की अवधारणा को राजनीतिक विकल्प के रूप में प्रस्तुत किया, तब बड़ी संख्या में लोगों ने इसे बिहार की राजनीति में तीसरे विकल्प के रूप में देखा। लंबे समय तक गांव-गांव पदयात्रा, जनसंवाद और वैकल्पिक राजनीति की बातों ने राजनीतिक हलकों में उत्सुकता भी पैदा की। हालांकि चुनावी राजनीति केवल विचारों से नहीं चलती। संगठन, बूथ प्रबंधन, स्थानीय नेतृत्व, कार्यकताओं का नेटवर्क, संसाधन और मतदाताओं के साथ वर्षों का संबंध भी उतना ही महत्वपूर्ण होता है। यही कारण है कि किसी राजनीतिक विचार को चुनावी सफलता में बदलना सबसे कठिन चुनौती माना जाता है। बिहार जैसे राज्य में, जहां राजनीति दशकों से मजबूत सामाजिक और क्षेत्रीय समीकरणों पर आधारित रही है, वहां नई राजनीतिक शक्ति के लिए रास्ता और भी कठिन हो जाता है। पिछले विधानसभा चुनाव में नए राजनीतिक प्रयोगों को अपेक्षित सफलता नहीं मिली। इससे यह स्पष्ट हुआ कि जनता किसी नए विकल्प को सुनने के लिए तैयार तो हो सकती है, लेकिन मतदान के समय वह जीतने की संभावना, स्थानीय समीकरण और सरकार बनाने की क्षमता जैसे व्यावहारिक पहलुओं पर भी विचार करती है। यही लोकतंत्र की वास्तविकता है। चुनाव केवल लोकप्रियता का नहीं, बल्कि भरोसे का भी परीक्षण होता है। बांकीपुर का उपचुनाव इसी संदर्भ में विशेष महत्व रखता है। यहां यह देखा जाएगा कि क्या नया राजनीतिक विमर्श मतदाताओं को प्रभावित कर पाता है, या फिर पारंपरिक दलों का संगठन और वर्षों का जनाधार एक बार फिर निर्णायक साबित होता है। चुनाव परिणाम चाहे जो हो, यह स्पष्ट है कि बिहार की राजनीति अब केवल पुराने नारों से नहीं चलेगी। मतदाता विकास, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और बेहतर प्रशासन जैसे मुद्दों पर अधिक स्पष्ट जवाब चाहता है। विपक्षी राजनीति भी इस समय कई चुनौतियों से गुजर रही है। किसी भी लोकतंत्र में मजबूत विपक्ष सत्ता के लिए आवश्यक संतुलन प्रदान करता है। लेकिन जब विपक्षी दलों के बीच नेतृत्व, सीटों के बंटवारे और राजनीतिक प्राथमिकताओं को लेकर मतभेद बढ़ते हैं, तब उसका लाभ अक्सर सत्तारूढ़ दल को मिलता है।

आठवां अजूबा रचते महामानव–विश्वगुरु

सर्वमित्रा सुरजन

सत्ता की सीढ़ियां चढ़ने में भी मोदी के लिए आठ की संख्या ने बड़ा योगदान दिया है। 26 जनवरी 2001 को भुज में विनाशकारी भूकंप आया था। जोड़ आठ का ही बनता है। उस समय केशुभाई पटेल गुजरात के मुख्यमंत्री थे और इस त्रासदी के बाद राहत और पुनर्वास कार्यों को लेकर उनकी खूब आलोचना हुई, फिर वो सत्ता से हटे। दुनिया में हमेशा सात अजूबों की ही बात होती है। भारत तो इन अजूबों का सबसे बड़ा दावेदार है, क्योंकि हमारे पास ताजमहल है, जिसे अजूबा मानकर ही दुनिया भर के सैलानी देखने आते हैं और देखते रह जाते हैं। लेकिन मुगलों की बनाई इस नायाब कृति को पछाड़ने का काम नरेन्द्र मोदी करने जा रहे हैं। सात अजूबों के बाद अब वो आठवें अजूबे के प्रबल दावेदार हो गए हैं। इस गणित को समझना कठिन नहीं है। अगर नरेन्द्र मोदी से पूछेंगे तो वो बता देंगे कि आठ से उनका रिश्ता कितना पुराना है। इस रिश्ते को समझा कर वे अल्बर्ट आइंस्टीन को भी पीछे छोड़ देंगे, जिन्होंने कहा था कि चक्रवृद्धि ब्याज दुनिया का आठवां अजूबा है। जो इसे समझता है, वह कमाता है; जो नहीं समझता, वह चुकाता है। अब भारत के लोग बेचारे कर्ज के बोझ में तो ऐसे दबे हुए हैं कि उनके लिए हर तरह का ब्याज चक्रवृद्धि की तरह ही है। जब तक उन्हें पता चलता है कि हमने इस महीने इतने रुपए कमाए हैं, तब तक उससे कहीं ज्यादा का खर्च मोदी सरकार उनके सामने खड़ा कर देती है। आइंस्टीन ने मोदी का शासन नहीं देखा था, वर्ना वो चक्रवृद्धि ब्याज को नहीं मोदी शासन के तौर तरीकों को आठवां अजूबा बता देते और शायद इस देश की जनता को नौवां अजूबा, जो सारे जुल्मो-सितम और तकलीफों के बावजूद इस आस में है कि अच्छे दिन आएंगे। अगर अच्छे दिन आने की तारीख में कहीं आठ का अंक आता, तो मोदी इसे ले भी आते। क्योंकि आठ अंक से उन्हें बड़ा लगाव है। मोदीजी के गणित के हिसाब से चलें तो उनका जन्मदिन 17 सितम्बर को आता है, एक और सात का जोड़ आठ होता है। ऐसे ही गणित से तो मोदी ने इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो से अपना रिश्ता जोड़ा है। उन्होंने कहा कि मेरे मित्र का जन्मदिन 17 तारीख को आता है, हालांकि आठ का जोड़ बताने के लिए मोदी ने 26 तारीख का सहारा लिया। इंडोनेशिया में दिए अपने भाषण में नरेन्द्र मोदी ने कहा कि हमने पिछले साल 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस मनाया था और 2 और 6 का जोड़ आठ होता है। मोदी समर्थक ऐसे ही उन्हें विश्वगुरु नहीं बताते हैं। 17 और 26 कितनी अलग संख्याएं हैं, एक विषम है एक सम है, दोनों में एक नजर में कोई समानता नहीं दिखती। अगर समानता दिखाने की चुनौती सामने रखी जाए तो गणितज्ञों को न जाने कितने तरह के फॉमूर्ले लगाने पड़ेंगे और तब जाकर कोई मेल दोनों संख्याओं का किया जाएगा। लेकिन बड़ी से बड़ी मुश्किल को आसान करने का नाम ही तो मोदी है। बताइए कितने मजे लेकर कह दिया कि 2 और 6 का जोड़ आठ होता है, 1 और 7 का जोड़ भी आठ ही होता है। ये और बात है कि उन्हें इसके लिए 26 जनवरी याद आई वो भी पिछले साल की। आम भारतीय अब तक यही जानता है कि हमने केवल पिछले साल ही नहीं हर साल 26 जनवरी को ही गणतंत्र दिवस मनाया है। 1950 से यही सिलसिला चल रहा है। अब अगले साल मना पाएंगे या नहीं, क्या मोदी ने इस बारे में कोई इशारा दिया है। बड़े, सयाने लोग ऐसा ही करते हैं, सीधे-सीधे चेतावनी न देकर इशारों में समझते हैं। इस तरह जनता की समझदारी की परीक्षा भी हो जाती है। जैसे जब नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि मैं सत्ता में आऊंगा तो हरेक के खाते में 15-15 लाख डालूंगा, तो लोगों ने उनकी बात का यकीन कर लिया था। अब 15 लाख नहीं आए तो दोष मोदी पर डाल रहे हैं कि वादाखिलाफी की। लेकिन गौर से देखें तो इसमें जनता के गणित की कमजोरी निकली। 15 यानी एक और पांच का जोड़ छह होता है। अंग्रेजी में छह लिखें तो तुम्हारा छह मेरा नौ या मेरा छह तुम्हारा नौ हो सकता है। जिस संख्या में यही तय न हो कि वो असल में क्या है, उसे लेकर कही किसी भी बात पर यकीन ही नहीं करना चाहिए था। मोदी ने तो जनता के यकीन और समझदारी की परीक्षा ली, जिसमें जनता फेल हो गई। अब ये कोई नीट पेपर लीक का मामला तो है नहीं कि बार-बार उसे कराया जाए। इसलिए अब 15 लाख वाली बात को जुमला बोलकर अमित शाह ने ठंडे बस्ते में डालने का पुण्य काम किया है।

संक्षिप्त खबरें

इसुआपुर में प्रसव पूर्व दर्जनों गर्भवती महिलाओं की हुई जांच

इसुआपुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इसुआपुर में गुरुवार को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत प्रसव पूर्व दर्जनों गर्भवती महिलाओं की जांच की गई। जांच कराने आई महिलाओं में राम धनांव गांव की पुष्पा देवी, निपनिया गांव की रुकसाना खातुन और गुड़िया, अगौथर सुंदर गांव की शोभा कुमारी,डटरा पुरसौली गांव की अफसाना खातून,तथा नवादा गांव की मनीषा कुमारी समेत दर्जनों महिलाओं के शुगर, बीपी, हीमोग्लोबिन, एचआईवी तथा गर्भस्थ बच्चे का एफ एच आर की जांच की गई। वहीं आवश्यकतानुसार आयरन, कैल्शियम तथा विटामिन्स की दवा के साथ उचित सलाह दी गई। जांच टीम में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ तुलिका कुमारी, स्वास्थ्य प्रबंधक नवाब अख्तर जिलानी,सीनियर एएनएम प्रियंवदा कुमारी, प्रमिला कुमारी, रूबी मिश्रा, एएनएम कमलिनी कुमारी,रुमिता कुमारी व अन्य चिकित्सा कर्मी थे।

सारण जिला पुरुष एवं महिला हैंडबॉल टीम ओपन ट्रायल चयन 12 जुलाई को मशरक में होगा

मशरक। सितम्बर के प्रथम सप्ताह में आयोजित बिहार स्टेट गेम्स में भाग लेने वाली सारण जिला पुरुष एवं महिला हैंडबॉल टीम का चयन ओपन ट्रायल के माध्यम से 12 जुलाई रविवार को पूर्वाह्न 10 बजे से होगा। उक्त जानकारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से देते हुए सारण जिला हैंडबॉल संघ के सचिव संजय कुमार सिंह ने बताया कि स्टेट गेम्स में भाग लेने के लिए क्वालीफाई सारण की पुरुष एवं महिला खिलाड़ी रविवार को मशरक प्रखंड कार्यालय एवं पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय मशरक के पास पूर्वाह्न 10 बजे से शुरू होनेवाले ट्रायल के लिए पहुंचेंगे। ट्रायल में शामिल होने वाले प्रत्येक खिलाड़ी को अपने साथ आधार कार्ड की छायाप्रति एवं 2 नवीनतम पासपोर्ट आकार के रंगीन फोटो लाना अनिवार्य है। बिहार हैंडबॉल संघ के दिशा निर्देश के मुताबिक बेहतर टीम के चयन हेतु तीन सदस्यीय चयन समिति का गठन किया गया है ।ट्रायल में भाग लेने वाले खिलाड़ी ही बिहार स्टेट गेम्स के लिए सारण टीम का हिस्सा होंगे।

नगरा में बीस सूत्री की बैठक में स्वास्थ्य बिजली और जनसुविधाओं पर हुई चर्चा

छपरा ग्रामीण। सारण जिले के नगरा प्रखंड मुख्यालय में गुरुवार को 20 सूत्री कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता बीस सूत्री अध्यक्ष अनिल सिंह ने की। बैठक में स्वास्थ्य, शिक्षा, बिजली, सड़क, पेयजल, विधि-व्यवस्था समेत विभिन्न विभागों से जुड़े जनहित के मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्था को लेकर कई सवाल उठाए गए। सांप काटने की स्थिति में पहले समुचित इलाज की व्यवस्था नहीं होने का मुद्दा उठाया गया, जिस पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने बताया कि अब इसकी व्यवस्था कर दी गई है। वहीं अस्पताल में हड्डी रोग विशेषज्ञ समेत अन्य विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी पर भी चर्चा हुई। इस पर बताया गया कि डॉक्टरों की नियुक्ति के लिए उच्चाधिकारियों को प्रस्ताव भेजा गया है। सदस्यों ने नगरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कर्मियों की कमी, धूपनगर-धोबवल उप स्वास्थ्य केंद्र एवं जगदीशपुर उप स्वास्थ्य केंद्र की स्वास्थ्य सेवाओं पर भी सवाल उठाए। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने संबंधित मामलों की जांच कर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। बैठक के दौरान बीस सूत्री सदस्य रवि प्रकाश ने नगरा चौक एवं प्रमुख चौक-चौराहों पर हाईमास्ट स्ट्रीट लाइट, सार्वजनिक सामुदायिक शौचालय के निर्माण की मांग उठाई। वहीं प्रखंड कार्यालय से स्वास्थ्य केंद्र तक समुचित प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने की भी मांग की गई।

मशरक सीएचसी मे स्वास्थ्य कर्मियो को परिवार नियोजन का दिया गया प्रशिक्षण

मशरक। मशरक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सभागार में आशा कर्मी और फैसिलेटर को परिवार नियोजन का प्रशिक्षण दिया गया। जननी सूर्या क्लिनिक के सौजन्य से आयोजित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम मे दंपतियो को सही गर्भनिरोधक विकल्प चुनने की परामर्श दी गयी। और गर्भनिरोधक उपकरणो के उपयोग के दौरान स्वच्छता और चिकित्सा मानको का पालन सुनिश्चित करने को लेकर दंपतियो को जागरूक करने को कहा गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम मे मुख्य रूप से प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर आनंतनारायण कश्यप, जननी सूर्या क्लिनिक के प्रभारी संतोष कुमार, बीसीएम लवकुश कुमार, अजय कुमार सिंह सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मी शामिल हुए। जनसंख्या नियंत्रण के उद्देश्य से जननी सूर्या क्लिनिक द्वारा 11 जूलाई से 31 जूलाई तक परिवार नियोजन पखवाड़ा का आयोजन किया गया है ।इस दौरान प्रखंड क्षेत्र के दंपतियो को परिवार नियोजन के उपकरणो के इस्तेमाल और इसके फायदे बताए जाएगे। और जनसंख्या नियंत्रण के लिए बंध्याकरण और नसबंदी सहित अन्य उपायो की जानकारी दी जाएगी।

स्वच्छ शहर की दिशा में बड़ा कदम, सारण के सभी नगर निकायों में बनेंगे एमआरएफ व कम्पोस्ट प्लांट

- डीएम ने भूमि उपलब्धता की समीक्षा कर अधिकारियों को दिए निर्देश, जरूरत पड़ने पर लीज या भू-अर्जन से उपलब्ध कराई जाएगी जमीन

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा । स्वच्छ और आधुनिक शहरी व्यवस्था को साकार करने की दिशा में सारण जिला प्रशासन ने एक और महत्वपूर्ण पहल की है। स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के तहत जिले के सभी नगर निकायों में मैटेरियल रिकवरी फैसिलिटी, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट तथा कम्पोस्ट प्लांट की स्थापना के लिए भूमि उपलब्ध कराने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। इस संबंध में गुरुवार को जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में परियोजनाओं के शीघ्र क्रियान्वयन को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए। बैठक में जिलाधिकारी ने जिले के नगर निगम छपरा सहित सभी 10 नगर निकायों की स्थिति की बिंदुवार समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रत्येक नगर निकाय में एमआरएफ एवं कम्पोस्ट प्लांट की स्थापना की जाएगी, जबकि अधिकांश नगर निकायों में एसटीपी के निर्माण को भी स्वीकृति मिल चुकी है। इन परियोजनाओं के लिए भूमि उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अंचल अधिकारियों को निर्देश दिया कि एमआरएफ और कम्पोस्ट प्लांट के लिए एक ही परिसर में उपयुक्त सरकारी भूमि चिन्हित कर शीघ्र प्रस्ताव उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि जहां सरकारी भूमि उपलब्ध नहीं है, वहां सतत लीज के आधार पर निजी भूमि उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शुरू की जाए। इसके लिए इच्छुक रैयतों से समन्वय स्थापित कर भूमि चिन्हित करते हुए प्रस्ताव भेजने का निर्देश दिया गया। उन्होंने सभी नगर निकायों के कार्यपालक पदाधिकारियों (ईओ) को निर्देशित किया कि सतत लीज के तहत भूमि का दर निर्धारण कराने के लिए प्रस्ताव अपर समाहर्ता को भेजें। गठित समिति द्वारा प्राप्त प्रस्तावों पर विचार कर उचित दर तय की जाएगी। जिलाधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया कि जहां लीज के माध्यम से भी भूमि उपलब्ध नहीं हो सकेगी, वहां भू-अर्जन की प्रक्रिया अपनाकर भूमि अधिग्रहित की जाएगी। इसके लिए संबंधित अंचल अधिकारियों को आवश्यक प्रस्ताव शीघ्र उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। बैठक में मांझी, कोपा एवं रिविलगंज के लिए 4.5 एकड़ भूमि चिन्हित कर प्रस्ताव भेजने का निर्देश दिया गया। साथ ही सस्टेनेबल हाई वैल्यू प्रोजेक्ट्स के क्रियान्वयन हेतु भी विस्तृत प्रस्ताव तैयार करने को कहा गया। बैठक के दौरान सोनपुर में आधुनिक जी+4 मल्टी-यूटिलिटी कॉम्प्लेक्स विकसित करने की योजना पर भी चर्चा हुई। प्रस्तावित मॉडल के तहत भूतल पर पार्किंग, प्रथम तल पर वेंडिंग जोन, द्वितीय एवं तृतीय तल पर शॉपिंग कॉम्प्लेक्स तथा सबसे ऊपरी तल पर सामुदायिक भवन (कम्युनिटी हॉल) विकसित करने की योजना तैयार करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के अंतर्गत प्रस्तावित सभी परियोजनाओं का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए तथा भूमि उपलब्धता से जुड़ी सभी प्रक्रियाएं बिना किसी विलंब के पूरी की जाएं, ताकि जिले के शहरी क्षेत्रों में स्वच्छता, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और आधुनिक शहरी सुविधाओं को नई गति मिल सके। बैठक में उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, नगर आयुक्त छपरा नगर निगम, सभी नगर निकायों के कार्यपालक पदाधिकारी तथा नगर निगम के अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

शनिवार को हाफ डे की मांग को लेकर शिक्षा मंत्री से मिले डॉ. आनंद

प्रात : किरण संवाददाता

सिवान। बिहार विद्यालय अध्यापक संघ के प्रदेश अध्यक्ष एवं शिक्षक नेता डॉ. आनंद ने शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी से मुलाकात कर शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं और लंबित मांगों से उन्हें अवगत कराया। इस दौरान उन्होंने राज्य के विद्यालयों में पूर्व की भांति शनिवार को हाफ डे की व्यवस्था पुनः लागू करने की मांग उठाई। डॉ. आनंद ने कहा कि शनिवार को हाफ डे की व्यवस्था लागू होने से शिक्षकों को शैक्षणिक एवं प्रशासनिक कार्यों के निष्पादन में सहूलियत मिलेगी तथा विद्यालयी व्यवस्था भी अधिक प्रभावी और व्यवस्थित बनेगी। उन्होंने शिक्षकों से जुड़ी अन्य समस्याओं और मांगों पर भी विस्तार से चर्चा की। शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने शिक्षक नेता की बातों को गंभीरता से सुना और शिक्षकों की समस्याओं एवं मांगों पर सकारात्मक विचार करने का भरोसा दिलाया।

पिकअप एवं बाइक की आमने सामने टक्कर में तीन युवक गंभीर रूप से घायल, रेफर

छपरा ग्रामीण। सारण जिले के नगरा थाना क्षेत्र के छपरा-मशरख मुख्य मार्ग पर पंजाब नेशनल बैंक, कादीपुर के समीप गुरुवार को पिकअप और बाइक की टक्कर में बाइक सवार तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। घायलों की पहचान अरुण कुमार पिता शंकर राय, निवासी गढ़िया छितरौली, रवि शंकर, पिता राज नारायण राय, निवासी छितरौली तथा छोटन कुमार, पिता वकील राय, निवासी धूपनगर धोबवल के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही कादीपुर पंचायत के सरपंच तम्मना आलम ने तत्काल नगरा थाना एवं एंबुलेंस को सूचना दी। स्थानीय लोगों और पुलिस के सहयोग से तीनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, नगरा पहुंचाया गया। वहां ड्यूटी पर तैनात डॉ. विनोद कुमार ने प्राथमिक उपचार के बाद तीनों की गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए छपरा सदर अस्पताल रेफर कर दिया। सूचना मिलने पर नगरा थाना पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों की जानकारी जुटाते हुए मामले की जांच शुरू कर दी। वहीं नगरा थानाध्यक्ष अभिनंदन यादव ने बताया कि घायलों को बेहतर इलाज के लिए भेज दिया गया है तथा दुर्घटना के कारणों की जांच करते हुए

करसौत पैक्स चुनाव की प्रक्रिया तेज प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशित

सीवान/दारौंदाः- प्रखंड के करसौत पैक्स के आगामी चुनाव को लेकर निर्वाचन प्रक्रिया तेज हो गई है। निवार्ची पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी सीपी कुमारी ने गुरुवार को प्रारूप मतदाता सूची के प्रकाशन की अधिसूचना जारी कर दी। इसके साथ ही मतदाता सूची के निरीक्षण तथा दावा-आपत्ति दर्ज कराने की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। जारी सूचना के अनुसार, बिहार राज्य निर्वाचन प्राधिकार नियमावली, 2008 एवं बिहार राज्य सहकारिता (संशोधन) नियमावली, 2008 के प्रावधानों के तहत करसौत पैक्स की प्रारूप मतदाता सूची तैयार कर प्रकाशित की गई है। यह सूची 9 जुलाई से 20 जुलाई 2026 तक कार्यालय अवधि में निवार्ची पदाधिकारी कार्यालय, करसौत पैक्स कार्यालय तथा जिला सहकारिता पदाधिकारी कार्यालय में निरीक्षण के लिए उपलब्ध रहेगी। निर्वाचन के लिए 30 जून 2026 को मतदाता सूची तैयार करने की कट-ऑफ तिथि निर्धारित की गई है। यदि किसी पात्र सदस्य का नाम सूची में शामिल नहीं हुआ है, किसी नाम पर आपत्ति है या किसी प्रविष्टि में त्रुटि है, तो संबंधित सदस्य 20 जुलाई 2026 तक निर्धारित प्रपत्रों में दावा या आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। इसके लिए प्रपत्र एम-3 एवं एम-4 निवार्ची पदाधिकारी कार्यालय में उपलब्ध कराए गए हैं। निवार्ची पदाधिकारी सीपी कुमारी ने बताया कि प्राप्त सभी दावा-आपत्तियों का नियमानुसार निष्पादन करने के बाद 22 जुलाई 2026 को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। साथ ही करसौत पैक्स के सचिव को निर्देश दिया गया है कि प्रारूप मतदाता सूची का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करते हुए अधिक से अधिक सदस्यों को इसकी जानकारी उपलब्ध कराएं, ताकि कोई भी पात्र सदस्य अपने मताधिकार से वंचित न रहे।

प्रधानमंत्री मातृत्व सुरक्षा योजना के तहत 130 गर्भवती महिलाओं की हुई स्वास्थ्य जांच

प्रात : किरण संवाददाता

सीवान/दरौंदा। प्रधानमंत्री मातृत्व सुरक्षा योजना के तहत गुरुवार को दरौंदा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 130 गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच कर उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श एवं निःशुल्क दवाएं उपलब्ध कराई गईं। शिविर में पहुंची गर्भवती महिलाओं की सबसे पहले सर्दी, खांसी, बुखार एवं रक्तचाप (बीपी) की जांच की गई। इसके बाद लैब टेक्नीशियन अब्दुल जनान द्वारा रक्त नमूना लेकर एचआईवी, हीमोग्लोबिन, शुगर, रक्त समूह, वजन सहित अन्य आवश्यक जांचें की गईं। जांच पूरी होने के बाद सभी मरीजों को निःशुल्क दवाओं का वितरण भी किया गया। चिकित्सक डॉ. मुबारक अली ने गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक एवं संतुलित आहार लेने, नियमित स्वास्थ्य जांच कराने तथा बदलते मौसम में विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी। वहीं डॉ. रजिया सुल्ताना एवं डॉ. अनुपमा कुमारी ने गर्मी और मौसम में हो रहे बदलाव को देखते हुए पर्याप्त मात्रा में पानी एवं अन्य पेय पदार्थों का सेवन करने की आवश्यकता बताई। लैब टेक्नीशियन अब्दुल जनान ने बताया कि सभी महिलाओं के रक्त नमूनों की जांच प्रक्रिया पूरी कर ली गई है और जांच रिपोर्ट शीघ्र उपलब्ध करा दी जाएगी। इस अवसर पर स्वास्थ्य प्रबंधक जितेंद्र कुमार सिंह, डॉ. मुबारक अली, डॉ. रजिया सुल्ताना, डॉ. अनुपमा कुमारी, एएनएम अनीता कुमारी, जूली कुमारी सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

ट्रैक्टर की रोटरी में फंसने से 12 वर्षीय बालक की दर्दनाक मौत

दारौंदा थाना क्षेत्र के गोरौली गांव में गुरुवार की दोपहर खेत की जुताई के दौरान हुए दर्दनाक हादसे में 12 वर्षीय बालक की मौत हो गई। मृतक की पहचान गांव निवासी सुभाष महतो के 12 वर्षीय पुत्र अनीश कुमार के रूप में हुई है। बताया जाता है कि अनीश खेत में ट्रैक्टर से जुताई कराने गया था। इसी दौरान वह असंतुलित होकर ट्रैक्टर से नीचे गिर गया और रोटरी की चपेट में आ गया। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर जुट गए। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची। इसके बाद दारौंदा थानाध्यक्ष विकास कुमार सिंह तथा डायल 112 के एसआई योगेंद्र तिवारी पुलिस बल के साथ पहुंचे। हादसे से आक्रोशित ग्रामीणों को पुलिस अधिकारियों ने सूझबूझ और समझाइश से शांत कराया तथा स्थिति को नियंत्रित किया। मृतक अनीश दो भाइयों और एक बहन में सबसे बड़ा था। उसके छोटे भाई सतीश कुमार (6 वर्ष) और बहन संजल कुमारी (7 वर्ष) हैं। दादा मोहन महतो (70 वर्ष) और मां ज्योति देवी का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं पिता सुभाष महतो परिवार के भरण-पोषण के लिए केरल में पेंटर का काम करते हैं। बेटे की मौत की सूचना मिलते ही परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। गांव में मातम का माहौल है। पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल सीवान भेज दिया है।

अब टेढ़े पैर नहीं बनेंगे भविष्य की बाधा, सदर अस्पताल में क्लबफुट का आधुनिक इलाज शुरू

- पोंसेटी तकनीक से क्लबफुट का सफल उपचार
- बिना बड़े ऑपरेशन के शुरू हुआ उपचार
- विशेषज्ञ डॉ. रवि अमृत की देखरेख में हुई प्लास्टर कास्टिंग

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय । जन्म के समय पैरों की विकृति (क्लबफुट) से पीड़ित बच्चों के लिए सारण जिला अस्पताल में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। 1 जुलाई 2026 को जिला अस्पताल में जन्मजात क्लबफुट (उ'४ुाङ्ग्ङ्ग३) से प्रभावित बच्चों का उपचार विश्वस्तरीय पोंसेटी विधि (ढङ्ग्ल्लरी३ टीइँङ्ग्ी) के माध्यम से शुरू किया गया। इस उपचार से ऐसे बच्चों को बिना बड़े ऑपरेशन के सामान्य जीवन जीने की नई उम्मीद मिली है। विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. रवि अमृत के नेतृत्व में बच्चों के पैरों की विस्तृत जांच की गई। इसके बाद उनकी स्थिति के अनुसार क्रमिक (रीश्') प्लास्टर कास्टिंग की प्रक्रिया अपनाई गई। इस विधि में हर सप्ताह प्लास्टर बदलते हुए पैरों की विकृति को धीरे-धीरे सही दिशा में लाया जाता है, जिससे अधिकांश मामलों में बड़े ऑपरेशन की आवश्यकता नहीं पड़ती। चिकित्सकों ने बताया कि पोंसेटी विधि को क्लबफुट के उपचार के लिए विश्वभर में ह्यगोल्ड स्टैंडर्डह्ल माना जाता है। यदि जन्म के तुरंत बाद या शुरूआती महीनों में उपचार शुरू कर दिया जाए, तो अधिकांश बच्चे सामान्य बच्चों की तरह चलने-फिरने और दैनिक जीवन की गतिविधियां करने में सक्षम हो जाते हैं। उपचार अभियान में सामाजिक संस्थाओं का भी महत्वपूर्ण सहयोग मिला। वंशिता चौरसिया (अनुष्का फाउंडेशन) द्वारा 0 से 2 वर्ष तक के क्लबफुट से प्रभावित बच्चों के उपचार में उपयोग होने वाली आवश्यक सामग्री निःशुल्क उपलब्ध कराई गई, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को राहत मिली। इस उपचार अभियान के तहत चार बच्चों का इलाज किया गया। इनमें अनिशा कुमारी (पिताझ्र अभिषेक कुमार, माताझ्र प्रियंका कुमारी, निवासीझ्र पचौरार, छपरा), ब्यूटी कुमारी (पिताझ्र राजकुमार, माताझ्र रामवती कुमारी, निवासीझ्र मांझी, छपरा), पीहू कुमारी (पिताझ्र आनंद कुमार, माताझ्र पूजा कुमारी, निवासीझ्र दिघवारा, छपरा) तथा देवांशु कुमार (पिताझ्र धर्मेंद्र कुमार, माताझ्र रामवती देवी, निवासीझ्र नगरा, छपरा) शामिल हैं। वहीं, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (फ्हरङ) की टीम तथा ऊएक्ठ (ऊ२३१३ एं१'८ क्ल्ल्शी१५ील्ल३ङ्गल्ल ऊील्ल३१ी) के प्रभारी डॉ. जितेंद्र झा के सहयोग से बच्चों को आवश्यकतानुसार आगे के विशेष उपचार और फॉलो-अप के लिए जिला अस्पताल सीवान तक पहुंचाने की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, क्लबफुट जन्मजात होने के बावजूद समय पर पहचान और नियमित उपचार से पूरी तरह ठीक किया जा सकता है। ऐसे में अभिभावकों से अपील की गई है कि यदि नवजात शिशु के पैरों में किसी प्रकार की असामान्यता दिखाई दे तो बिना देर किए नजदीकी सरकारी स्वास्थ्य संस्थान में चिकित्सकीय परामर्श लें, ताकि समय रहते उपचार शुरू कर बच्चे को सामान्य जीवन दिया जा सके।

जन्मजात विकृति से पीड़ित बच्चों को मिली नई जिंदगी की उम्मीद

- विश्वस्तरीय पोंसेटी विधि से शुरू हुआ इलाज, विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में उपचार और फॉलो-अप की विशेष व्यवस्था

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। जन्म के समय पैरों की जन्मजात विकृति (क्लबफुट) से जूझ रहे बच्चों के लिए सारण जिला अस्पताल से एक बड़ी राहत भरी खबर सामने आई है। अब टेढ़े पैर किसी बच्चे के भविष्य की राह में बाधा नहीं बनेंगे। जिला अस्पताल में विश्वस्तरीय पोंसेटी (ढङ्ग्ल्लरी३) तकनीक से क्लबफुट का आधुनिक और प्रभावी उपचार शुरू कर दिया गया है। इस पहल से ऐसे बच्चों को बिना बड़े ऑपरेशन के सामान्य जीवन जीने की नई उम्मीद मिली है। 1 जुलाई 2026 से शुरू हुए इस विशेष उपचार अभियान के तहत विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. रवि अमृत के नेतृत्व में क्लबफुट से प्रभावित बच्चों की विस्तृत जांच की गई। जांच के बाद उनकी स्थिति के अनुरूप सीरियल प्लास्टर कास्टिंग की प्रक्रिया शुरू की गई। इस तकनीक में प्रत्येक सप्ताह प्लास्टर बदलकर पैरों की विकृति को धीरे-धीरे सही दिशा में लाया जाता है। चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार, अधिकांश मामलों में इस विधि से बड़े ऑपरेशन की आवश्यकता नहीं पड़ती और बच्चे सामान्य रूप से चलने-फिरने लगते हैं। चिकित्सकों ने बताया कि पोंसेटी विधि को क्लबफुट उपचार के लिए पूरी दुनिया में ह्यगोल्ड स्टैंडर्डह्ल माना जाता है। यदि जन्म के तुरंत बाद या शुरूआती महीनों में उपचार शुरू कर दिया जाए तो अधिकांश बच्चे पूरी तरह स्वस्थ होकर सामान्य बच्चों की तरह जीवन व्यतीत कर सकते हैं। इस अभियान में सामाजिक सहभागिता भी प्रेरणादायी रही। अनुष्का फाउंडेशन की प्रतिनिधि वंशिता चौरसिया द्वारा 0 से 2 वर्ष तक के क्लबफुट से प्रभावित बच्चों के उपचार में उपयोग होने वाली आवश्यक सामग्री निःशुल्क उपलब्ध कराई गई, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को बड़ी राहत मिली। अभियान के प्रथम चरण में चार बच्चों का सफलतापूर्वक उपचार शुरू किया गया। इनमें अनिशा कुमारी (पचरौर), ब्यूटी कुमारी (मांझी), पीहू कुमारी (दिघवारा) तथा देवांशु कुमार (नगरा) शामिल हैं। सभी बच्चों की प्लास्टर कास्टिंग विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में की गई। इसके अलावा राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की टीम तथा डीईआईसी के प्रभारी डॉ. जितेंद्र झा के सहयोग से बच्चों को आवश्यकता पड़ने पर आगे के विशेष उपचार एवं नियमित फॉलो-अप के लिए जिला अस्पताल, सीवान भेजने की समुचित व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है। स्वास्थ्य विभाग ने अभिभावकों से अपील की है कि यदि नवजात शिशु के पैरों में किसी प्रकार की असामान्यता दिखाई दे तो इसे नजरअंदाज न करें। समय पर पहचान और नियमित उपचार से क्लबफुट पूरी तरह ठीक किया जा सकता है। ऐसे में बिना विलंब नजदीकी सरकारी स्वास्थ्य संस्थान में चिकित्सकीय परामर्श लेकर उपचार शुरू कराना बच्चे के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में सबसे महत्वपूर्ण कदम होगा।

सोनपुर में जनगणना प्री-टेस्ट का निदेशक ने किया निरीक्षण, डेटा की शुद्धता पर दिया विशेष जोर

छपरा। जनगणना निदेशालय की निदेशक सह नागरिक निबंधन श्रीमती रंजीता ने गुरुवार को सारण जिले के सोनपुर नगर परिषद क्षेत्र में चल रहे जनगणना के द्वितीय चरण (जनसंख्या गणना) के प्री-टेस्ट कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने फील्ड में पहुंचकर प्रगणकों के कार्यों की बारीकी से समीक्षा की और स्पष्ट निर्देश दिया कि डेटा की शुद्धता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए तथा फील्ड से प्राप्त वास्तविक फीडबैक समय पर निदेशालय को उपलब्ध कराया जाए। निरीक्षण के दौरान निदेशक ने रैंडम आधार पर प्रगणकों द्वारा एचएलओ मोबाइल ऐप में दर्ज सूचनाओं का सत्यापन किया। वह सीधे गणना किए गए मकानों पर पहुंचीं और परिवार के सदस्यों से बातचीत कर ऐप में दर्ज विवरण का मिलान कराया। इस दौरान उन्होंने परिवार के मुखिया का नाम, आयु, पेशा, जन्मतिथि, माता-पिता का विवरण, जन्मस्थान, वैवाहिक स्थिति, भाषा, शैक्षणिक योग्यता, कोविड टीकाकरण, आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र एवं मोबाइल नंबर सहित अन्य जानकारियों की जांच की। जांच के दौरान चिन्हित त्रुटियों में आवश्यक सुधार के निर्देश देते हुए उन्होंने प्रगणकों से प्रत्येक प्रश्न की अवधारणा (कांसेप्ट) को भली-भांति समझकर सही तरीके से जानकारी दर्ज करने को कहा। उन्होंने कहा कि जनगणना का प्री-टेस्ट अत्यंत महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। इसके माध्यम से फील्ड स्तर पर आने वाली व्यावहारिक कठिनाइयों, मोबाइल ऐप में अपेक्षित सुधार, प्रश्नावली में संभावित बदलाव तथा अन्य तकनीकी एवं व्यवहारिक सुझावों का फीडबैक प्राप्त होता है। इससे मुख्य जनगणना शुरू होने से पहले सभी कमियों का समय रहते समाधान किया जा सकता है। निदेशक ने प्रगणकों से बातचीत कर फील्ड में लोगों से जानकारी प्राप्त करने में आने वाली कठिनाइयों, मोबाइल ऐप की कार्यक्षमता तथा एक परिवार एवं एक व्यक्ति की गणना में लगने वाले औसत समय की भी जानकारी ली। उन्होंने चार्ज अधिकारी सह कार्यपालक पदाधिकारी शशि कुमार को निर्देश दिया कि प्रगणकों द्वारा भरे जा रहे आंकड़ों की गुणवत्ता एवं शुद्धता की नियमित जांच सुनिश्चित करें। साथ ही स्थानीय जनप्रतिनिधियों के सहयोग से व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाकर लोगों की अधिकाधिक सहभागिता सुनिश्चित करने को कहा। निरीक्षण के क्रम में निदेशक ने एसआरएस यूनिट का भी दौरा किया, जहां जन्म एवं मृत्यु संबंधी वर्बल ऑटोप्सी (शी१'' अ४३ङ्गस्र२८) से जुड़े मामलों का सत्यापन किया। उन्होंने मृत्यु वाले परिवार से मिलकर मृत्यु के कारण एवं केस हिस्ट्री की पुष्टि की। इसके अलावा नवजात शिशु एवं गर्भधारण से संबंधित परिवारों से भी मिलकर उपलब्ध अभिलेखों एवं केस हिस्ट्री का मिलान किया।

केरल के वायनाड में अचानक हुए भूस्खलन में तरैया का एक युवक लापता

प्रात : किरण संवाददाता

चौथी वाणी/तरैया,(सारण)। थाना क्षेत्र के भटगाई गांव के रहने वाले एक युवक केरल के वायनाड जिले में भारी बारिश के कारण हुए अचानक प्राकृतिक आपदा भूस्खलन में लापता हो गया है। जिसका अबतक कोई सुराग नहीं मिल पाया है। जानकारी के अनुसार वायनाड में एक सड़क निर्माण कार्य के दौरान पहाड़ी का एक बड़ा हिस्सा अचानक ढह गया। जिस दौरान क्रेन चालक सहित लगभग 15 मजदूर मलबे में दब गए। उनकी तलाशी के लिए बड़े पैमाने पर बचाव अभियान चलाया जा रहा है। लापता लोगों में तरैया के भटगाई गांव निवासी अब्दुल अंसारी के 30 वर्षीय पुत्र मोहम्मद इमरान भी शामिल हैं। मोहम्मद इमरान घटनास्थल पर क्रेन चालक के रूप में कार्यरत थे। परिजनों ने बताया कि मूसलाधार बारिश के कारण हुए भूस्खलन से कार्यस्थल पर अफरा-तफरी मच गई और मजदूरों को संभलने का मौका नहीं मिला। इसी दौरान मोहम्मद इमरान के भी लापता होने की खबर उनके घर पहुंची जिसके बाद परिजनों में चीख-पुकार मच गई। इमरान के पिता अब्दुल अंसारी समेत अन्य उनके परिजन सकुशल मिलने की दुआ कर रहे हैं। उनकी पत्नी शबनम खातून खबर सुनने के बाद से ही सदमे में पड़ी हुई हैं। परिजनों ने बताया कि इमरान की छह माह की एक बेटी है, जो अपनी मां के साथ गांव में रहती है। इमरान परिवार के भरण-पोषण के लिए केरल में काम रहा था। इधर घटना की सूचना मिलते ही सरपंच संघ के प्रदेश महासचिव सुनील तिवारी, स्थानीय मुखिया ओम प्रकाश राम, उप सरपंच रामनारायण राम, पैक्स अध्यक्ष रणधीर सिंह, चौकीदार हैदर अली, समेत कई सामाजिक कार्यकताओं और ग्रामीणों ने पीड़ित परिवार से मिलकर उन्हें सांत्वना दी। वहीं जनप्रतिनिधियों ने स्थानीय प्रशासन और राज्य सरकार से केरल सरकार से संपर्क साधकर लापता युवक की खोजबीन में तेजी लाने और पीड़ित परिवार को हर संभव सहायता प्रदान करने की मांग की है।

मढ़ौरा में सीओ का हुआ सम्मान सह विदाई समारोह

मढ़ौरा। स्थानीय प्रखंड सभागार परिसर में सीओ अंबपाली यादव का विदाई और नए सीओ कृष्ण कुमार सौरभ का हुआ सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन। मढ़ौरा के अंचल अधिक

संक्षिप्त खबरें

चंदा का कृषि कार्यालय पंचायत सरकार भवन में हुआ शिफ्ट

कोईलवर। चंदा पंचायत के पंचायत कृषि कार्यालय को गुरुवार, 9 जुलाई 2026 को पुराने हरिपुर स्थित कार्यालय से स्थानांतरित कर पंचायत सरकार भवन में संचालित किया गया। नए कार्यालय का उद्घाटन प्रखंड कृषि पदाधिकारी कोईलवर राजेश चौधरी ने फीता काटकर किया। उद्घाटन के अवसर पर प्रखंड कृषि पदाधिकारी ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि अब कृषि विभाग से जुड़ी सभी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ पंचायत सरकार भवन स्थित नए कार्यालय से ही उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने किसानों से कृषि विभाग की योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाने की अपील की।
उन्होंने बताया कि वर्तमान खरीफ मौसम में मक्का, ज्वार एवं मडुवा के बीज प्रखंड कृषि कार्यालय में प्रतिदिन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इच्छुक किसान पहले आवेदन की प्रक्रिया पूरी करें, उसके बाद बीज प्राप्त कर सकते हैं। कार्यक्रम में चंदा पंचायत के किसान सलाहकार सूरज कुमार सिंह, कृषि समन्वयक अजीत सिंह, समाजसेवी सुनील कुमार, वार्ड सदस्य अरुण कुमार, विजय कुमार सिंह, दारा सिंह, जितेंद्र सिंह, दशरथ राय सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। नए पंचायत कृषि कार्यालय के संचालन से चंदा पंचायत के किसानों को कृषि संबंधी कार्यों के लिए अब पहले की अपेक्षा अधिक सुविधा मिलेगी और योजनाओं का लाभ स्थानीय स्तर पर ही आसानी से प्राप्त हो सकेगा।

शराब मामले में पुलिस की कार्रवाई दो आरोपित गिरफ्तार

कोईलवर। गिधा थाने की पुलिस ने शराब से जुड़े मामलों में कार्रवाई करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार किया है। दोनों के खिलाफ विधिसम्मत कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। थानाध्यक्ष टिंकू कुमार ने बताया कि पहली गिरफ्तारी शराब के नशे में होने के आरोप में की गई। गिरफ्तार आरोपित लालबाबू श्रीवास्तव नगर थाना क्षेत्र के शिवगंज मुहल्ला निवासी स्वर्गीय जय श्री लाल श्रीवास्तव के पुत्र हैं।
वहीं दूसरी गिरफ्तारी गिधा थाना कांड संख्या 133/26 में की गई। इस मामले में रितिक कुमार को गिरफ्तार किया गया, जो पचैना गांव निवासी निर्मल राय का पुत्र है। पुलिस के अनुसार रितिक कुमार शराब से जुड़े मामले में वांछित था। थानाध्यक्ष ने बताया कि दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में शराबबंदी कानून का सख्ती से पालन कराने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा और कानून का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

एक्सयूवी गाड़ी और बालू लदे ट्रक की टक्कर में एक महिला घायल नारायणपुर के पास की घटना

जगदीशपुर। आरा-मोहनिया एनएच-319 फोरलेन जगदीशपुर थाना क्षेत्र के नारायणपुर गांव के समीप आज बुधवार को एक एक्सयूवी गाड़ी और बालू लदे ट्रक की टक्कर में एक महिला पूरी तरह घायल हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहन सड़क पर पलट गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायल महिला अनु परवीन पति मोहम्मद परवेज निवासी समस्तीपुर, को अनुमंडलीय अस्पताल, दुलौर में भर्ती कराया गया, जहां उनका प्रथम उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए आरा रेफर कर दिया गया।
मिली जानकारी के अनुसार घायल महिला के दाहिना पैर की हड्डी टूट गई है। वही गाड़ी में बैठे पति पूरी तरह से ठीक है।दंपती बेंगलुरु से समस्तीपुर जा रहे थे। मिली जानकारी के अनुसार बालू लदे ट्रक का टायर फट गया। और गाड़ी सड़क पर अनियंत्रित होने लगी पीछे से आ रही एक्सयूवी गाड़ी के ड्राइवर का संतुलन बिगड़ने के बाद गाड़ी टकरा गई और एक्सयूवी गाड़ी सड़क किनारे जा पलटी। और बालू लगे ट्रक भी रोड पर पलट जाने से लदे ट्रक में बालू रोड पर आ जाने से यातायात कुछ देर के लिए प्रभावित हो गया।
सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। क्रेन की सहायता से दोनों वाहनों को हटाने के बाद यातायात सामान्य कर दिया गया।

सीएचसी बड़हरा में क्वालिटी सेल व रोगी कल्याण समिति की बैठक, बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं पर जोर

●उपचार व्यवस्था, साफ-सफाई, दवा उपलब्धता व मरीजों के प्रति संवेदनशील व्यवहार सुनिश्चित करने का निर्देश

प्रात: किरण संवाददाता

बड़हरा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बड़हरा के सभागार में गुरुवार को क्वालिटी सेल एवं रोगी कल्याण समिति की दो अलग-अलग बैठकें आयोजित की गई. बैठक का मुख्य उद्देश्य अस्पताल में आने वाले मरीजों को बेहतर, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना तथा स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा मरीजों एवं उनके परिजनों के प्रति संवेदनशील एवं सौहार्दपूर्ण व्यवहार सुनिश्चित करना रहा.क्वालिटी सेल की बैठक में अस्पताल की विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं की विस्तृत समीक्षा की गई. इस दौरान उपचार व्यवस्था, अस्पताल परिसर की साफ सफाई, लेबर रूम की कार्यप्रणाली, दवाओं की उपलब्धता, सुरक्षा व्यवस्था तथा मरीजों को मिलने वाली अन्य सुविधाओं को और बेहतर बनाने पर विस्तार से चर्चा हुई. बैठक में सभी संबंधित कर्मियों को निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्य करने तथा अस्पताल की गुणवत्ता में निरंतर सुधार लाने का निर्देश दिया गया.साथ ही मरीजों की शिकायतों का त्वरित समाधान करने और सेवा में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने की भी हिदायत दी गई.इसके साथ ही रोगी कल्याण समिति की बैठक प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी सह सचिव,रोगी कल्याण समिति बड़हरा द्वारा आहूत की गई.बैठक का अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अध्यक्ष, रोगी कल्याण समिति बड़हरा ने किया.बैठक में सभी सदस्यो का स्वागत करते हुए समिति की नियमित बैठक आयोजित करने की औपचारिकता पूरी की गई.साथ ही अस्पताल की व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़, पारदर्शी एवं जनोपयोगी बनाने के लिए आवश्यक सुझावों पर विचार-विमर्श किया गया.बैठक के अंत में अस्पताल प्रशासन ने सभी पदाधिकारियों एवं स्वास्थ्यकर्मियो से टीम भावना के साथ कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा कि मरीजों को गुणवत्तापूर्ण एवं सम्मानजनक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना सभी की प्राथमिक जिम्मेदारी है.अस्पताल में बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के लिए आपसी समन्वय एवं जवाबदेही के साथ कार्य करने पर विशेष बल दिया गया.बैठक में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अरविंद कुमार, बीएचएम शिव शंकर कुमार, बीसीएम रंजीत सिंह, राहुल कुमार,पीएसआई के जिला प्रतिनिधि अजय कुमार, एफपीए (पीएसआई), लेबर रूम इंचार्ज, साफ-सफाई सुपरवाइजर, गार्ड सुपरवाइजर, फार्मासिस्ट विनोद कुमार, प्रधान लिपिक कमलेश कुमार सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी एवं संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

राज्य में 5000 संविदा शिक्षकों की नियुक्ति कोर्ट पहुंची अतिथि प्राध्यापक संघ ने उठाए गंभीर सवाल

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। बिहार के सरकारी कॉलेजों में लगभग 5000 संविदा शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया न्यायिक विवाद में घिरने के बाद वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के अतिथि प्राध्यापक संघ ने भी इस पर गंभीर चिंता जताई है।
संघ के अध्यक्ष डॉ. आदित्य कुमार आनन्द ने कहा कि नियुक्ति प्रक्रिया में पारदर्शिता, यूजीसी के नियमों तथा पहले से कार्यरत अतिथि शिक्षकों के हितों की अनदेखी किए जाने के कारण व्यापक असंतोष है।
डॉ. आनन्द ने कहा कि राज्य के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में वर्षों से कार्यरत अतिथि प्राध्यापक सीमित मानदेय पर लगातार शैक्षणिक दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं। ऐसे में नई संविदा नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू करने से पहले इन शिक्षकों के अनुभव, सेवा अवधि और समायोजन पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि यदि पहले से कार्यरत शिक्षकों को बिना किसी नीति के बाहर कर नई नियुक्तियां की जाती हैं, तो यह न केवल उनके साथ अन्याय होगा, बल्कि उच्च शिक्षा व्यवस्था भी प्रभावित होगी।
उन्होंने कहा कि नियुक्ति प्रक्रिया पूरी तरह यूजीसी के मानकों, आरक्षण रोस्टर तथा रिक्त पदों के विधिसम्मत निर्धारण के अनुरूप होनी चाहिए।
यदि इन बिंदुओं पर किसी प्रकार की त्रुटि है, तो सरकार को उसे दूर कर पारदर्शी और न्यायसंगत प्रक्रिया अपनानी चाहिए। संघ अध्यक्ष ने कहा कि अदालत में मामला पहुंचना इस बात का संकेत है कि नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर अभ्यर्थियों और शिक्षकों के बीच गंभीर शंकाएं हैं।
न्यायालय के निर्णय का सम्मान करते हुए सरकार को सभी पक्षों से संवाद स्थापित करना चाहिए ताकि किसी भी योग्य शिक्षक के साथ अन्याय न हो। डॉ. आनन्द ने यह भी मांग की कि राज्य सरकार पहले से कार्यरत अतिथि प्राध्यापकों के अनुभव को उचित महत्व देते हुए उनके लिए स्पष्ट समायोजन नीति बनाए।
उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा संस्थानों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण व्यवस्था तभी मजबूत होगी, जब नियुक्ति प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और विधिसम्मत होगी तथा वर्षों से सेवा दे रहे शिक्षकों के अधिकारों का भी संरक्षण सुनिश्चित किया जाएगा। डॉ अमर, डॉ राकेश कुमार, डॉ धनंजय प्रसाद राय, डॉ अमरेश कुमार, डॉ राजेश सिंह, डॉ पंकज कुमार, डॉ अनामिका कुमारी, डॉ संजय कुमार,डॉ श्वेता सिंह, डॉ प्रेमलता, डॉ उमेश राय, डॉ अशोक तिवारी सहित उपस्थित रहें।

शिक्षा मंत्री मिथलेश तिवारी का जोरदार स्वागत

आरा। आरा-बक्सर हाईवे पर भोजपुर के वामपाली के समीप गुरुवार को बिहार के शिक्षा मंत्री मिथलेश तिवारी का शाहाबाद विकास समिति के कार्यकताओं द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। कार्यकताओं ने बिहार की शिक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं व्यवस्थित बनाने का प्रस्ताव मंत्री के समक्ष रखा। स्वागत करने वालों में शाहाबाद विकास समिति के अध्यक्ष जितेंद्र कुमार शर्मा, बिमल कुमार सिंह, कमलेश सिंह, संतोष सिंह, अखिलेश सिंह यादव, राधेश्याम यादव, पप्पू यादव, रंजीत यादव, संजय चौधरी, डॉ. बी.के. पंडित, मोहम्मद खान सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे। इस अवसर पर कार्यकताओं ने गगनभेदी नारों के साथ शिक्षा मंत्री मिथलेश तिवारी का जयघोष किया तथा उन्हें फूल-मालाओं से लादकर भव्य स्वागत किया।

भागड़ नदी में डूबने से नौवीं की छात्रा की मौत, स्नान के दौरान गहरे पानी में जाने से हुआ हादसा

●एकौना गांव में मातम, पोस्टमार्टम के लिए शव भेजा गया सदर अस्पताल आरा, परिजनों का रो रोकर बुरा हाल

प्रात: किरण संवाददाता

बड़हरा। स्थानीय थाना क्षेत्र के एकौना गांव में गुरुवार की सुबह एक दर्दनाक हादसे में 14 वर्षीय छात्रा की भागड़ नदी में डूबने से मौत हो गई. घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई.जानकारी के अनुसार, एकौना गांव निवासी अखलेश कुमार सिंह की 14 वर्षीय पुत्री अनन्या कुमारी गांव के सरकारी विद्यालय कुईयां में नौवीं कक्षा की छात्रा थी. बताया जाता है कि गुरुवार की सुबह करीब सात बजे वह अपने घर से गांव के मठिया के उत्तर स्थित भागड़ नदी में स्नान करने गई थी.उस समय नदी में गांव की अन्य महिलाएं और लड़कियां भी स्नान कर रही थी.प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, स्नान के दौरान अनन्या अचानक गहरे पानी में चली गई, और डूबने लगी. यह देख वहां मौजूद महिलाओं ने शोर मचाया.शोर सुनकर ग्रामीण नदी किनारे पहुंचे और उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी.काफी मशक्कत के बाद ग्रामीणों ने छात्रा को नदी से बाहर निकाला, लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी.घटना की सूचना मिलते ही बड़हरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची. पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा तैयार किया और पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, आरा भेज दिया. पुलिस मामले की आवश्यक कानूनी प्रक्रिया में जुटी गई है. घटना की खबर मिलते ही मृतका के घर में कोहराम मच गया.माता रूबी देवी का रो-रोकर बुरा हाल है. परिजनों के चीत्कार से माहौल गमगीन हो गया. मृतका अपने पीछे पिता, माता, एक भाई आदित्य कुमार (16 वर्ष) तथा छोटी बहन आराध्या कुमारी (करीब 12 वर्ष) को छोड़ गई है. मृतका के पिता अखलेश कुमार सिंह भारतीय सेना से सेवानिवृत्त है, और वर्तमान में गांव में ही रहकर परिवार के साथ जीवन-यापन कर रहे है. इस हृदयविदारक घटना से पूरे एकौना गांव में मातम पसरा हुआ है।

सत्यनिष्ठा, ईमानदारी एवं जनसेवा की भावना के साथ करें अपने कर्तव्यों का निर्वहन: डीआईजी

आरा। शहर के नवीन पुलिस केंद्र में गुरुवार को पटना जिला बल के प्रशिक्षणरत प्रशिक्षु सिपाहियों का दीक्षांत परेड समारोह अनुशासित वातावरण में आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि शाहाबाद रेंज के डीआईजी सत्य प्रकाश थे। उन्होंने सबसे पहले परेड की सलामी ग्रहण की, तत्पश्चात प्रशिक्षित सिपाहियों द्वारा प्रदर्शित, आकर्षक एवं अनुशासित परेड का निरीक्षण किया। इस मौके पर डीआईजी सत्य प्रकाश ने प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाले सभी प्रशिक्षु सिपाहियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वह अपने कर्तव्यों का निर्वहन सत्यनिष्ठा, अनुशासन, ईमानदारी एवं जनसेवा की भावना के साथ करें। इसके अलावे अपने उत्कृष्ट आचरण एवं कार्यशैली से बिहार पुलिस की गौरवशाली परंपरा को और सशक्त बनाएं। समारोह का समापन पूर्ण गरिमा, अनुशासन एवं उत्साह के साथ हुआ। प्रशिक्षण पूर्ण कर उतीर्ण हुए प्रशिक्षु सिपाही अब विधि-व्यवस्था बनाए रखना, अपराध नियंत्रण तथा आमजन की सुरक्षा व सेवा के दायित्वों का प्रभावी ढंग से निर्वहन करने के लिए पूर्णता तैयार है। इस अवसर पर एसपी राज, उप विकास आयुक्त, एडीएम, सदर एसडीपीओ-वन राजकुमार साह, जगदीशपुर एसडीपीओ पंकज मिश्रा, मुख्यालय डीएसपी, रक्षित डीएसपी, साइबर डीएसपी स्नेह सेतु , यातायात डीएसपी मनोज कुमार सुधांशु सहित पुलिस एवं प्रशासनिक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बिहार में पीएचडी मूल्यांकन के नए नियम लागू वीकेएसयू में शोध प्रक्रिया होगी अधिक पारदर्शी

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। बिहार के विश्वविद्यालयों में पीएचडी शोध कार्य की गुणवत्ता और पारदर्शिता बढ़ाने के उद्देश्य से राजभवन द्वारा लागू किए गए नए नियमों का असर अब वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय आरा में भी दिखाई देगा। नई व्यवस्था के तहत अब विश्वविद्यालय में जमा होने वाले पीएचडी शोध प्रबंध (थीसिस) का मूल्यांकन बिहार के बाहर कम से कम तीन अलग-अलग राज्यों के विशेषज्ञों द्वारा किया जाएगा। इस निर्णय से शोध की गुणवत्ता में सुधार होने के साथ-साथ विश्वविद्यालय की शैक्षणिक साख भी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूत होने की उम्मीद है। नई व्यवस्था के अनुसार, विश्वविद्यालय छह बाहरी विशेषज्ञों का पैनल तैयार करेगा, जिसमें कम से कम तीन राज्यों के प्रोफेसर शामिल होंगे। आवश्यकता पड़ने पर विदेशी विशेषज्ञों को भी पैनल में शामिल किया जा सकेगा। यदि दो परीक्षक किसी शोध प्रबंध को अस्वीकार कर देते हैं तो संबंधित शोधार्थी का पंजीकरण रद्द किया जा सकेगा और शोध निर्देशक (गाइड) की भूमिका की भी समीक्षा होगी। राजभवन की ओर से लागू ह्लऑर्डिनेंस-2026ह्व के तहत शोध प्रक्रिया की समय-सीमा भी तय कर दी गई है। अब थीसिस जमा होने के छह माह के भीतर उसका मूल्यांकन और वायवा पूरा करना अनिवार्य होगा। साथ ही, थीसिस जमा होने के 15 दिनों के भीतर उसे डिजिटल माध्यम से परीक्षकों के पास भेजना होगा।नई नीति के तहत शोधार्थियों के लिए प्लेगरिज्म की सीमा 10 प्रतिशत से कम रखना अनिवार्य किया गया है। इसके अलावा, शोधार्थी को कम से कम एक शोध-पत्र मान्यता प्राप्त जर्नल में प्रकाशित कराना तथा दो राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों में शोध प्रस्तुत करना भी आवश्यक होगा। वीकेएसयू के शिक्षाविदों का मानना है कि बाहरी राज्यों के विशेषज्ञों द्वारा मूल्यांकन होने से शोध की निष्पक्षता बढ़ेगी और विश्वविद्यालय से मिलने वाली पीएचडी डिग्री की विश्वसनीयता मजबूत होगी। इससे शोधार्थियों को उच्च शिक्षा, शोध संस्थानों और रोजगार के क्षेत्र में भी बेहतर अवसर प्राप्त होंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन जल्द ही नई व्यवस्था के अनुरूप विशेषज्ञों का पैनल तैयार कर शोध प्रक्रिया को नए नियमों के अनुसार संचालित करेगा।

PSS में राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस पर ABVP ने संगोष्ठी आयोजित किया

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। प्रतियोगिता शिक्षण संस्थान आवासीय विद्यालय में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद बिहिया नगर इकाई ने राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस मनाया आज इस कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रबंध निदेशक राजेश मिश्रा एवं शिक्षक विवेक कुमार शर्मा ने मां सरस्वती और स्वामी विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण करके किया इसके उपरांत विद्यालय के विभिन्न शिक्षक शिक्षिकाओं और छात्र-छात्राओं ने बारी बारी से ज्ञान की देवी मां सरस्वती और स्वामी विवेकानंद जी के चित्र पर पुष्प अर्पित किया इस अवसर पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न शिक्षक शिक्षिकाओं ने अपना विचार रखा इसी क्रम में राजेश मिश्रा ने बताया कि आज ही के दिन 1949 ईस्वी में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का गठन किया गया था समकालीन स्वतंत्रता सेनानियों और समाजसेवियों ने आजाद देश में तत्कालीन शिक्षा व्यवस्था की अराजकता और छात्रों को एक सूत्र में बांधकर उनमें ज्ञान,शील और एकता स्थापित करने के लिए यह संगठन स्थापित किया गया आज विश्व का सबसे बड़ा छात्र संगठन है जो देश के विभिन्न आयामों में क्रियाशील है यह संगठन छात्र हित, समाज हित और देश हित के लिए निरंतर योगदान देता आया है उन्होंने कोरोना काल त्रासदी मैं परिषद के स्वयंसेवकों के द्वारा दवा वितरण ऑक्सीजन और भोजन आपूर्ति के कार्यों के बारे में भी बताया वही विद्यालय के शिक्षक विवेक कुमार शर्मा ने बताया कि सभी छात्र-छात्राओं को अपना आचरण शुद्ध रखते हुए देश सेवा के लिए समर्पित रहना चाहिए इस अवसर पर चांदनी, यासमीन,किरण, रिमझिम, आतिश मिश्रा, आईआईटियन आभास मिश्रा, रौनक चौबे शिवानी कुमारी आदित्य ओझा शिवम कुमार सारिका मिश्रा राखी सोनी अमरजीत कुमार खुशी कुमारी कान्हा कुमार शिवम कुमार खुशी सोनी खुशी कुमारी भावेश कुमार और अन्य दर्जनों छात्र, छात्राएं उपस्थित रहे

मारपीट में जख्मी अधेड़ की मौत, घर में मचा कोहराम

आरा। जिले के पीरो थाना क्षेत्र के सनेही टोला गांव में हुए मारपीट में जख्मी अधेड़ की मौत हो गई। इलाज के दौरान पीएमसीएच में उन्होंने दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार मृतक पीरो थाना क्षेत्र के सनेही टोला गांव निवासी स्व. भोला चौधरी के 49 वर्षीय पुत्र रामईश्वर चौधरी है। वह पेशे से किसान थे। इधर, मृतक के बेटे गुड्डू कुमार ने बताया कि उनके पट्टीदार एवं गांव के कुछ लोगों से जमीन को लेकर कुछ दिनों से विवाद चल रहा था। वे लोग उनके जमीन को जबरन अपना जमीन बता रहे थे। इसे लेकर पूर्व में भी विवाद हुआ था। हालांकि बात खत्म हो गई थी। मंगलवार की दोपहर जब वह अपने पिता रामईश्वर चौधरी के साथ दरवाजे पर बैठा था। तभी पट्टीदार एवं गांव के दस-बारह की संख्या में लोग उनके दरवाजे पर आ धमके और उनके पिता को दरवाजे के पास घेरकर लाठी-डंडे एवं लोहे के रॉड से मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। उन्हें इलाज के लिए पीरो पीएचसी से सदर अस्पताल लाया गया था। जहां से उन्हें गंभीर हालत में पटना रेफर कर दिया गया। जहां इलाज के दौरान गुरुवार की सुबह उन्होंने दम तोड़ दिया। इसके पश्चात परिजन उनके शव को वापस सदर अस्पताल ले आये। तब पुलिस द्वारा शव का पोस्टमार्टम कराया गया। वहीं दूसरी तरफ मृतक के बेटे गुड्डू कुमार ने अपने चचेरे भाइयों एवं गांव के कुछ लोगों पर जमीन के विवाद को लेकर अपने पिता रामईश्वर चौधरी की लाठी-डंडे एवं लोहे के रॉड से पीट-पीटकर गंभीर रूप से घायल करने एवं इलाज के दौरान उनके मौत होने का आरोप लगाया है। बहरहाल पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है।

सड़क हादसे में बाइक सवार युवक समेत दो जख्मी

आरा। जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्र में हुए सड़क हादसे में बाइक सवार युवक समेत दो लोग जख्मी हो गए। जिसमे एक को बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया। पहली घटना शहर के टाउन थाना क्षेत्र के सपना सिनेमा मोड़ के समीप की है। जहां गुरुवार की सुबह ऑटो ने ट्यूशन जा रही किशोरी को टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गई। उसे बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार जख्मी किशोरी टाउन थाना क्षेत्र के शिवपुर आनंद नगर मोहल्ला निवासी उमेश प्रसाद की 15 वर्षीया पुत्री प्रियंका कुमारी है। बताया जाता है कि गुरुवार की सुबह वह प्रतिदिन की भांति ट्यूशन पढ़ने के लिए पैदल सपना सिनेमा मोड़ के समीप सड़क पार कर रही थी। इस दौरान तेज रफ्तार में आ रही ऑटो ने उसे टक्कर मार दी। वही दूसरी घटना ख्वासपुर थाना क्षेत्र के भागड़ पुल के समीप की है। जहां गुरुवार की दोपहर अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। सूचना पाकर ख्वासपुर थाना पहुंची और उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल ले आयी, इसकी सूचना उसके परिजनों को दी। जानकारी के अनुसार जख्मी कृष्णगढ़ थाना क्षेत्र के सोहरा गांव निवासी श्री बिंद का 30 वर्षीय पुत्र दिलीप बिंद है।

बंद पड़े चापाकलों पर उठाए सवाल

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। आरा विधानसभा के पूर्व निर्दलीय प्रत्याशी एवं समाजसेवी अमरदीप कुमार जय ने लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग (पीएचईडी) की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए जिले में बड़ी संख्या में बंद पड़े चापाकलों को जल्द दुरुस्त कराने की मांग की है। उन्होंने प्रेस बयान जारी कर कहा कि सरकार हर वर्ष खराब चापाकलों की मरम्मत और नए चापाकल लगाने का दावा करती है, लेकिन धरातल पर स्थिति इसके विपरीत है। उन्होंने कहा कि आरा के मठिया हनुमान मंदिर के पीछे महादेवा रोड पर एक खराब चापाकल की मरम्मत कराने के बजाय उसके बगल में नया चापाकल लगा दिया गया, जिससे सरकारी धन की बबार्दी हुई। उनका आरोप है कि बिना स्थल निरीक्षण के विभागीय अधिकारियों ने स्वीकृति दे दी।समाजसेवी ने बताया कि आरा जंक्शन के पास एसपी आवास के सामने, सदर अस्पताल परिसर, जनप्रतिनिधि भवन के पीछे, सिविल सर्जन कार्यालय, जिला स्वास्थ्य समिति कार्यालय तथा अन्य सरकारी परिसरों में भी कई चापाकल लंबे समय से खराब पड़े हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सदर अस्पताल परिसर में स्थित पुराने पंप हाउस और जलमीनार के रखरखाव के बजाय नई योजनाओं पर अधिक खर्च करने की प्रवृत्ति दिखाई दे रही है। अमरदीप कुमार जय ने कहा कि जिले में भूजल स्तर लगातार नीचे जा रहा है, ऐसे में बंद पड़े चापाकलों को शीघ्र चालू कराना आवश्यक है। उन्होंने लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण मंत्री, विभाग के अपर मुख्य सचिव और भोजपुर के जिलाधिकारी से सभी खराब चापाकलों की मरम्मत कराकर उनकी अद्यतन जानकारी विभागीय पोर्टल पर उपलब्ध कराने की मांग की है।

बिहार के विश्वविद्यालयों में पीजी की फीस हुई एक समान, नए सत्र से लागू होगी नई व्यवस्था

आरा। बिहार के सभी राज्य विश्वविद्यालयों में अब स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए एक समान शुल्क व्यवस्था लागू कर दी गई है। राजभवन के निर्देश पर तैयार किए गए नए यूनिफॉर्म ऑर्डिनेंस एवं रेगुलेशन-2026 को मंजूरी मिलने के बाद शैक्षणिक सत्र 2026-27 से अधिकांश विश्वविद्यालयों में एकरूप फीस संरचना लागू होगी। इस व्यवस्था से छात्रों को सभी विश्वविद्यालयों में समान शुल्क का लाभ मिलेगा और प्रवेश, परीक्षा तथा शैक्षणिक प्रक्रियाओं में भी एकरूपता आएगी।नई व्यवस्था के अनुसार एक वर्षीय (दो सेमेस्टर) पीजी पाठ्यक्रम के लिए कुल 8,100 रुपये, जबकि दो वर्षीय (चार सेमेस्टर) पीजी पाठ्यक्रम के लिए 15,100 रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है। छात्रों को फीस का भुगतान सेमेस्टरवार करना होगा। पहले सेमेस्टर के लिए 4,600 रुपये शुल्क तय किया गया है, जबकि इसके बाद प्रत्येक सेमेस्टर के लिए 3,500 रुपये जमा करने होंगे। जिन पाठ्यक्रमों में प्रायोगिक (प्रैक्टिकल) कार्य अनिवार्य होगा, उनमें छात्रों को प्रति सेमेस्टर 1,000 रुपये अतिरिक्त शुल्क देना होगा। वहीं, जिन पाठ्यक्रमों में फील्ड वर्क या रिसर्च प्रोजेक्ट शामिल हैं, उनमें 2,000 रुपये का एकमुश्त अतिरिक्त शुल्क लिया जाएगा। नई शुल्क संरचना में विविध (मिसलेनियस) मदों के लिए प्रति सेमेस्टर 2,350 रुपये निर्धारित किए गए हैं। इसमें एडमिशन शुल्क, ट्यूशन फीस, आंतरिक मूल्यांकन, बिजली शुल्क, केंद्रीय पुस्तकालय, भवन रखरखाव, मेडिकल, एथलेटिक, पर्यावरण, छात्र कल्याण तथा अन्य मदों का शुल्क शामिल है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 के अनुरूप तैयार किए गए इस नए ऑर्डिनेंस के लागू होने के बाद पुराने चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस)-2018 के नियमों का स्थान नई व्यवस्था लेगी। इससे राज्य के अधिकांश विश्वविद्यालयों में पीजी प्रवेश प्रक्रिया, परीक्षा प्रणाली और शुल्क निर्धारण में समानता स्थापित होगी।

मारपीट कर मोबाइल छीनने के मामले में तीन गिरफ्तार

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। नवादा थाना पुलिस की टीम ने मारपीट कर मोबाइल छीनने के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया, उनके पास से छीना हुआ मोबाइल बरामद हुआ। बताया जाता है कि भोजपुर जिले के हसन बाजार थाना अंतर्गत कचनथ गांव निवासी सुदामा कुमार (वर्तमान पता-अनाईठ मिल्की, आरा, नवादा) निवासी 27 अप्रैल 2026 की शाम 5 बजे आरा स्टेशन से काम करके वापस घर लौट रहे थे। इसी बीच प्लेटफार्म संख्या चार की तरफ तीन अज्ञात लोग उनके पास पहुंचे। उनलोगों ने फोन से बात करने के बहाने मोबाइल ले लिया और फिर उसे धक्का देकर भाग निकले। इसी क्रम में गुरुवार को सुदामा कुमार को काम करने के दौरान पता चला कि स्टेशन के पास तीन लड़के किसी का मोबाइल स्टेशन पर छीनने का प्रयास कर रहे थे, जिसे पब्लिक द्वारा पकड़ कर थाने को दे दिया गया। तीनों को पहचानने के लिए नवादा थाना आए। तो देखा कि वही तीनों लड़का है, जो मोबाइल छीनकर भागा था। गिरफ्तार बदमाशों में आरा के गोढ़ना रोड दिरहवा टोला निवासी टुनटुन नट का पुत्र छोटू कुमार, अनाईठ पासवान टोली निवासी रविंद्र पासवान का पुत्र नीतीश कुमार एवं कृष्णगढ़ थाना क्षेत्र के बेला गांव निवासी संजय पासवान का पुत्र अमरजीत पासवान है। बताया जाता है कि पुलिस ने लोगों के सहयोग से सबसे पहले छोटू कुमार को पकड़ा। उसकी निशानदेही पर नीतीश कुमार एवं अमरजीत पासवान की गिरफ्तारी हुई। इस संबंध में गिरफ्तार तीनों के विरुद्ध पुलिस द्वारा नामजद प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

मानाचक में अग्निपीड़ित परिवार को मिली सहायता

कोईलवर। भोजपुर जिले के कोईलवर प्रखंड के उत्तरी-029 क्षेत्र से भावी जिला परिषद उम्मीदवार संतोष राय ने जमालपुर मानचक गांव पहुंचकर हाल ही में हुए अग्निकांड से प्रभावित गोवर्धन राय के परिवार से मुलाकात की। उन्होंने पीड़ित परिवार का हालचाल जाना और इस दुखद घटना पर गहरी संवेदना व्यक्त की। जानकारी के अनुसार भीषण अग्निकांड में गोवर्धन राय के घर की लगभग 7 से 8 लाख रुपये मूल्य

संक्षिप्त खबरें

विशाल प्राइवेट आईटीआई बोधगया में इलेक्ट्रिशियन द्वितीय वर्ष की परीक्षा संपन्न

बोधगया । गया-डोभी रोड स्थित विशाल प्राइवेट आईटीआई के प्रांगण में इलेक्ट्रिशियन ट्रेड के द्वितीय वर्ष की लिखित एवं प्रायोगिक परीक्षा सफलतापूर्वक संपन्न हुई ! संस्थान के वर्कशॉप और क्लास रूम नंबर 3 में आयोजित इस परीक्षा प्रक्रिया का संचालन अत्यंत अनुशासित ढंग से किया गया ! इस अवसर पर युवा समाजसेवी व कॉलेज के ट्रस्टी आकाश प्रियदर्शी (उर्फ एपी) विशेष रूप से उपस्थित रहे, जिन्होंने परीक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और परीक्षार्थियों का उत्साहवर्धन किया ! परीक्षा के दौरान प्राचार्य नागेंद्र सिंह, कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर पंकज कुमार, राजन कुमार सिन्हा, अंकित कुमार सिंह, शिक्षक जयप्रकाश, रामजीत कुमार, अनुज कुमार और गुड्डू कुमार समेत कॉलेज के अन्य कर्मी व शिक्षक मौजूद रहे ! सभी की सक्रिय देखरेख में पूरी परीक्षा प्रक्रिया शांतिपूर्ण और पारदर्शी तरीके से पूरी हुई ! संस्थान प्रबंधन ने परीक्षा के सफल आयोजन के लिए सभी शिक्षकों और कर्मचारियों को धन्यवाद दिया, वहीं छात्र-छात्राओं ने बेहतर परीक्षा वातावरण मिलने पर संतोष व्यक्त किया !

साहित्यकार लवकुश प्रसाद सिंह को पुत्री शोक

औरंगाबाद । जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के वरीय सदस्य,समकालीन जवाबदेही परिवार के परम सहयोगी, प्रसिद्ध कवि एवं लेखक लवकुश प्रसाद सिंह की पुत्री शिक्षिका ममता कुमारी के आकस्मिक निधन पर औरंगाबाद के साहित्यकारों ने गहरा शोक व्यक्त किया है। जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ सिद्धेश्वर प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में आयोजित शोकसभा में उपस्थित लोगों ने सर्वप्रथम ममता कुमारी के सम्मान में दो मिनट का मौन रखा एवं मृतक के आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।कहा कि शंकट की घड़ी में ईश्वर उनके परिवार को संबल प्रदान करें।यह भी कहा कि ममता कुमारी अपने विद्यालय में काफी लोकप्रिय शिक्षिका थी, पढ़ाई के प्रति अध्ययनशील एवं कर्मठी महिला के रूप में जानी जाती थी। शोक सभा में समकालीन जवाबदेही पत्रिका के प्रधान संपादक डॉ सुरेंद्र प्रसाद मिश्रा, गणितज्ञ डॉ शिवपूजन सिंह, रिटायर्ड हेडमास्टर राम सुरेश सिंह, माध्यमिक शिक्षक संघ के नेता,राम भजन सिंह,इंजीनियर अर्जुन सिंह,नारायण बाबू अलखदेव सिंह, प्रोफेसर रामविलास सिंहा, रिटायर्ड दारोगा अशोक कुमार सिंह, कवि लवकुश प्रसाद सिंह सहित अन्य उपस्थित थे।

उप स्वास्थ्य केंद्र के भवन निर्माण में उत्पन्न बाधा को लेकर प्रदर्शन

औरंगाबाद। जिले के उपहारा थाना ग्राम हरिगाँव में उप स्वास्थ्य केंद्र के भवन निर्माण में आ रही जमीन का विवाद को निपटाने को लेकर प्रखंड सह अंचल कार्यालय गोह पर ग्रामीण जनता द्वारा धरना-प्रदर्शन किया गया। राजीव कुमार विद्यार्थी ने बताया कि बिहार सरकार ने ग्राम हरिगाँव में अस्पताल बनाने के लिए टेंडर जारी कर कायर्देश निर्गत किया है, इसके लिए सीओ, गोह ने मौजा हरिगाँव में पक्की सड़क के किनारे चाट में जो कि आम गैर मजरुआ जमीन का एनओसी निर्गत किए थे और पंचायत के मुखिया के अध्यक्षता में ग्राम सभा से अस्पताल बनाने के लिए प्रस्ताव भी पारित किया जा चुका है। परंतु प्रस्तावित कार्यस्थल के उत्तर दिशा की चौहद्दी वाले किसान सरकारी जमीन में भी अस्पताल बनाने से रोक दे रहे हैं। ठेकेदार को गाली गलौज एवं मारने पर उतारू हो जाते हैं। इतना ही नहीं कोई ग्रामीण जनता जब उन्हें समझाने का प्रयास करते हैं तो उनसे भी उलझ जा रहे हैं। ग्रामीण जनता लाचार होकर जिला प्रशासन को ध्यान आकृष्ट कराने के लिए अंचल अधिकारी के कार्यालय के समक्ष धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं कग्रामीण जनता का एक ही मांग है कि जल्द से जल्द प्रस्तावित जमीन का मापी कराते हुए उसका सीमांकन कर के ठेकेदार को सहयोग एवं सुरक्षा प्रदान करें। मौके पर राजीव कुमार विद्यार्थी, सतेंद्र यादव, मिथिलेश यादव, सतेंद्र कुमार, रामेन्द्र यादव, अरविन्द कुमार, सुंदर्शन बैठा, कृष्णा ठाकुर, सुंदर्शन चन्द्रवंशी, विजनन्दन चौधरी, सुदामा चन्द्रवंशी, नवल कुमार, दीपक कुमार, हरिलाल चन्द्रवंशी, दीपू कुमार, धर्मदेव चन्द्रवंशी सहित सैकड़ो लोग शामिल थे।

गोह सरकरी अस्पताल का लिफ्ट खराब, परेशानी बढ़ी

गोह (औरंगाबाद) (सं.)। गोह प्रखंड मुख्यालय के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के लिफ्ट काफी दिनों से खराब है। जिससे लोगो को काफी परेशानी हो रही है। मिली जानकारी के अनुसार हॉस्पिटल का महत्वपूर्ण कार्यालय ऊपर के तल्ले पर अवस्थित है। प्रसव कक्ष,प्रसव मरीजो का वार्ड प्रमुख रूप से शामिल है। कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार लिफ्ट खराब होने की जानकारी वरीय अधिकारी को दे दिया गया है। स्थानीय लोगो ने सक्षम पदाधिकारी से अविलंव लिफ्ट बनाने की मांग किया है।

विधानसभा अध्यक्ष ने की व्यवसायी संघों के प्रतिनिधियों के साथ उधोग योजनाओं की समस्याओं को ले समीक्षा बैठक

प्रातः किरण संवाददाता

गया जी।बिहार विधान सभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने आज 12:30 अप. में अपने कार्यालय कक्ष में उद्योग मंत्री, उद्योग विभाग के वरीय पदाधिकारियों, मगध इंडस्ट्री एसोशिएशन, गया जी जिला उद्योग संघ, वस्त्र उद्योग बुनकर सेवा समिति एवं मगध बुनकर संघ के प्रतिनिधियों के साथ मुख्यमंत्री उद्यमी योजना, बिहार लघु उद्यमी योजना, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम एवं प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना की प्रमुख समस्याओं के संबंध में एक समीक्षा बैठक की गई है।

अध्यक्ष की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में उपरोक्त सभी योजनाओं में आ रही समस्याओं को इस औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधियों द्वारा बिंदुवार तरीके से उद्योग मंत्री एवं विभाग के पदाधिकारियों के समक्ष रखा गया है। सभी योजनाओं में आ रही समान समस्याओं यथा- बैंक ऋण स्वीकृति में देरी, बाजार और विपणन की समस्या, तकनीकी एवं प्रबंधन कौशल की कमी, वित्तीय साक्षरता की कमी, उद्यमों की दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करने की चुनौती पर मंत्री एवं विभाग के अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट किया गया है।विभाग के पदाधिकारियों ने इन समस्याओं के निराकरण हेतु सरकार के चल रहे कार्यक्रमों एवं भावी योजनाओं के विषय में विस्तार से जानकारी दी। जैसे बैंक ऋण की स्वीकृति को सरल एवं सुचारू करने के दृष्टिकोण से प्रत्येक जिले में लोन शिविर का आयोजन किया जायेगा। बाजार सर्वेक्षण एवं विपणन की समस्या के निराकरण हेतु बिहार राज्य मार्केटिंग अथॉरिटी का गठन किया जा रहा है। वित्तीय साक्षरता हेतु भारत सरकार के रेम एप स्कीम के अंतर्गत एम एस एम ई केंद्र का गठन किया जा रहा है।तत्पश्चात, अध्यक्ष ने उद्योग मंत्री से गया जी जिले के ऋक्क टैग प्राप्त कर चुके पथरकट्टी कारीगरों की समस्याओं का निदान करने, शादीपुर में बियाडा की जमीन को अतिक्रमण से मुक्त कराने, धनामा गाँव में लगभग 50 उद्योगों को आधारभूत आवश्कताओं को उपलब्ध कराने, बियाडा बोधगया की जमीन को विस्तार करने, मानपुर की जमीन को विकसित करने एवं गया जी के तिलकुट को जी आई टैग प्रदान करने के संबंध में अनुरोध किया। इसके अतिरिक्त अध्यक्ष महोदय ने गया डोभी औद्योगिक कॉरिडोर परियोजना की अद्यतन स्थिति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को इस कॉरिडोर में लोकल उद्यमियों को प्राथमिकता देने का सुझाव दिया है ।मंत्री ने अध्यक्ष को आश्वस्त किया कि आज के बैठक में हुए विचार-विमर्श एवं माननीय अध्यक्ष द्वारा सुझाये गए प्रस्तावों का अनुपालन यथाशीघ्र कराया जायेगा।इस बैठक में सु श्रेयसी सिंह, मंत्री, उद्योग विभाग, अमन समीर, निदेशक एम एस एम ई मुकुल कुमार गुप्ता, निदेशक, उद्योग, विद्यानन्द सिंह, निदेशक, हथकरघा एवं रेशम उत्पादन, विजय कुमार उपाध्याय, निदेशक (प्रशासन), मगध इंडस्ट्री एसोशिएशन की ओर से श्री अनुप केडिया, कौशलेन्द्र प्रताप सिंह एवं श्री प्रदीप कुमार, गया जी जिला उद्योग संघ के अध्यक्ष रौनक सिंह सेठ, शुभम श्रीवास्तव, वस्त्र उद्योग बुनकर सेवा समिति के अध्यक्ष श्री प्रेमनारायण पटवा, मगध बुनकर संघ के अध्यक्ष श्री दुखन पटवा सहित बिहार विधान सभा की प्रभारी सचिव एवं अन्य वरीय पदाधिकारीगण अपस्थित रहे हैं।

संसाधनों के अभाव से जूझ रहा अरवल नशा मुक्ति केंद्र

■ प्रशासन की अनदेखी:अब तक सभी नतीजे हुए बेवजह साबित

राहुल कुमार

अरवल। घर का कोई सदस्य अतिशय प्रियजन चाहे वह पुत्र,पति या भाई को नशे की लत से छुटकारा दिलाने की उम्मीद लेकर जब कोई परिवार सदर अस्पताल के नशा मुक्ति केंद्र पहुंचता है, तो उसके मन में नई जिंदगी की आस होती है क्योंकि केंद्र के इलाज पर उसको अडिग विश्वास रहता शायद गरीब इसी उम्मीद से यहां तक आते हैं। लेकिन इलाज की सीमित व्यवस्था के कारण अधिकांश मरीजों को केवल काउंसलिंग के बाद घर लौटना पड़ता है। अब जिले में बढ़ती नशाखोरी के बीच नशा मुक्ति केंद्र खुद संसाधनों के अभाव से जूझ रहा है। शराबबंदी लागू होने के बाद सरकार ने नशे की लत से पीड़ित लोगों को उपचार उपलब्ध कराने के लिए सदर अस्पताल में एक अप्रैल 2016 को नशा मुक्ति केंद्र की स्थापना की थी। शुरूआती दिनों में यहां चिकित्सकों की प्रतिनियुक्ति, आवश्यक दवाओं, भोजन, आरओ का शुद्ध पानी, टेलीविजन और एसी जैसी सुविधाओं की व्यवस्था की गई थी। लेकिन समय के साथ सुविधाएं कम होती चली गईं।वर्तमान में जिले के युवा तेजी से स्मैक, गांजा, चरस, अफीम, बोनफिक्स और सॉल्यूशन जैसे नशीले पदार्थों के सेवन की गिरफ्त में आ रहे हैं। ऐसे दर्जनों मरीज नशा मुक्ति केंद्र पहुंच रहे हैं, लेकिन समुचित इलाज और भर्ती की व्यवस्था नहीं होने से मरीजों और उनके स्वजन को निराश होकर लौटना पड़ रहा है। आंकड़े बताते हैं कि पिछले नौ वर्षों में केवल आठ मरीजों को ही यहां भर्ती किया गया है। जबकि प्रतिदिन औसतन 15 मरीज नशे की लत से मुक्ति की उम्मीद लेकर केंद्र पहुंचते हैं। इनमें शराब के साथ-साथ अन्य मादक पदार्थों के आदी लोग हैं। संसाधनों के अभाव में अधिकांश मरीजों की केवल काउंसलिंग की जाती है, जबकि गंभीर स्थिति वाले मरीजों को बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया जाता है।स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि नशे की लत केवल सामाजिक समस्या नहीं, बल्कि गंभीर चिकित्सकीय और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी बीमारी है। ऐसे में बढ़ते नशे के प्रचलन को देखते हुए जिले के नशा मुक्ति केंद्र को विशेषज्ञ चिकित्सकों, पर्याप्त दवाओं और भर्ती की सुविधाओं से सुसज्जित करना समय की बड़ी जरूरत है। तभी नशे की गिरफ्त में फंसे युवाओं को नई जिंदगी देने का उद्देश्य पूरा हो सकेगा।

शेरघाटी में एबीवीपी ने 78वां स्थापना दिवस मनाया

प्रात : किरण संवाददाता

शेरघाटी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) शेरघाटी इकाई द्वारा गुरुवार को संगठन का 78वां स्थापना दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत एस.एम. एस.जी. कॉलेज परिसर में वृक्षारोपण से हुई, जहां परिषद के कार्यकताओं ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए कॉलेज परिसर में पौधे लगाए। इसके बाद इंदिरा नगर स्थित गुरुकुल के समीप सेवा बस्ती के छोटे-छोटे बच्चों के बीच शिक्षण सामग्री का वितरण किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ नगर मंत्री सचिन कुमार एवं छात्र नेता रंजन कुमार ने स्वामी विवेकानंद के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया। इस अवसर पर रंजन कुमार ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद छात्रों में अनुशासन, संस्कार, चरित्र निर्माण और राष्ट्रभक्ति की भावना विकसित करने का कार्य करती है। उन्होंने कहा कि संगठन का उद्देश्य छात्रों को भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय मूल्यों से जोड़ना है।

नगर मंत्री सचिन कुमार ने संगठन की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि एबीवीपी छात्र हित के साथ-साथ समाज और राष्ट्रहित के कार्यों में भी सक्रिय भूमिका निभाती है। उन्होंने बताया कि परिषद प्रत्येक वर्ष गरीब एवं जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा में सहयोग करती है तथा सेवा बस्तियों में पाठशालाओं का संचालन भी करती है।

कॉलेज इकाई अध्यक्ष सुबोध चौधरी ने कहा कि विद्यार्थी परिषद हमेशा राष्ट्रहित और छात्रहित के लिए समर्पित रही है। वहीं कॉलेज के प्राध्यापकों ने परिषद के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि संगठन के कार्यकर्ता परिसर में छात्र-छात्राओं की समस्याओं के समाधान के लिए सदैव सक्रिय रहते हैं।कार्यक्रम में रंजन कुमार, अमित कुमार, सचिन कुमार, सुबोध चौधरी, शशि कुमार, अकलेश कुमार सहित कॉलेज के प्राध्यापक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को ले कार्यशाला आयोजित

प्रातः किरण संवाददाता

अरवल। जिला पदाधिकारी अरवल अमृषा बैंस के निदेर्शानुसार उप विकास आयुक्त अरवल शैलेश कुमार की अध्यक्षता में सनाहरणालय सभाकक्ष में प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना अंतर्गत प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के सफल एवं प्रभावी क्रियान्वयन हेतु एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के तहत चयनित गांवों में आधारभूत सुविधाओं के विकास, सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तीकरण तथा योजनाओं के समन्वित क्रियान्वयन को सुनिश्चित करना था। इस अवसर पर संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को योजना के विभिन्न प्रावधानों, दिशा-निदेर्शों एवं कार्यान्वयन की प्रक्रिया से विस्तृत रूप से अवगत कराया गया। उप विकास आयुक्त ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत चयनित गांवों का समग्र विकास सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से योजनाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विभाग अपने-अपने दायित्वों का गंभीरतापूर्वक निर्वहन करते हुए चयनित गांवों में शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, सड़क, स्वच्छता, विद्युत, आवास, आजीविका तथा अन्य आवश्यक आधारभूत सुविधाओं के विकास के लिए समर्पित भाव से कार्य करें। कार्यशाला में प्रस्तुतीकरण के माध्यम से बताया गया कि आरवल जिले के कुल 20 चयनित गांवों में सामाजिक स्वं आर्थिक विकास के लिए आवश्यक आधारभूत संरवनाओं का निर्माण एवं विभिन्न कल्याणकारी गोजनाओं का समन्नित लाभ उपलब्ध करागा जाएगा। साथ ही योजना के प्रभावी अनुश्रवण, प्रगति समीक्षा एवं विभागीय समन्वय की रूपरेखा पर भी विस्तार से चचर्चा की गई। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों से अपेक्षा की गई कि वे क्षेत्र भ्रमण कर योजनाओं की वास्तविक स्थिति का आकलन करें तथा किसी भी प्रकार की समस्या या बाधा का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें, ताकि योजना का लाभ समय पर पात्र लाभुकों तक पहुँच सके। सभी पदाधिकारियों ने योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु समन्वित प्रयास करने एवं चयनित गांवों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम में सिविल सर्जन, जिला पंचायत राज पदाधिकारी, जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी के साथ अन्य जिला स्तरीय एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी तथा कर्मी उपरिधत रहे।

बागेश्वरी गुमटी आरओबी पर मुआवजे की मांग तेज, दुकानें रहीं बंद; 15 मीटर तक ही होगी शुरूआती बैरिकेडिंग

प्रात : किरण संवाददाता

गया। बागेश्वरी गुमटी के पास प्रस्तावित आरओबी निर्माण कार्य शुरू होने से पहले मुआवजा भुगतान की मांग को लेकर गुरुवार को बागेश्वरी-पावरगंज रोड किनारे की दुकानें और कई प्रतिष्ठान स्वस्फूर्त बंद रहे। प्रभावित लोगों ने साफ कहा कि पहले मुआवजा, तब कामह्व के सिद्धांत पर ही निर्माण कार्य आगे बढ़ाया जाए।गुरुवार को इस सड़क मार्ग के किनारे बने मकान और दुकानों से जुड़े लोग विरोधस्वरूप अपनी-अपनी दुकानें बंद कर सड़क पर उतर आए। हालांकि प्रदर्शनकारियों ने सड़क जाम नहीं किया, लेकिन बिहार राज्य पुल निर्माण निगम के अधिकारियों और अतिक्रमण हटाने के लिए प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी के समक्ष अपनी मांगें मजबूती से रखीं।रेल प्रशासन भी रहा अलर्ट, आरपीएफ की तैनाती-संभावित विरोध को देखते हुए रेल प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क रहा। आशंका थी कि कहीं प्रदर्शनकारी गया-मानपुर रेलखंड की ओर न बढ़ जाएं और रेल परिचालन बाधित न हो। इसे लेकर आरपीएफ पोस्ट प्रभारी निरीक्षक बनारसी यादव के नेतृत्व में काफी संख्या में जवान बागेश्वरी गुमटी (71ए) के पास तैनात कर दिए गए।

इधर, बिहार राज्य पुल निर्माण निगम के वरीय परियोजना अभियंता आकाश दीप के नेतृत्व में अधिकारियों की टीम ने प्रभावित लोगों की समस्याएं सुनीं और उनके निराकरण का भरोसा दिलाया। अधिकारियों और स्थानीय लोगों के बीच हुई वार्ता में यह सहमति बनी कि फिलहाल निर्माण कार्य शुरू करने के लिए सिर्फ 15 मीटर तक ही सड़क पर बैरिकेडिंग की जाएगी।इसके साथ ही लोगों के आने-जाने के लिए करीब 4 से 5 फीट चौड़ा रास्ता छोड़ा जाएगा, ताकि स्थानीय आवागमन पूरी तरह बाधित न हो। अधिकारियों ने यह भी कहा कि आरओबी के अलाइनमेंट के अनुसार जिन लोगों की जमीन या मकान अधिग्रहण की जद में आएंगे।

देव महोत्सव के संस्थापक सच्चिदानंद का मनाया गया पुण्यतिथि

औरंगाबाद। सूर्य नगरी देव के सहदेव चौधरी पुस्तकालय मे देव महोत्सव के संस्थापक सच्चिदानंद सिंह जी का पुण्यतिथि समारोह का आयोजन किया गया ' सर्वप्रथम उनके तैल चित्र पर पुष्प अर्पण कर जनेश्वर विकास केंद्र के सदस्यगण श्रद्धांजलि अर्पण किए तत्पश्चात वक्ताओं मे समाजसेवी इकबाल एहमद एवं डॉ महेन्द्र हार्ड जी ने उनके जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहें की सच्चिदानंद जी देव अवस्थीत सूर्य मंदिर की भगवान भाष्कर की महिमा देश दुनिया तक पहुँचाने के उद्देश्य से देव महोत्सव का आयोजन करते थे ' देव महोत्सव की शुरूवात सन्न 1992 मे राज दरबार के समीप किंकर नाट्य कला मंच से हुयी थी ' बड़े उत्साह के साथ सभी ग्रामवासी एकतरित होकर इसको बेहतरीन सांस्कृतिक रूप दिए थे ' धीरे धीरे देव महोत्सव का सरकारीकरण कर अचलासप्तमी मे सूर्य महोत्सव का बृहत रूप ले लिया और आज नामचीन कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम संग देव धाम का नाम विदेशों तक पहुँच गया ' देव महोत्सव का आयोजन का उद्देश्य जिले का नाम देव करना था ' दीपक गुप्ता एवं उपेंद्र यादव जी ने बताया की पहले पातालगंगा और देव सूर्य मंदिर एक हीं कमिटी के द्वारा संचालित होता था ' इसलिए सभी ने सुझाव दिया की दोनों धाम को एक हीं नगर पंचायत मे लाकर इस धार्मिक स्थल को कोरिडोर के रूप मे विकसित किया जाये ' देव सूर्य मंदिर के महानतम को बारीकी से पौराणिक इतिहास जानने के लिए रिसर्च सेंटर का गठन किया जाना चाहिए ' देव धाम के नाम से पर्यटन ट्रेनों का नामकरण भी होना चाहिए ' बलिराम सिंह एवं रत्नेश सिंह जी ने कहा की आज महोत्सव के चलते हीं देव मे रिंग रोड, स्टेडियम बन रहा है और मेडिकल कॉलेज भी जल्द बनकर रहेगा ।

11 जुलाई को उपराष्ट्रपति के गया आगमन पर विशेष यातायात व्यवस्था लागू

गया। उपराष्ट्रपति, भारत श्री सी. पी. राधाकृष्णन के 11 जुलाई 2026 को गया आगमन एवं भ्रमण कार्यक्रम के मद्देनजर जिला प्रशासन एवं यातायात पुलिस द्वारा आमजन की सुविधा तथा वीवीआईपी सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए विशेष यातायात व्यवस्था लागू की गई है। यह व्यवस्था दिनांक 11 जुलाई 2026 को प्रातः 08:00 बजे से दोपहर 02:00 बजे तक प्रभावी रहेगी। यातायात पुलिस द्वारा जारी ट्रैफिक प्लान के अनुसार निर्धारित अवधि में कुछ मार्गों पर वाहनों के प्रवेश एवं परिचालन पर प्रतिबंध रहेगा तथा आम नागरिकों के लिए वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किए गए हैं।

प्रतिबंधित/परिवर्तित मार्ग:मानपुर से बाईपास होते हुए बोधगया (अंडरपास) तक बड़े वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। आपातकालीन सेवाओं को इससे छूट रहेगी।खटका चक से बिपार्ड, 05 नंबर गेट, हवाई अड्डा मोड़ एवं धनावां मोड़ तक सभी प्रकार के वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। आपातकालीन सेवाओं को इस प्रतिबंध से मुक्त रखा गया है।

आम नागरिकों के लिए वैकल्पिक मार्ग:सिकरिया मोड़ मगध मेडिकल कॉलेज चेरकी रोड होकर अपने गंतव्य तक जा सकेंगे।मानपुर केंदुई राजापुर बोधगया मार्ग का उपयोग कर अपने गंतव्य तक पहुंच सकेंगे।जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे निर्धारित समय के दौरान यातायात नियमों एवं डायवर्जन योजना का पालन करें, अनावश्यक रूप से प्रतिबंधित मार्गों पर आवागमन से बचें तथा यातायात पुलिस एवं प्रशासन का सहयोग करें। प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि आवश्यक एवं आपातकालीन सेवाओं के वाहनों का आवागमन पूर्ववत जारी रहेगा। आमजन से सहयोग की अपेक्षा की गई है ताकि वीवीआईपी कार्यक्रम शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सुचारु रूप से संपन्न कराया जा सके।

पंचदेव धाम चपरा में एकल विद्यालय का पांच दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

औरंगाबाद। औरंगाबाद जिले का प्रसिद्ध तीर्थ स्थल पंचदेव धाम चपरा में पांच दिवसीय आचार्य प्रशिक्षण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के अंतिम दिन एकल विद्यालय के अंचल प्रमुख डॉ रामाधार सिंह की अध्यक्षता में कार्यक्रम का समापन किया गया। सचिव सिहेश कुमार सिंह, पतंजलि परिवार के प्रमुख विनोद कुमार,सामाजिक कार्यकर्ता बैजनाथ जी, प्रभाग प्रमुख आनंद कुमार सिंह, अंचल अभियान प्रमुख अरुण कुमार सिंह,अंचल प्रशिक्षक दिनेश रामजी के संयोजकत्व समापन के अवसर पर पंचमुखी शिक्षा की चर्चा की गई। बताया गया कि वर्तमान परिवेश में एकल विद्यालय के द्वारा उन जगहों पर शिक्षा का अलख जगाया जा रहा है जहां सदियों से शिक्षा से लोग अपरिचित थे। यह भी बताया गया कि शिक्षा का महत्वपूर्ण पहलू संस्कार का होना चाहिए संस्कार परक शिक्षा देकर ही हम समाज में परिवर्तन ला सकते हैं।साथ ही साथ पर्यावरण शिक्षा की भी चर्चा की गई।

संगीत एक प्राकृतिक दवा : डॉक्टर दिनेश पाण्डेय

प्रात : किरण संवाददाता

औरंगाबाद। संगीत एक प्राकृतिक दवा है जो जादू की कुंजी की तरह काम करता है। श्री कपिलदेव संगीत महाविद्यालय के पुरोधा महारथी अग्निविर प्रख्यात प्राचार्य डॉक्टर दिनेश पाण्डेय अपने संगीत संस्थान की शोभा बढ़ाने को ले सुर्खियों मे है। छात्रों को प्रेरित करने और संगीत की क्षमता को व्यक्त करने के लिए कई प्रभावशाली और कलात्मक विषय के जन्मदाता है। उन्होंने संगीत की दुनिया मे अपनी पहचान बनाई है। वे संगीत की विजेता शिक्षा साधना और जीवन मे संगीत को महत्व को साझा किया है। उन्होंने दाता एक राम भिखारी सारी दुनिया भजनों के गीतों और अपनी शोरो से मन मोह लिया। आज भी कई विद्यालयों मे इनके द्वारा पढ़ाई गई सैकड़ों शिक्षक अलख जगा रहे है। प्राचार्य दिनेश पाण्डेय ने बताया कि भारतीय संगीत की आत्मा अध्यात्म से जुड़ी है। संगीत एक ऐसी साधना है। ओ हमे साकार से निरंकार ब्रह्म की ओर ले जाती है। संगीत केवल मनोरंजन की साधना नही बल्कि यह आत्मा को तृप्त करने वाली शक्ति है। बताते है कि जहां शब्द समाप्त होते है। वहीं से संगीत शुरू होती है। यह एक सार्वभौमिक भाषा है। जो सभी सीमा के आपस मे जोड़ती है। संगीत केवल किताबों से नही शिखा जा सकता है। उसके से लिए गुरु के चरणों मे जाना पड़ता है। जिसके कारण संगीत एक प्राकृतिक दवा है। जो जादू की कुंजी की तरह काम करता है।

मगध विश्वविद्यालयः प्रो. वासुदेव प्रसाद बने इंस्पेक्टर ऑफ कॉलेज (विज्ञान), ग्रहण किया पदभार

बोधगयाः मगध विश्वविद्यालय प्रशासन ने भूगोल विभाग के अध्यक्ष प्रो. वासुदेव प्रसाद को नई और अहम जिम्मेदारी सौंपते हुए उन्हें इंस्पेक्टर ऑफ कॉलेज (विज्ञान) के पद पर नियुक्त किया है।प्रो. प्रसाद ने आधिकारिक तौर पर अपने नए पद का कार्यभार विधिवत रूप से ग्रहण कर लिया। उनकी इस महत्वपूर्ण नियुक्ति पर विश्वविद्यालय के सभी संकायाध्यक्षों, विभागाध्यक्षों और शिक्षकगणों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें ढेरों बधाइयां एवं उनके सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

आज निकाला जाएगा विरोध मार्च, शामिल होने की अपील

गोह (औरंगाबाद)(सं.)। एक 13 वषीर्या लड़की के साथ दरिंदगी के साथ की गई हत्या के विरोध में में आज गोह में विरोध मार्च निकाला जाएगा। समाजसेवी दिलीप विश्वकर्मा, रविनंदन ने जानकारी देते हुए कहा कि न्यायालय को चाहिए कि मासूम के कातिलों को जल्द से जल्द मौत की सजा दें। इस विरोध मार्च में सभी लोगो को शामिल होने की अपील किया गया है।

मगध विश्वविद्यालय में हिन्दी कहानी की परम्परा और भीष्म साहनी विषयक संगोष्ठी का हुआ आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी।भीष्म साहनी प्रेमचंद की विरासत को आगे बढ़ाने वाले लेखकों में से एक हैं। उन्हें नई कहानी आंदोलन के दौर में निर्मल वर्मा, मोहन राकेश और राजेंद्र यादव की कहानीकार तिकड़ी के बाद हरिशंकर परसाई और अमरकांत के साथ मिलकर एक अन्य कहानीकार तिकड़ी के रूप में जाना जाता है जिन्होंने हिंदी कहानी को नया कलेवर और नई ऊँचाइयाँ दीं। थियेटर के बेहतरीन व्यक्तित्व रहे भीष्म साहनी ने चीफ की दावत, वाङ्चू, अमृतसर आ गया है जैसी अनेक महान कहानियाँ हिन्दी पाठकों के लिए रचीं है।

यह बातें मगध विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग द्वारा गुरुवार को प्रेमचंद सभागार में आयोजित हिन्दी कहानी की परम्परा और भीष्म साहनी विषयक संगोष्ठी में प्रो. मृत्युंजय सिंह ने कहीं। वे वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा में हिन्दी विभाग से सेवानिवृत्त आचार्य हैं। भीष्म साहनी के पुण्यसमरण सप्ताह के उपलक्ष्य में आयोजित इस संगोष्ठी में हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रो. आनंद कुमार सिंह द्वारा अंगवस्त्र और पौधा देकर मृत्युंजय जी का स्वागत किया गया है। आनन्द ने स्वागत वक्तव्य के माध्यम से पाठकों को हिन्दी साहित्य की महान विभूतियों से जुड़ने की प्रेरणा दी है।इस अवसर पर प्रो. मृत्युंजय सिंह ने हिन्दी की कहानी परम्परा को विस्तार से श्रोताओं के समक्ष रखा और इन्दुमती, प्लेग की चुड़ैल और दुलाईवाली आदि आरंभिक हिंदी कहानियों की चर्चा के बावजूद राजेंद्र यादव द्वारा एक दुनिया समानांतर के संपादकीय में उसने कहा था को हिन्दी की वास्तविक पहली कहानी मानने संबंधी वक्तव्य को रेखांकित किया। नामवर सिंह के कहानी संबंधी वक्तव्यों का भी उल्लेख किया है। उन्होंने प्रगतिशील हिंदी लेखन से भीष्म साहनी के लंबे जुड़ाव को प्रेमचंद की प्रगति

बानूछापर मुहल्ले में जलजमाव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए गुणवत्तापूर्ण नाला निर्माण मेरी प्राथमिकता: गरिमा

- जल निकासी की समस्या से ग्रस्त वार्ड-27 में 72.88 लाख की लागत से बनने वाले नाला का कार्यादेश संवेदक को देते हुए बोलीं महापौर

प्रात: किरण संवाददाता

बेतिया। नगर निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या-27 में जलनिकासी व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। महापौर गरिमा देवी सिकारिया एवं स्थानीय पार्षद की पहल पर नगर निगम बोर्ड के द्वारा बानूछापर मुहल्ले के हाजमा टोला होते माता मरियम के मंदिर से उमेश यादव के घर होते हुए नहर तक नाला निर्माण के लिए महापौर गरिमा देवी सिकारिया द्वारा कायार्देश दिया गया। इस मौके पर महापौर श्रीमती सिकारिया ने बताया कि इस योजना पर 90 लाख 4 हजार 300 रुपये से अधिक की प्रशासनिक स्वीकृति नगर निगम बोर्ड द्वारा प्रदान की गई है। नगर निगम द्वारा जारी कायार्देश के अनुसार निर्माण कार्य का जिम्मा मेसर्स शक्ति कंस्ट्रक्शन, बेतिया को सौंपा गया है। बीओक्यू के अनुरूप लगभग 72,88,176 रुपये की लागत से यह कार्य कराया जाएगा। महापौर श्रीमती सिकारिया ने बताया कि कायार्देश में स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि निर्माण एजेंसी को कार्य प्रारंभ होने की तिथि से तीन माह के भीतर नाला निर्माण हर हाल में पूरा करना होगा। कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए ब्लैक स्टोन और सोन नदी की बालू सहित स्वीकृत मानकों के अनुरूप सामग्री के उपयोग का निर्देश दिया गया है। महापौर ने कहा कि निगम के किसी भी संवेदक के द्वारा गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की लापरवाही मिलने पर संवेदक के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए उसे काली सूची में भी डाला जा सकता है। निर्माण स्थल पर योजना संबंधी सूचना पट्ट लगाने, कार्य के विभिन्न चरणों की फोटो एवं वीडियो उपलब्ध कराने तथा एम एंड एन फॉर्म भरने जैसी शर्तें भी अनिवार्य की गई हैं। नगर निगम प्रशासन द्वारा यह भी स्पष्ट किया है कि कार्य पूर्ण होने के बाद 36 माह तक निर्माण की त्रुटियों के सुधार की जिम्मेदारी संवेदक की होगी। महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने कहा कि शहर में जलजमाव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए गुणवत्तापूर्ण नाला निर्माण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है, ताकि वार्डवासियों को जल जमाव जैसी समस्या से स्थाई मुक्ति मिल सके।

वाल्मीकिनगर के टंकी बाजार में परचून दुकान से मिला गोल्डन फ्लाइंग स्नेक

प्रात: किरण संवाददाता

बगहा। वाल्मीकिनगर स्थित टंकी बाजार मेन रोड पर एक परचून दुकान में गोल्डन फ्लाइंग स्नेक मिलने से आसपास के लोगों में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई। दुकान संचालक सोनू कुमार ने सांप दिखाई देने पर तुरंत इसकी सूचना वन विभाग और वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (डब्ल्यूआईआई) की टीम को दी।सूचना मिलते ही वन विभाग और डब्ल्यूआईआई की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची। टीम ने सावधानीपूर्वक रेस्क्यू अभियान चलाकर सांप को सुरक्षित पकड़ लिया। रेस्क्यू के दौरान किसी प्रकार की अप्रिय घटना नहीं हुई। डब्ल्यूआईआई के फील्ड ऑफिसर मुकेश कुमार ने बताया कि यह गोल्डन फ्लाइंग स्नेक (उँ१८२ङ्खीं ङ्ग१ल्लंङ्ग) है, जो भारत में मिलने वाली एक दुर्लभ एवं पेड़ों पर रहने वाली प्रजाति है। इसे रियर-फैंग्ड (फीं१-ाल्लीं) यानी पिछले हिस्से में विषदंत वाला हल्का विषैला सांप माना जाता है। इसके काटने से सामान्य परिस्थितियों में इंसान की मौत नहीं होती, हालांकि किसी भी सांप के काटने पर चिकित्सकीय सलाह अवश्य लेनी चाहिए। उन्होंने बताया कि यह सांप मुख्य रूप से छिपकलियों, मेंढकों, छोटे पक्षियों और उनके अंडों का शिकार करता है। यह पेड़ों पर तेजी से चलने और एक पेड़ से दूसरे पेड़ तक हवा में फिसलने (ग्लाइड) की क्षमता के कारण फ्लाइंग स्नेक के नाम से जाना जाता है। यह सामान्यतः शमीर्ला स्वभाव का होता है और तभी हमला करता है जब उसे खतरा महसूस होता है। रेस्क्यू के बाद सांप को स्वास्थ्य परीक्षण के उपरांत उसके प्राकृतिक आवास वाल्मीकि टाइगर रिजर्व के सुरक्षित वन क्षेत्र में छोड़ने की प्रक्रिया की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

उन्नत आधार सेवा केंद्र का विधायक ने किए उद्घाटन

मोतिहारी। स्थानीय विधायक प्रमोद कुमार ने गुरुवार को पूर्वी चम्पारण, मोतिहारी में उन्नत आधार सेवा केंद्र का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उपमहापौर डॉ. लाल बाबू प्रसाद की भी उपस्थित रहे। उन्नत आधार सेवा केंद्र का उद्घाटन मोतिहारी और आसपास के क्षेत्रों में आधार सेवाओं की डिलीवरी को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस केंद्र को उन्नत तकनीकी सुविधाओं और बेहतर अवसंरचना के साथ विकसित किया गया है, ताकि आधार नामांकन और अद्यतन सेवाएँ अधिक तेज, पारदर्शी और निवासी अनुकूल तरीके से उपलब्ध कराई जा सकें। पूर्व में बिहार में यूआईडीएआई के आधार सेवा केंद्र केवल चार जिलों-पटना, मुजफ्फरपुर भागलपुर पूर्णिया में ही उपलब्ध थे। अब इन मौजूदा केंद्रों के साथ-साथ चरणबद्ध तरीके से नए आधार सेवा केंद्र 11 अन्य जिलों में आधार केंद्र स्थापित हो चुके है तथा 17 नए जिलों में आधार केंद्र खोलने का कार्य चल रहा है आने वाले दो महीनो में ये सारे केंद्र कार्य करने लगेंगे। इस अवसर पर विधायक प्रमोद कुमार ने आधार पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने और लोगों को आधार सेवाओं तक सहज पहुंच उपलब्ध कराने के लिए यूआईडीएआई के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की पहले सार्वजनिक सेवा वितरण में पारदर्शिता, दक्षता और सुविधा को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

बाल विवाह की आड़ में मानव तस्करी का प्रयास विफल

रक्सौल। प्रयास जुवेनाइल एड सेंटर, पूर्वी चंपारण को गुप्त सूत्रों से सूचना मिली कि राजस्थान के कुछ व्यक्तियों द्वारा रक्सौल की नाबालिग लड़कियों से चोरी-छिपे विवाह कर, शादी की आड़ में मानव तस्करी किए जाने की संभावना है। सूचना के आधार पर प्रयास द्वारा संबंधित एजेंसियों को अवगत कराते हुए एक संयुक्त टीम गठित की गई, जिसमें सर्किल ऑफिसर, रक्सौल, हरैया थाना, प्रयास जुवेनाइल एड सेंटर, पूर्वी चंपारण, बिहार, मानव तस्करी रोधी इकाई, एसएसबी 47वीं वाहिनी, स्वच्छ रक्सौल संस्था तथा न्याय नेटवर्क परियोजना शामिल थी। संयुक्त टीम ने स्रोत द्वारा बताए गए स्थान पर पहुंचकर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान पाया गया कि शादी की पूरी तैयारी कर ली गई थी और मंडप भी तैयार था। नाबालिग लड़की पूजा कुमारी (बदला हुआ नाम), उम्र लगभग 14 वर्ष, की काउंसलिंग की गई। काउंसलिंग के दौरान बच्ची ने बताया कि उसके परिवार द्वारा जबरन शादी कराई जा रही है।

मोटोरोला ने लॉन्च किया मोटो जी 77 पावर

मोटोरोला ने नए मोटो जी 77 पावर के लॉन्च की घोषणा की। मोटो जी 77 पावर का अग्रणी प्रो-ग्रेड 50 एमपी सोनी लिटिया 600 कैमरा सिस्टम है और मुख्य कैमरे के साथ ही इसमें एक 8 एमपी का अल्ट्रा-वाइड लेंस दिया गया है। मोटो जी 77 में 6.72 इंच का इमर्सिव फुल एचडी प्लस डिस्प्ले दिया गया है, जो 120 हट्र्ज के स्मूथ रिफ्रेश रेट के साथ आता है। इसमें 7000 एमएएच की विशाल बैटरी दी गई है। इसमें वॉल्यूम बूस्ट और डॉल्बी एटमॉस के साथ शक्तिशाली डुअल स्टीरियो स्पीकर्स दिए गए हैं। मोटोरोला इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर टी एम नरसिम्हन ने कहा कि उपभोक्ता स्मार्टफोन कैमरों को अधिक महत्व दे रहे हैं, क्योंकि वे अपने रोजमर्रा के पलों को कैप्चर करने, क्रिएट करने और शेयर करने के लिए तेजी से इन पर निर्भर हो रहे हैं।

पंचायत विकास योजना 2026-27 के प्रभावी क्रियान्वयन एवं समावेशी ग्रामीण विकास हेतु जिलास्तरीय कार्यशाला आयोजित

प्रात: किरण संवाददाता

बेतिया। पंचायत विकास योजना 2026-27 के सफल क्रियान्वयन एवं ग्रामीण क्षेत्रों में समावेशी विकास को गति देने के उद्देश्य से आज गुरुवलिया रॉयल पैलेस में एक दिवसीय जिलास्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें जिला प्रोग्रामर श्री मुकेश कुमार एवं पिरामल फाउंडेशन श्री राजू कुमार के द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला में प्रमुख लौरिया, गौनाहा, बगहा 1,उप प्रमुख गौनाहा, मझौलिया, जिला पंचायत राज पदाधिकारी, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी मध्यान भोजन, जिला कार्यक्रम प्रबंधक जीविका, अपर मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी जिला परिषद, विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी, पश्चिम चम्पारण, सभी प्रखण्ड पंचायत राज पदाधिकारी, प्रखण्ड कार्यपालक सहायक, जिला पंचायत संसाधन केन्द्र, के नोडल / कर्मी एवं अन्य उपस्थित थे। पंचायत विकास योजनाओं का निमार्ण स्थानीय आवश्यकताओं, जनभागीदारी, और क्षेत्रीय प्राथमिकताओं को ध्यान में रख कर किया जायगा। जिससे विकास का लक्ष्य समाज के सभी वर्गा तक पहुँच सके। कार्यशाला में समाजिक विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, बुनियादी सुविधाओं और आर्थिक सशक्तिकरण से जुड़ी योजनाओं के निमार्ण एवं क्रियान्वयन पर विशेष चर्चा हुई।

नेपाल के महेशपुर भंसार कार्यालय में सब्जियां ले जाने पर रोक

प्रात: किरण संवाददाता

बगहा । नेपाल के महेशपुर भंसार (कस्टम) कार्यालय पर भारतीय सीमा से आलू, प्याज, टमाटर और अन्य दैनिक उपयोग की खाद्य सामग्री ले जाने पर रोक लगाए जाने का मामला सामने आया है। इस कार्रवाई के बाद सीमावर्ती क्षेत्रों के छोटे व्यापारियों और आम लोगों में नाराजगी देखी जा रही है। नेपाल सूत्रों की माने तो नेपाल सशस्त्र पुलिस बल (एपीएफ) के जवान महेशपुर भंसार कार्यालय के भीतर सब्जियां और अन्य सामान लेकर जा रहे लोगों को रोकते दिखाई दे रहे हैं। बताया जा रहा है कि भंसार कार्यालय से ऐसे सामानों के आवागमन पर रोक लगाने के निर्देश के बाद यह कार्रवाई की गई। इस कदम से सीमावर्ती क्षेत्रों के छोटे व्यापारियों और रोजमर्रा की खरीदारी करने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई लोगों का कहना है कि वे घरेलू उपयोग के लिए सीमित मात्रा में खाद्य सामग्री ले जा रहे थे, लेकिन उन्हें भी रोक दिया गया। हालांकि, इस मामले में नेपाल के संबंधित प्रशासन या भंसार विभाग की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। लेकिन लोगों के बीच विभिन्न तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं।

एडवांस राशि लौटाने में लापरवाही पर विभाग सख्त

बगहा। मुख्य पश्चिमी नहर प्रमंडल, वाल्मीकिनगर ने वर्षों से लंबित एडवांस राशि के मामलों को गंभीरता से लेते हुए सख्त कदम उठाया है। विभिन्न कार्यों के लिए अग्रिम राशि लेने के बाद उसका समायोजन नहीं कराने या विभाग को वापस नहीं करने वाले 13 अभियंताओं एवं अधिकारियों को नोटिस जारी किया गया है। सभी को एक माह के भीतर लंबित राशि जमा करने अथवा उसका समायोजन कराने का निर्देश दिया गया है। निर्धारित समयसीमा के भीतर आदेश का पालन नहीं करने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की जाएगी। विभागीय जानकारी के अनुसार, संबंधित अधिकारियों ने वर्ष 2021 से पहले विभिन्न कार्यों के लिए एडवांस राशि प्राप्त की थी। लेकिन पांच वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बावजूद न तो राशि का समायोजन कराया गया और न ही उसे विभाग को लौटाया गया। इसके कारण विभाग के खाते में कुल 2 लाख 31 हजार 121 रुपये की राशि अब भी लंबित है। नोटिस पाने वालों में कार्यपालक अभियंता, एसडीओ, अवर प्रमंडल पदाधिकारी तथा अन्य अभियंता शामिल हैं। इनमें क्षेत्र यंत्र प्रमंडल नवतारसी शिविर के कार्यपालक अभियंता पर दो लाख रुपये, एसडीओ दिनेश कुमार सिन्हा पर 5 हजार रुपये, त्रिवेणी नेपाल के अभियंता पर 5,775.87 रुपये, सुगौली नेपाल के केशव कुमार पर 7,373.95 रुपये, रामेश्वर सिंह पर 327.29 रुपये, सौदामिनी गुप्ता पर 1,536.29 रुपये, परशुराम सिंह पर 300 रुपये, रिपुदमन ठाकुर पर 544.45 रुपये, कार्यपालक अभियंता जगरनाथ सिंह पर 1,051.60 रुपये तथा लिपिक नागेंद्र प्रसाद पर 375 रुपये सहित अन्य अधिकारियों पर भी विभिन्न राशि लंबित है।

वीटीआर में अतिक्रमण हटाने पहुंची टीम पर हमला जेसीबी फूंकी, वन विभाग और ग्रामीणों में हिंसक झड़प

प्रात: किरण संवाददाता

बगहा। वाल्मीकि टाइगर रिजर्व (वीटीआर) के वाल्मीकिनगर वन क्षेत्र अंतर्गत ठाढ़ी गांव के समीप धनहिया में शुक्रवार को वन विभाग की अतिक्रमण हटाओ कार्रवाई के दौरान हिंसक बवाल हो गया। वन विभाग, प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम जैसे ही वन भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने पहुंची, स्थानीय लोगों ने विरोध शुरू कर दिया। देखते ही देखते स्थिति हिंसक झड़प में बदल गई और आक्रोशित भीड़ ने कार्रवाई में लगी एक जेसीबी मशीन में आग लगा दी। घटना में वन विभाग और ग्रामीण पक्ष के करीब आधा दर्जन लोगों के घायल होने की सूचना है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार्रवाई के दौरान बड़ी संख्या में महिलाएं और ग्रामीण मौके पर पहुंच गए तथा वन विभाग की टीम को चारों ओर से घेर लिया। विरोध बढ़ने के साथ ही अफरा-तफरी का माहौल बन गया और हालात तेजी से बिगड़ गए। सूचना मिलने पर वाल्मीकिनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन उग्र भीड़ के कारण स्थिति नियंत्रित करना चुनौतीपूर्ण हो गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए एसडीपीओ निहार भूषण तथा एसएसबी के कमांडेंट अतिरिक्त पुलिस बल के साथ घटनास्थल पहुंचे। अधिकारियों ने लोगों को समझा-बुझाकर स्थिति को शांत कराया और वन विभाग की टीम को सुरक्षित बाहर निकाला। इसके बाद क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल और वनकर्मियों की तैनाती कर दी गई है। एसडीपीओ निहार भूषण ने बताया कि अतिक्रमण हटाने गई वन विभाग की टीम और स्थानीय लोगों के बीच झड़प की सूचना मिलते ही पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची।

नेपाल संसद में धक्का-मुक्की प्रकरण की जांच शुरू

प्रात: किरण संवाददाता

बगहा। नेपाल की संघीय संसद में हाल ही में हुई धक्का-मुक्की और हंगामे की घटना की जांच शुरू कर दी गई है। संसद सचिवालय ने घटना को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों से विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। जानकारी के अनुसार, सदन की कार्यवाही के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के सांसदों के बीच तीखी नोकझोंक के बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गई। देखते ही देखते कुछ सांसदों के बीच धक्का-मुक्की की नौबत आ गई, जिससे सदन की कार्यवाही प्रभावित हुई। घटना के बाद संसद सचिवालय ने उपलब्ध वीडियो फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। जांच रिपोर्ट के आधार पर संसदीय नियमों के अनुसार आवश्यक कार्रवाई किए जाने की संभावना जताई जा रही है। राजनीतिक दलों और जनप्रतिनिधियों ने संसद जैसी सर्वोच्च लोकतांत्रिक संस्था की गरिमा बनाए रखने पर जोर देते हुए दोषियों के खिलाफ निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की है। वहीं राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि इस तरह की घटनाएं संसदीय मयार्दा के अनुरूप नहीं हैं और भविष्य में ऐसी पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाने चाहिए।

ढाई माह पहले हुई थी शादी, नवविवाहिता का शव फंदे से लटका मिला

प्रात: किरण संवाददाता

बगहा। बगहा पुलिस जिला के चौतरवा थाना क्षेत्र अंतर्गत कोल्हुआ चौतरवा गांव में गुरुवार सुबह एक नवविवाहिता का शव फंदे से लटका मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही चौतरवा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल, बगहा भेज दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए फोरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए। मृतका की पहचान कोल्हुआ चौतरवा निवासी दीपू बैठा की पत्नी सुनीता देवी (18 वर्ष) के रूप में हुई है। बताया गया कि सुनीता की शादी 21 अप्रैल 2026 को भैरोगंज थाना क्षेत्र के तोनवा त्रिभौनी गांव निवासी दिनेश बैठा की पुत्री के रूप में दीपू बैठा से हुई थी। शादी के महज ढाई महीने बाद हुई इस संदिग्ध मौत से दोनों परिवारों में शोक का माहौल है।

ग्रील काटकर घर में घुसे चोर, 50 लाख के जेवर व 9 लाख नकद उड़ाए, एफएसएल टीम ने शुरू की जांच

बेतिया। थाना क्षेत्र के महोदीपुर भट्ट टोला वार्ड संख्या-15 में देर रात अज्ञात चोरों ने एक घर को निशाना बनाते हुए करोड़ों की सुरक्षा व्यवस्था को धता बता दी। चोरों ने कृष्ण किशोर सिंह उर्फ मोहन सिंह के घर के मुख्य ग्रील और सुरक्षा जाली को काटकर भीतर प्रवेश किया तथा कमरों और अलमारियों के ताले तोड़कर लॉकर में रखे करीब 50 लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण और लगभग 9 लाख रुपये नकद लेकर फरार हो गए। सुबह घटना की जानकारी होने पर परिवार के होश उड़ गए। देखते ही देखते बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए। इस बड़ी चोरी की वारदात से पूरे भट्ट टोला इलाके में दहशत का माहौल है, जबकि लोगों ने पुलिस गश्ती व्यवस्था पर भी सवाल उठाए हैं। सूचना मिलते ही बेतिया एसडीपीओ-1 अजीत कुमार तथा मझौलिया पुलिस निरीक्षक सह थानाध्यक्ष अमर कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। इसके बाद फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की टीम ने भी मौके पर पहुंचकर वैज्ञानिक तरीके से साक्ष्य जुटाए और घटनास्थल की बारीकी से जांच की पुलिस अधिकारियों ने पीड़ित परिवार और आसपास के लोगों से पूछताछ कर घटना की जानकारी ली। साथ ही आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

चितवन में दो जंगली हाथियों को नियंत्रण में लेने के लिए अनुगमन शुरू

बगहा। चितवन क्षेत्र में लगातार मानव बस्तियों के आसपास देखे जा रहे दो जंगली हाथियों को नियंत्रण में लेने के लिए वन विभाग ने विशेष अनुगमन (मॉनिटरिंग) अभियान शुरू कर दिया है। हाथियों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए वनकर्मियों और तकनीकी टीमों को तैनात किया गया है। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, दोनों हाथी पिछले कुछ दिनों से विभिन्न क्षेत्रों में विचरण कर रहे हैं, जिससे स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है। किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए हाथियों की लगातार ट्रैकिंग की जा रही है और उनकी गतिविधियों का आकलन किया जा रहा है। प्रशासन ने स्थानीय लोगों से अपील की है कि हाथियों के दिखाई देने पर उनके पास जाने या उन्हें उकसाने का प्रयास न करें तथा तुरंत वन विभाग को सूचना दें। जरूरत पड़ने पर विशेषज्ञों की सहायता से दोनों हाथियों को सुरक्षित तरीके से नियंत्रित कर उन्हें जंगल के भीतर भेजने की कार्रवाई की जाएगी। वन विभाग का कहना है कि अभियान का उद्देश्य मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करना और लोगों के साथ-साथ वन्यजीवों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

गंडक बराज से डिस्चार्ज एक लाख क्यूसेक के पार, निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा बढ़ा

प्रात: किरण संवाददाता

बगहा। नेपाल के जलग्रहण क्षेत्रों में रुक-रुक कर हो रही बारिश के कारण नारायणी (गंडक) नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। इसका असर वाल्मीकिनगर गंडक बराज पर भी देखने को मिल रहा है। गुरुवार दोपहर 2 बजे तक बराज से पानी का डिस्चार्ज 1,07,300 क्यूसेक पहुंच गया, जिससे निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। जल संसाधन विभाग ने कंट्रोल रूम को हाई अलर्ट पर रखते हुए नदी के जलस्तर की पल-पल निगरानी शुरू कर दी है। गंडक बराज के कार्यपालक अभियंता इकबाल अहमद ने बताया कि गंडक नदी के जलस्तर पर लगातार नजर रखी जा रही है। कंट्रोल रूम का संचालन तीन शिफ्टों में अलग-अलग टीमों द्वारा किया जा रहा है, ताकि जलस्तर में होने वाले हर बदलाव की तत्काल जानकारी मिल सके और आवश्यकता पड़ने पर समय रहते आवश्यक कदम उठाए जा सकें। उन्होंने आगे बताया कि नेपाल के जलग्रहण क्षेत्रों में लगातार रुक-रुक कर बारिश होने के कारण आने वाले दिनों में डिस्चार्ज में और बढ़ोतरी की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। विभाग ने बराज और तटबंधों की निगरानी भी तेज कर दी है। बतादें,जल संसाधन विभाग ने निचले इलाकों में रहने वाले लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। प्रशासन ने संबंधित अधिकारियों को अलर्ट रहने और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक तैयारियां पूरी रखने के निर्देश दिए हैं।

विकास के दावों की खुली पोल: बदहाल सड़कों से जूझ रहे सीमावर्ती गांवों के ग्रामीण

प्रात: किरण संवाददाता

बगहा। विकास के दावों के बीच वाल्मीकिनगर क्षेत्र की कई ग्रामीण सड़कें अपनी बदहाली की कहानी बयां कर रही हैं। वाल्मीकिनगर पंचायत के विजयपुर से करमाबारी और चरघरिया को जोड़ने वाली बांध सड़क तथा रामपुरवा लक्ष्मीपुर पंचायत के ठाढ़ी गांव का मुख्य मार्ग लंबे समय से जर्जर स्थिति में है। बरसात शुरू होते ही इन सड़कों पर कीचड़ और फिसलन बढ़ गई है, जिससे लोगों का आवागमन बेहद कठिन और जोखिम भरा हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि विजयपुर बांध सड़क क्षेत्र के कई गांवों को जोड़ने वाला प्रमुख संपर्क मार्ग है,हल्की बारिश मे सड़क दलदल मे तब्दील हो गई है जिसपर पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है । वहीं ठाढ़ी गांव का मुख्य मार्ग वर्षों से मरम्मत नहीं होने के कारण सड़क जगह-जगह टूट चुकी है। ग्रामीणों ने बताया कि विजयपुर का यह सड़क मार्ग त्रिहुत मुख्य नहर से होकर गुजरता है। सड़क के किनारे सुरक्षा व्यवस्था नहीं होने और फिसलन के कारण दुर्घटना की आशंका हमेशा बनी रहती है। बरसात के दिनों में बाइक और साइकिल सवारों के लिए यह रास्ता जानलेवा साबित हो सकता है। स्थानीय लोगों ने जनप्रतिनिधियों और संबंधित विभाग से जल्द सड़क की मरम्मत कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते सड़क की स्थिति नहीं सुधारी गई तो बरसात के पूरे मौसम में हजारों लोगों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। ग्रामीणों ने प्रशासन से भी इस ओर तत्काल ध्यान देने की अपील की है।

वाल्मीकिनगर-त्रिवेणी सीमा पर डिजिटल भंसार सेवा शुरू

बगहा। भारत-नेपाल सीमा से जुड़े लोगों के लिए राहत भरी खबर है। वाल्मीकिनगर-त्रिवेणी सीमा पर डिजिटल भंसार (कस्टम) सेवा शुरू कर दी गई है। नई व्यवस्था लागू होने के बाद भारतीय चारपहिया वाहनों की नेपाल में प्रवेश प्रक्रिया पहले की तुलना में काफी सरल हो गई है। अब वाहन चालकों को भंसार की औपचारिकताएं पूरी करने के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। जानकारी के अनुसार, पहले भारतीय वाहनों को नेपाल में प्रवेश के लिए भंसार प्रक्रिया पूरी करने हेतु लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी, जिससे लोगों का समय और पैसा दोनों खर्च होता था। लंबे समय से सीमावर्ती क्षेत्रों के लोगों द्वारा इस व्यवस्था में सुधार की मांग की जा रही थी। जनप्रतिनिधियों की पहल और स्थानीय लोगों के प्रयास के बाद अब वाल्मीकिनगर-त्रिवेणी भंसार कार्यालय में डिजिटल सेवा शुरू कर दी गई है। नई व्यवस्था के तहत भारतीय चारपहिया वाहनों का प्रवेश पंजीकरण और भंसार की प्रक्रिया अब सीमा पर ही पूरी की जाएगी। साथ ही भारतीय वाहन केवल एंट्री दर्ज कराकर नेपाल सीमा के भीतर लगभग नौ किलोमीटर तक बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के आवागमन कर सकेंगे। स्थानीय लोगों ने इस पहल का स्वागत करते हुए नेपाल सरकार और संबंधित अधिकारियों का आभार जताया है। उनका कहना है कि इससे सीमा पार रहने वाले लोगों, व्यापारियों और पारिवारिक कार्यक्रमों में आने-जाने वालों को बड़ी सुविधा मिलेगी। अब तक कई बार ऐसा होता था कि शादी-विवाह या अन्य जरूरी कार्यों के लिए जाने वाले लोगों को सीमा पर वाहन छोड़कर ई-रिक्शा या अन्य साधनों से आगे जाना पड़ता था।

जिलाधिकारी ने किया संपूर्ण कच्ची कांवरिया पथ का निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। आगामी श्रावणी मेला-2026 की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी निखिल धनराज निप्पाणीकर ने आज संपूर्ण कच्ची कांवरिया पथ का विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अपर समाहर्ता मनोज कुमार सभी अनुमंडल पदाधिकारी, विभिन्न विभागों के जिला एवं अनुमंडल स्तरीय पदाधिकारी तथा संबंधित अभियंता एवं कर्मी उपस्थित थे। सुविधाओं और निर्माण कार्यों की प्रगति का लिया जायजा : जिलाधिकारी ने विभिन्न विभागों द्वारा कराए जा रहे निर्माण एवं आधारभूत सुविधाओं से संबंधित कार्यों का स्थल पर अवलोकन कर प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी कार्य गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराए जाएं। कांवरिया पथ पर श्रद्धालुओं की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पेयजल, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था, बैरिकेडिंग, साफ-सफाई, चिकित्सा सुविधा, विश्राम स्थल, सुरक्षा व्यवस्था, जल निकासी, सड़क मरम्मत एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि श्रावणी मेला राज्य का अत्यंत महत्वपूर्ण धार्मिक आयोजन है। देश के विभिन्न राज्यों से लाखों श्रद्धालु मुंगेर जिले से होकर देवघर के लिए गुजरते हैं। ऐसे में सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ अपने दायित्वों का समयबद्ध निर्वहन सुनिश्चित करें। इस बार बनेंगी 5 टेंट सिटी : पर्यटन विभाग द्वारा बनने वाले टेंट सिटी के संबंध में जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि निर्धारित स्थल पर ही निर्माण कार्य कराया जाए। उन्होंने बताया कि पूर्व में 3 टेंट सिटी बनाई जाती थी, इस बार 5 टेंट सिटी बनाई जा रही हैं, जिसमें कांवरियों के लिए सभी सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने यातायात प्रबंधन की समुचित व्यवस्था और मेला अवधि में विशेष निगरानी रखने, सुरक्षा, स्वच्छता एवं आपदा प्रबंधन की तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए।

बक्सर में शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और आधारभूत सुविधाओं पर विशेष जोर

प्रात : किरण संवाददाता

बक्सर जिला अतिथि गृह में शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें जिले के विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शैक्षणिक वातावरण, आधारभूत सुविधाओं के विकास तथा विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान विद्यालयों में नियमित पठन-पाठन, विद्यार्थियों की उपस्थिति, आधारभूत सुविधाओं की उपलब्धता तथा विभिन्न योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही सभी योजनाओं को समयबद्ध एवं पारदर्शी ढंग से धरातल पर उतारने तथा विद्यार्थियों तक उनका लाभ सुनिश्चित करने पर बल दिया गया। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री श्री मिथिलेश तिवारी ने कहा, राज्य सरकार का लक्ष्य केवल विद्यालयों में बच्चों की उपस्थिति बढ़ाना नहीं, बल्कि उन्हें गुणवत्तापूर्ण और परिणामोन्मुख शिक्षा उपलब्ध कराना है। प्रत्येक विद्यालय में बेहतर शैक्षणिक वातावरण, आवश्यक आधारभूत सुविधाएं और योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। शिक्षा विभाग का प्रत्येक पदाधिकारी इस संकल्प के साथ कार्य करे कि सरकारी विद्यालय आमजन के विश्वास का केंद्र बनें और प्रत्येक विद्यार्थी को सीखने के बेहतर अवसर प्राप्त हों। बैठक में माननीय विधान पार्षद श्री जीवन कुमार जी, जिला पदाधिकारी, उप विकास आयुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी सहित शिक्षा विभाग के सभी संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

सेवा कार्यों की सराहना, उज्जवल भविष्य की कामना की गई

मुंगेर। सदर प्रखंड के सभागार में मंगलवार को राजस्व अधिकारी प्रभात कुमार के स्थानांतरण के उपरांत विदाई सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड प्रमुख नरेश कुमार ने की, जबकि संचालन अंचलाधिकारी सदर मुंगेर अंजलि ने की। कार्य और समर्पण को किया गया याद : समारोह में जिला परिषद सदस्य निवास मंडलऔर पूर्व जिला पार्षद सदस्य कृष्ण मुरारी यादव उपस्थित रहे। इस अवसर पर कृष्ण मुरारी यादव ने कहा कि सेवा काल में स्थानांतरण स्वाभाविक प्रक्रिया है, लेकिन प्रभात सर ने सदर प्रखंड में जो सेवा दी है उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने प्रभात कुमार के स्वस्थ एवं खुशहाल जीवन की मंगल कामना की। प्रखंड प्रमुख नरेश कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी तथा प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी ने भी राजस्व अधिकारी के कार्यकाल के दौरान किए गए कार्यों को सराहनीय बताया। सभी ने उनके आगामी जीवन के लिए शुभकामनाएं एवं उज्जवल भविष्य की कामना की।

फ्लिपकार्ट ने खाद्य और पोषण व्यवसाय में मजबूत वृद्धि दर्ज की

हावड़ा। फ्लिपकार्ट ने अपने खाद्य और पोषण (फूड एंड न्यूट्रिशन) सेगमेंट में सालाना आधार पर 50 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। यह वृद्धि मुख्य रूप से जेन जेड उपभोक्ताओं और टियर 2 व 3 बाजारों के खरीदारों की मजबूत मांग के चलते हुई है, जो भारत के खाद्य खुदरा परिदृश्य में एक संरचनात्मक बदलाव का संकेत देती है। कंपनी ने कहा कि गैर-मेट्रो बाजार अब इस श्रेणी की कुल मांग में 65 प्रतिशत का योगदान करते हैं, जबकि फ्लिपकार्ट मिनट्स की हिस्सेदारी 25 प्रतिशत है, जो क्विक कॉमर्स को तेजी से अपनाए जाने पर प्रकाश डालती है। इस वृद्धि को फ्लिपकार्ट फूड फेस्ट 3.0 में प्रदर्शित किया गया, जिसने 50 से अधिक प्रमुख ब्रांडों, 1,000 से अधिक क्रिएटर्स, सेलिब्रिटी शेफ और मनोरंजनकताओं को एक साथ लाने के साथ ही 10 से अधिक नए उत्पादों को लॉन्च किया। कंपनी के अनुसार, जेन जेड श्रेणी में सालाना आधार पर 60 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जिसमें प्रोटीन ओट्स, हाई-प्रोटिन पीनट बटर, प्रोटीन मूसली और गॉरमे चॉकलेट सबसे तेजी से बढ़ने वाली श्रेणियों में शामिल रहे। शहरी केंद्रों में कोरियन-फ्लेवर वाले स्नैक्स की मांग भी बढ़ रही है। कोल्ड-प्रेस्ड ऑयल, ऑलिव ऑयल, असली घी, प्रीमियम ड्राई फ्रूट्स और खजूर जैसे स्वास्थ्यवर्धक उत्पादों के लिए सर्च में पिछले एक वर्ष में 80 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो कल्याण-उन्मुख खाद्य विकल्पों के प्रति बढ़ती प्राथमिकता को दशार्ता है।

आजादी के बाद पहली बार बनी सड़क

प्रात : किरण संवाददाता

सीवान/दारौंदा। प्रखंड क्षेत्र की बगौरा पंचायत के वार्ड संख्या-15 में आजादी के बाद पहली बार पीसीसी सड़क निर्माण कार्य पूरा होने से ग्रामीणों में खुशी का माहौल है। प्रमुख गुड़िया सिंह, प्रमुख प्रतिनिधि उमेश सिंह एवं बगौरा पूर्वी क्षेत्र के बीडीसी अजय यादव के प्रयास से सरकारी स्कूल से लेकर सामुदायिक भवन तक पीसीसी सड़क का निर्माण कराया गया है। ग्रामीणों ने बताया कि वर्षों से इस सड़क की मांग की जा रही थी। सड़क नहीं होने के कारण बरसात के दिनों में लोगों को आवागमन में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। अब सड़क बनने से स्कूली बच्चों, महिलाओं और आम लोगों को आने-जाने में काफी सुविधा होगी। सड़क निर्माण कार्य पूरा होने पर ग्रामीणों ने प्रमुख गुड़िया सिंह, प्रमुख प्रतिनिधि उमेश सिंह और बीडीसी अजय यादव के प्रति आभार व्यक्त किया। लोगों ने कहा कि जनप्रतिनिधियों के प्रयास से लंबे समय से लंबित यह मांग पूरी हुई है। वहीं, सड़क निर्माण को लेकर बीडीसी अजय यादव की ग्रामीणों ने जमकर सराहना की।

बांकीपुर की जनता रिकॉर्ड मतों से भाजपा को जिताने का काम करेगी : अमृतेष गुप्ता

पटना। भाजपा वाणिज्य प्रकोष्ठ के प्रदेश सह-संयोजक अमृतेष कुमार गुप्ता ने भाजपा प्रत्याशी अभिषेक कुमार सिन्हा बंटी को प्रचंड बहुमत से विजय होने की अग्रिम शुभकामना देते हुए कहा कि बांकीपुर विधानसभा की जनता इस उपचुनाव में भाजपा के पक्ष में ऐतिहासिक जनसमर्थन दर्ज कराएगी और रिकॉर्ड मतों से भाजपा प्रत्याशी को विजयी बनाएगी। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार तथा बिहार में एनडीए सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों, सुशासन और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंचा है। यही कारण है कि जनता का विश्वास भाजपा के प्रति लगातार मजबूत हुआ है। अमृतेष गुप्ता ने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ जनसंपर्क अभियान में जुटा है। बांकीपुर की जनता विकास, स्थिरता और सुशासन के पक्ष में मतदान करेगी तथा भाजपा को रिकॉर्ड मतों से विजयी बनाकर नया इतिहास रचेगी।

हल्की बारिश में जलमग्न हुआ शर्मा टोला का रास्ता

हवेली खड़गपुर(मुंगेर)। नगर परिषद क्षेत्र में हल्की बारिश के बाद ही कई वार्डों की बदहाल व्यवस्था एक बार फिर सामने आ गई। वार्ड संख्या-21 स्थित शर्मा टोला में बजरंगबली मंदिर जाने वाला मुख्य मार्ग बारिश के पानी और नाली के जलजमाव से पूरी तरह भर गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क की स्थिति ऐसी हो जाती है मानो गंगा किनारे मिट्टी का कटाव हो रहा हो। यह मार्ग बजरंगबली मंदिर के अलावा कृष्णा बाजार और छोटी कालीबाड़ी (काली स्थान) जाने के लिए भी महत्वपूर्ण है। लेकिन हल्की बारिश के बाद सड़क पर नाली का पानी जमा होने से लोगों को आने-जाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।स्थानीय निवासी रणधीर कुमार शर्मा ने बताया कि जब वे पूजा करने के लिए घर से निकलते हैं तो उन्हें नाली के गंदे पानी से होकर मंदिर जाना पड़ता है।

नदी किनारे सरकारी भूमि पर अतिक्रमण का आरोप समाजसेवी मनोज कुमार रघु ने एसडीओ को सौंपा आवेदन

प्रात : किरण संवाददाता

हवेली खड़गपुर (मुंगेर)। हवेली खड़गपुर नगर परिषद क्षेत्र स्थित मणी नदी के किनारे सरकारी भूमि पर कथित अतिक्रमण को लेकर समाजसेवी मनोज कुमार रघु ने अनुमंडल पदाधिकारी को आवेदन देकर शीघ्र कार्रवाई की मांग की है। आवेदन में कहा गया है कि नदी किनारे की सरकारी जमीन पर कुछ लोगों द्वारा अवैध रूप से कब्जा कर मकान का निर्माण किया जा रहा है, जो सरकारी भूमि पर अतिक्रमण की श्रेणी में आता है। समाजसेवी मनोज कुमार रघु ने अपने आवेदन में उल्लेख किया है कि मणी नदी के किनारे की भूमि सरकारी संपत्ति है। इसके बावजूद कुछ लोगों द्वारा नियमों की अनदेखी करते हुए उस पर आवासीय निर्माण कराया जा रहा है। उन्होंने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई करने की मांग की है। आवेदन में यह भी कहा गया है कि पूर्व में भी कई लोगों ने मणी नदी के किनारे सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कर मकान बना लिए हैं। ऐसे मामलों में कार्रवाई आवश्यक है, ताकि सरकारी भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया जा सके और भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर रोक लगाई जा सके।

शिविर में 548 गर्भवती की हुई एएनसी जांच

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। सदर प्रखंड अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं विभिन्न हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों में गुरुवार को प्रधानमंत्री मातृत्व सुरक्षा योजना के तहत गर्भवती महिलाओं के लिए निःशुल्क एएनसी जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में गर्भवती महिलाओं की भारी भीड़ उमड़ी। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सदर मुंगेर के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. सुशील कुमार झा ने बताया कि विभागीय निदेशार्नुसार हर माह की 9 तारीख को गर्भवती महिलाओं की जांच के लिए निःशुल्क शिविर लगाया जाता है। इस शिविर में कुल 548 गर्भवती महिलाओं* का जांच किया गया। जांच में हीमोग्लोबिन, एचआईवी, ब्लड शुगर, हेपेटाइटिस-बी सहित कई अन्य जरूरी टेस्ट किए गए। डॉ. झा ने कहा कि इन जांचों का उद्देश्य जच्चा और बच्चा दोनों को सुरक्षित रखना है। समय पर जांच और उचित सलाह से गर्भावस्था से जुड़ी जटिलताओं को रोका जा सकता है। जांच शिविर का निगरानी हेल्थ मैनेजर उमेश कुमार स्वयं कर रहे थे। इस स्वास्थ्य जांच शिविर में विभिन्न हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर के सीएचओ, जीएएम एवं एएनएम लगे हुए थे।

सुलतानगंज हत्याकांड का खुलासा तीन मुख्य आरोपी गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

भागलपुर पुलिस ने सुलतानगंज थाना क्षेत्र में हुए महिला हत्याकांड का खुलासा करते हुए तीन मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल टोटो रिक्शा समेत कई अहम सामान भी बरामद किए हैं भागलपुर के सिटी एसपी अतुलेश झा ने प्रेस वार्ता कर बताया कि 22 जून 2026 को सुलतानगंज थाना क्षेत्र के मीरहट्टी के समीप एक अज्ञात महिला का शव बरामद हुआ था। जांच के दौरान शव की पहचान मधुसूदनपुर थाना क्षेत्र निवासी बंटी तांती की पत्नी तेतरी देवी के रूप में हुई। इसके बाद सुलतानगंज थाना में मामला दर्ज कर विशेष टीम का गठन किया गया सिटी एसपी ने बताया कि वैज्ञानिक अनुसंधान, सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्य और मानव सूचना के आधार पर पुलिस ने पूरे मामले का खुलासा करते हुए तीन मुख्य आरोपी अजय कुमार उर्फ अजय मोदी, अर्जुन यादव और मंतोष कुमार बिंद को गिरफ्तार किया है पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के पास से पांच मोबाइल फोन बरामद किए हैं वहीं मुख्य आरोपी अजय कुमार की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल टोटो रिक्शा और शव को ठिकाने लगाने में इस्तेमाल प्लास्टिक की बोरी भी बरामद कर ली गई है फिलहाल पुलिस तीनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है और मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

सिताारा हाउसिंग फायनेंस लिमिटेड
(पूर्व में सेवा गृह ऋण लिमिटेड से ज्ञात)
पंजीकृत कार्यालय: प्रथम मंजिल, 216/सी-12, पुराना नं. सी-12, प्लॉट नं. 13 बी, गुरुनानक पुरा, लक्ष्मी नगर, दिल्ली-110092, दिल्ली

मांग सूचना

सिक्यूरिटाईजेशन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फाईनेन्सियल असेट्स एंड इंफोर्समेंट ऑफ सिक्यूरिटी इंट्रेस्ट एक्ट 2002 के साथ सपठित सिक्यूरिटी इंट्रेस्ट (इंफोर्समेंट) नियम 2002 का नियम 3(1) के साथ धारा 13(2) के अंतर्गत सूचना

सिक्यूरिटाईजेशन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फाईनेन्सियल असेट्स एंड इंफोर्समेंट ऑफ सिक्यूरिटी इंट्रेस्ट एक्ट 2002 (उपरोक्त कानून) के अंतर्गत अधोहस्ताक्षरकर्ता **सिताारा हाउसिंग फायनेंस लिमिटेड** के प्राधिकृत अधिकारी है। उपरोक्त कानून की धारा 13(12) के साथ सपठित सिक्यूरिटी इंट्रेस्ट (इंफोर्समेंट) एक्ट, 2002 के नियम 3 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए प्राधिकृत अधिकारी ने धारा 13(2) के अंतर्गत नीचे वर्णित निम्न ऋणकर्ता (ओं) (उपरोक्त ऋणकर्ता (ओं)) को संबंधित मांग सूचना (ओं) में वर्णित राशि का पूर्नभुगतान करने के लिए बुलाये जाने के लिए जारी की गई थी। उपरोक्त संबंध में एक बार पुन: उपरोक्त ऋणकर्ता (ओं) को पुन: सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन से 60 दिवस के अंदर नीचे वर्णित राशि के साथ नीचे वर्णित दिनांक से भुगतान की दिनांक एवं / या पुर्नप्राप्ति तक लागू मय ब्याज के उपरोक्त ऋणकर्ता (ओं) से किए गए ऋण अनुबंध के साथ अन्य दस्तावेजो / लिखित में यदि कोई हो, के अंतर्गत देय राशि का भुगतान करें। जैसा कि ऋण के पुर्नभुगतान की जमानत के लिए निम्न संपत्ति को उपरोक्त संबंधित ऋणकर्ता (ओं) द्वारा **सिताारा हाउसिंग फायनेंस लिमिटेड** को गिरवी रखा गया है।

क्रं.	उधारकर्ताओं एवं सह-उधारकर्ता / जमानतदार के नाम	मांग पत्र की दिनांक एवं मांग राशि
1	लोन नं. H5CP000005022482 1 श्रीमती वर्षा मिश्रा पति श्री मनमोहन मिश्रा (ऋणी) 2. श्री मनमोहन मिश्रा पिता श्री ऊँकार नाथ मिश्रा (सह-ऋणी)	04.07.2026 ₹ 26,88,064.14 दिनांक 03.07.2026 को

सुरक्षित संपत्ति (अचल संपत्ति) का विवरण : खाता नं. 229, खसरा नं. 1031, मौजा सोना गोपालपुर, थाना नं. 124, आंचल फतेह फूलवारी शरीफ, जिला पटना, बिहार - 800006, **बंधक की गई संपत्ति का क्षेत्रफल 1020 वर्गफीट है।**
चतुर्:सीमा: पूर्वः 4 फीट चौड़ा आम रास्ता, पश्चिमः स्वार्थ सिंह, उत्तरः मौजूदा खरीदार (अन्य संख्या), दक्षिणः मथुरा सिंह

यदि उपरोक्त ऋणकर्ता उपरोक्त राशि का **सिताारा हाउसिंग फायनेंस लिमिटेड** को भुगतान करने में असफल रहते है तो **सिताारा हाउसिंग फायनेंस लिमिटेड** उपरोक्त संपत्ति के विरुद्ध कानून की धारा 13(4) एवं लागू नियम के अंतर्गत ऋणकर्ता के पूर्ण जोखिम मूल्य एवं परिणाम पर कार्यवाही करेगी। उपरोक्त ऋणकर्ताओं को कानून के अंतर्गत संपत्ति का विक्रय, किराया या अन्य प्रकार से बिना **सिताारा हाउसिंग फायनेंस लिमिटेड** के लिखित अनुमति के बिना हस्तांतरित करने पर प्रतिबंधित किया जाता है कोई व्यक्ति जो कि उपरोक्त कानून या नियम में दिए गए प्रावधानों का उल्लंघन या उल्लंघन करने को बढावा देता है उसे उपरोक्त कानून के अंतर्गत प्रदत जुर्माना या / एवं कारावास के लिए दंड दिये जाने के योग्य होगा।

स्थान : पटना (बिहार)
दिनांक : 10.07.2026

प्राधिकृत अधिकारी
सिताारा हाउसिंग फायनेंस लिमिटेड
(पूर्व में सेवा गृह ऋण लिमिटेड से ज्ञात)

बिहार सरकार

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, संरचना प्रमंडल, दरभंगा
अति–अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं0–06/2026–27.

1. विज्ञापनदाता का नाम :–कार्यपालक अभियंता, भवन संरचना प्रमंडल, दरभंगा।
2. परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि समय :–दिनांक 16.07.2026 के अपराह्न 1.00 बजे तक ।
3. निविदा प्राप्ति की तिथि समय :–दिनांक 17.07.2026 के अपराह्न 3.00 बजे तक।
4. निविदा खोलने की तिथि समय :–दिनांक 17.07.2026 के अपराह्न 3.30 बजे
5 परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :–अधीक्षण अभियंता, भवन अंचल, दरभंगा, कार्यपालक अभियंता, भवन संरचना प्रमंडल, दरभंगा एवं सहायक अभियंता, भवन अवर प्रमंडल,. सं0–01, दरभंगा।
6. निविदा प्राप्ति का स्थान :–क्रमांक –5 के अनुसार।
7. कार्य का विवरण :–

क्र0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि (रू0 में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (O-Gras के माध्यम से)	कार्य समाप्ति की अवधि
05	Repair Work of Existing Room in ADJ-01 Office for Development of Palna Ghar (Creche), At- Civil Court, Darbhanga for the year of 2026-27	2,80,000	5600.00	750.00	14 दिन।

नोटः– Also see at the site (state.bihar.gov.in/prdbihar)

कार्यपालक अभियंता
भवन निर्माण विभाग,
संरचना प्रमंडल, दरभंगा

PR. No. 007378 (BCD) 2026-27

नशामुक्त हो जाए बिहार, सुरक्षित रहे घर परिवार।

बिहार सरकार

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पटना भवन प्रमंडल, भवन निर्माण विभाग
लोदीपुर, बुद्धमार्ग, पटना–800001
(ee.patna.bcd@gmail.com)
अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं0–03/प.भ.प्र./2026.27
(स्वतंत्र दिवस समारोह 2026)

1. विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता — कार्यपालक अभियंता, पटना भवन प्रमण्डल, पटना।
2. निविदा आमंत्रण की तिथि — दिनांक 07.07.2026
3. परिमाण–विपत्र की बिक्री की अंतिम तिथि एवं समय — दिनांक 03.08.2025 के 3:00 बजे अपराह्न तक।
4. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय — दिनांक 05.08.2025 के 3:00 बजे अपराह्न तक।
5. निविदा खोलने का तिथि एवं समय — दिनांक 05.08.2025 के 3:00 बजे अपराह्न तक।
6. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान — (1) अधीक्षण अभियंता का कार्यालय, दक्षिण बिहार अंचल, पटना। (2) कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, पटना भवन प्रमंडल, पटना। (3) सहायक अभियंता का कार्यालय, बांकीपुर/राजेन्द्रनगर भवन अवर प्रमंडल, पटना।
7. निविदा प्राप्ति का स्थान — कमांक 5 के अनुसार ।
8. कार्य का विवरणी :–

क्र0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (लाख में)	अग्रधन की राशि (रू0 में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू0 में)	कार्य समाप्ति की अवधि
1	Repair and painting work of Budh Murti golamber on the eve of Independence Day (15.08.2026) Patna for the year 2026-27	0.23	500.00	250.00	Up to 13.08.2026
2	E/R to Pedestal of mahatma gandhi at Gandhi Maidan and painting of post of 40 feet height Mahatma Gandhi statue campus, Patna on the eve of Independence Day (15.08.2026) Patna for the year 2026-27	0.30	600.00	250.00	Up to 13.08.2026
3	E/R to Late Jai Prakash Narayan and Triangular at J.P. Golambar, Patna on the eve of Independence Day (15.08.2026) Patna for the year 2026-27	0.30	600.00	250.00	Up to 13.08.2026
4	E/R to Stage and Tree in the Campus of Gandhi Maidan, Patna on the eve of Independence Day (15.08.2026) Patna for the year 2026-27	0.25	500.00	250.00	Up to 13.08.2026
5	E/R to Pedestal of Pandit Ramanand Tiwari, Golambar, at Ashok Raj Path, Patna on the eve of Independence Day (15.08.2026) Patna for the year 2026-27	0.20	400.00	250.00	Up to 13.08.2026
6	S/F/F Flag Post in the Residence at Hon. Minister, State Minister, M.L.A. and M.L.C., Patna on the eve of Independence Day (15.08.2026) Patna for the year 2026-27	0.20	400.00	250.00	Up to 13.08.2026
7	E/R To Compound Wall around Flag Post in Campus of Patna Commissionery, Patna on the eve of Independence Day (15.08.2026) Patna for the year 2026-27	0.30	600.00	250.00	Up to 13.08.2026
8	E/R to Sir Ram Gulam Round about, Patna on the eve of Independence Day (15.08.2026) Patna for the year 2026-27	0.20	400.00	250.00	Up to 13.08.2026
9	E/R to Pedestal of Late Sri Krishna Singh in the campus of S.K. Memorial Hall on the eve of Independence Day (15.08.2026) Patna for the year 2026-27	0.20	400.00	250.00	Up to 13.08.2026
10	E/R to flag post, Pedestal & compound wall at Gandhi Sanghralaya Patna on the eve of Independence Day (15.08.2026) Patna for the year 2026-27	0.20	400.00	250.00	Up to 13.08.2026
11	E/R to Civil Court campus & Patna Collectoriate campus on the eve of Independence Day (15.08.2026) Patna for the year 2026-27	0.80	1600.00	500.00	Up to 13.08.2026
12	E/R to Netaji Park at South East Gandhi maidan, Patna on the eve of Independence Day (15.08.2026) Patna for the year 2026-27	0.30	600.00	250.00	Up to 13.08.2026
13	E/R to Pedestal of B.P. Koirala in the Campus of Golghar at Ashok Raj Path, Patna on the eve of Independence Day (15.08.2026) Patna for the year 2026-27	0.20	400.00	250.00	Up to 13.08.2026
14	E/R to flag post in the residence DM patna on the eve of Independence Day (15.08.2026) Patna for the year 2026-27	0.20	400.00	250.00	Up to 13.08.2026
15	Painting work of Samadhi Asthal of Late Dr. Rajendra Prasad on the eve of Independence Day (15.08.2026) Patna for the year 2026-27	0.29	600.00	250.00	Up to 13.08.2026
16	Repairing & painting work of Premchandra Golamber & Dinkar Golamber on the eve of Independence Day (15.08.2026) Patna for the year 2026-27	0.18	400.00	250.00	Up to 13.08.2026
17	Repairing & painting work of Ram Manohar Lohiya park on the eve of Independence Day (15.08.2026) Patna for the year 2026-27	0.21	500.00	250.00	Up to 13.08.2026
18	E/R to flag post of D.J residence at south Gandhi maidan patna on the eve of Independence Day (15.08.2026) Patna for the year 2026-27	0.22	500.00	250.00	Up to 13.08.2026
19	E/R to flag post of at Hindi bhawan on the eve of Independence Day (15.08.2026) Patna for the year 2026-27	0.25	500.00	250.00	Up to 13.08.2026
20	S/R to painting work of education section on the eve of Independence Day (15.08.2026) Patna for the year 2026-27	0.16	400.00	250.00	Up to 13.08.2026
21	E/R to painting work on the eve of Independence Day (15.08.2026) in the campus of registry office, Patna for the year 2026-27	0.25	500.00	250.00	Up to 13.08.2026
22	E/R to flag post painting on the eve of Independence Day(15.08.2026) in Sale Tax Office at Anta Ghat, Patna for the year 2026-27	0.40	800.00	250.00	Up to 13.08.2026
23	E/R to boundary wall of Bihar State Legal Service Authority Building on the eve of Independence Day (15.08.2026) Patna for the year 2026-27	0.27	600.00	250.00	Up to 13.08.2026
24	E/R to painting work on the eve of Independence Day (15.08.2026) in the campus of DRCC office, Patna for the year 2026-27	0.20	400.00	250.00	Up to 13.08.2026
25	E/R to painting work on the eve of Independence Day (15.08.2026) in the campus of Civil S.D.O residence, Patna for the year 2026-27	0.20	400.00	250.00	Up to 13.08.2026
26	E/R and painting work of Rajendranagar Golamber(Ramavtar Shastri on the eve of Independence Day (15.08.2026), Patna for the year 2026-27	0.17	400.00	250.00	Up to 13.08.2026
27	E/R and painting work on the eve of Independence Day (15.08.2026) in the campus of B/96 at Sinha Library Road, Patna for the year 2026-27	0.20	400.00	250.00	Up to 13.08.2026
28	E/R and painting work on the eve of Independence Day (15.08.2026) in the campus of Animal Hospital, Patna for the year 2026-27	0.20	400.00	250.00	Up to 13.08.2026
29	E/R Boundry wall of Rajendranagar Sub-Division, Patna on the eve of Independence Day (15.08.2026), Patna for the year 2026-27	0.32	700.00	250.00	Up to 13.08.2026

कार्यपालक अभियंता
पटना भवन प्रमंडल, पटना

विस्तृत जानकारी **state.bihar.gov.in/prdbihar** से प्राप्त की जा सकती है।
PR. No.007364 (BCD) 2026-27

नशे से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार।

सक्षिप्त समाचार

बेंगलुरु में दर्दनाक हादसा: 6वें जन्मदिन से पहले स्कूल वैन ने बच्ची को कुचला

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु के बाहरी इलाके दासनापुरा में बुधवार को एक बेहद दुखद हादसा सामने आया, जहां स्कूल के बाहर खड़ी एक 5 वर्षीय मासूम तनिषा की स्कूल वैन से कुचलकर मौत हो गई। सबसे भावुक बात यह है कि मासूम तनिषा का अगले शुक्रवार को ही छठा जन्मदिन था, लेकिन इससे पहले उसकी मौत पूरा परिवार सदमे में है। दरअसल, तनिषा अपनी मां के साथ 7 वर्षीय बड़ी बहन कनिका को स्कूल से लेने गई थी। इसी दौरान तनिषा अचानक चलती स्कूल वैन के सामने आ गई। जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई। मृतक तनिषा किशोर और मधु की बेटी थी। घटना की जानकारी मिलते ही चिक्काबनवारा ट्रैफिक पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने बच्ची के शव को पोस्टमार्टम के लिए नेलमंगला सरकारी अस्पताल भेज दिया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि हादसा किन परिस्थितियों में हुआ और इसमें किसी की लापरवाही थी या नहीं।

इंटरव्यू के बाद युवक ने 21वीं मंजिल से कूदकर जान दे दी

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा में एक युवक ने बुधवार की शाम पैरामाउंट गोल्फ फॉरेस्ट सोसाइटी के स्टूडियो अपार्टमेंट की 21वीं मंजिल के कूदकर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने इंटरव्यू में असफल होने पर जान देने की आशंका जाहिर की है। पुलिस युवक के परिजनों से संपर्क करने के प्रयास में जुटी है। सूरजपुर कोतवाली प्रभारी ने बताया कि मूलरूप से देवरिया निवासी 23 साल का वेदांत शाही ने बुधवार की शाम सोसाइटी की हाईराइज बिल्डिंग में एक स्टूडियो अपार्टमेंट किराये पर लिया था। वह करीब 3:39 बजे स्टूडियो अपार्टमेंट में पहुंचा और करीब 3:50 बजे नीचे कूद गया। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के मुताबिक आधार कार्ड से युवक की पहचान हुई। युवक का मोबाइल भी बरामद हुआ है, लेकिन उसका पैटर्न लॉक लगा हुआ है। पुलिस का कहना है कि युवक के मोबाइल का

पैटर्न लॉक लगा होने की वजह से परिजनों या किसी परिचित का नंबर नहीं मिल पा रहा है। पुलिस परिजनों से संपर्क करने के प्रयास में जुटी है। परिजनों से संपर्क होने पर घटना के बारे में जानकारी दी जाएगी। परिजनों के ग्रेटर नोएडा पहुंचने पर घटना के बारे में पता चल सकेगा। पुलिस की शुरुआती जांच में पता चला है कि युवक यहां किसी कंपनी में इंटरव्यू देने के लिए आया था। आशंका है कि इंटरव्यू में असफल होने पर युवक ने यह कदम उठाया। हालांकि, अभी आत्महत्या का कारण स्पष्ट नहीं हुआ है। पुलिस का कहना है कि पूरे मामले की गहनता से छानबीन की जा रही है। परिजनों के आने पर घटना के बारे में पता चल सकेगा। मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। नहर में छलांग लगाने वाले युवक का शव तीन दिन बाद घटनास्थल से करीब पचास किलोमीटर दूर मिला। पुलिस और एसडीआरएफ की टीम उसे तलाशने करने में जुटी थीं। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक सिकंदराबाद के गांव प्राणगढ़ निवासी 33 साल का विजय सोमवार को बाइक पर सवार होकर अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ अपनी ससुराल जेवर के कानपुर गांव आया था। पत्नी और बच्चों को ससुराल में छोड़कर वह अपने गांव जाने के लिए निकला था। वह रास्ते में चचूरा गांव के पास बाइक को सड़क किनारे खड़ी करके नहर में कूद गया। प्रत्यक्षदर्शी ग्रामीणों ने पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना पाकर मौके पर युवक के परिजन और ससुराल वाले भी पहुंच गए।

जबलपुर रेल मंडल में चिकित्सा क्षतिपूर्ति के नाम पर फर्जीवाड़ा, 10 कर्मचारी निलंबित

जबलपुर, एजेंसी। चिकित्सा क्षतिपूर्ति फर्जीवाड़े में जबलपुर रेल मंडल के सात और कर्मचारी निलंबित किए गए हैं। इस मामले में अब तक कुल 10 कर्मचारियों पर कार्रवाई की जा चुकी है। विभाग ने रिकवरी की कार्रवाई भी शुरू कर दी है। दावा राशि से अधिक भुगतान का यह खेल आपसी साठगांठ से चल रहा भत्ता था। हाल ही में जिन सात कर्मियों को निलंबित किया गया है, वह सभी टेक्नीशियन हैं और वर्तमान में भोपाल रेल मंडल के अंतर्गत पदस्थ हैं। चिकित्सा क्षतिपूर्ति में धांधली का पर्दाफाश न्यू कटनी जंक्शन में पदस्थ कर्मचारी की शिकायत से हुआ। उसके वेतन खाते में अचानक लगभग पांच लाख रुपये आ गए थे। वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी वरुण कुमार चतुर्वेदी ने न्यू कटनी जंक्शन के इलेक्ट्रानिक लोको शेड में पदस्थ कुछ अन्य कर्मियों के वेतन-भत्ता रिकार्ड खंगाला तो पता चला कि ऐसे अनियमित भुगतान कुछ अन्य कर्मियों को किए गए हैं। विनोद कुमार तिवारी, सुरेखा कौरव, अमित कच्ची, बृजेश कुमार पासी। इन पर पहले हो चुकी है कार्रवाईलेखा विभाग के वरिष्ठ लेखा सहायक रामेश्वर अग्रवाल, कार्मिक विभाग के कार्यालय अधीक्षक मयंक श्रीवास्तव व अतुल कुमार जोहरे।

लखनऊ के सिविल अस्पताल में मिलेंगी सुपर स्पेशियलिटी सेवाएं, 15 जुलाई से शुरू होगी विशेषज्ञ ओपीडी

लखनऊ, एजेंसी। श्यामा प्रसाद मुखर्जी (सिविल) अस्पताल में मरीजों को अब सुपर स्पेशियलिटी चिकित्सा सेवाएं भी उपलब्ध होंगी। प्रदेश सरकार की पहल पर डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के सहयोग से अस्पताल में सप्ताह में तीन दिन न्यूरोलाजी, कार्डियोलाजी और नेफ्रोलाजी विभागों की विशेषज्ञ ओपीडी संचालित की जाएगी।

इससे राजधानी ही नहीं, आसपास के जिलों से आने वाले हजारों मरीजों को केजीएमयू, पीजीआइ या लोहिया जैसे बड़े चिकित्सा संस्थानों के चक्कर लगाने से राहत मिलेगी। सिविल अस्पताल में सुपर स्पेशियलिटी ओपीडी शुरू होने के बाद न्यूरो, हृदय और किडनी से संबंधित गंभीर बीमारियों के मरीजों को विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श, जांच और उपचार की सुविधा एक ही स्थान पर मिल सकेगी। अभी तक इन बीमारियों के इलाज के लिए मरीजों को लोहिया संस्थान, केजीएमयू या एसजीपीजीआइ रेफर किया जाता है, लेकिन इन संस्थानों में पहले से बहुत भीड़ है। नई व्यवस्था से इस दबाव को कम करने में भी मदद मिलेगी। सिविल अस्पताल में सफल होने पर सरकार से अन्य अस्पतालों में भी शुरू कर सकती है।

15 जुलाई से शुरू होगी नई व्यवस्था: स्वास्थ्य

महानिदेशक डॉ. पवन कुमार के मुताबिक, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक की सलाह पर हमने लोहिया संस्थान प्रशासन को प्रस्ताव भेजा, जिस पर सहमति मिल गई है। नई व्यवस्था की शुरुआत 15 जुलाई से होगी, जिसके तहत लोहिया के कार्डियोलाजी, न्यूरोलाजी और नेफ्रोलाजी के डॉक्टर सप्ताह में एक-एक दिन ओपीडी करेंगे। इसके लिए लोहिया संस्थान से सिविल अस्पताल तक डॉक्टरों को लाने और छोड़ने की जिम्मेदारी हमारी होगी। चिकित्सकीय परामर्श के साथ आवश्यक जांचों की भी सुविधा बढ़ाई जाएगी। जिन मरीजों को उपचार, विशेष जांच या भर्ती की आवश्यकता होगी, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर लोहिया रेफर किया जाएगा, ताकि उनका इलाज बिना अनावश्यक देरी के शुरू हो सके। निश्चित तौर पर इस पहल से जरूरतमंद मरीजों को सीधे लाभ मिलेगा, जो हायर सेंटर में घंटों धक्के खाते हैं।

सुपर स्पेशियलिटी सेवाएं शुरू करने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं और समन्वय का कार्य पूरा किया जा रहा है।

बढ़ेगी रार या सुलझेगा विवाद?

पंजाब कांग्रेस के नेताओं के साथ भूपेश बघेल की बड़ी बैठक, चन्नी के फैसले पर सबकी निगाहें

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब कांग्रेस में संगठनात्मक नियुक्तियों को लेकर जारी असंतोष के बीच अब सबकी नजर पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के अगले कदम पर टिकी है। पार्टी के भीतर चल रही खींचतान को खत्म करने के लिए पंजाब कांग्रेस प्रभारी भूपेश बघेल लगातार चौथे दिन भी चंडीगढ़ में डटे हुए हैं।

शुक्रवार को एक ओर चन्नी अपने समर्थक विधायकों और नेताओं के साथ बैठक कर आगे की रणनीति तय करेंगे, वहीं दूसरी ओर बघेल यूथ कांग्रेस पदाधिकारियों और अन्य नेताओं के साथ चुनावी तैयारियों तथा संगठनात्मक समन्वय को लेकर बैठक करेंगे।

सूत्रों के अनुसार चन्नी खेमे की बैठक में इस बात पर मंथन

होगा कि आगे पार्टी नेतृत्व से बातचीत किस स्तर पर की जाए। चर्चा इस बात पर भी होगी कि चन्नी सीधे राहुल गांधी से मुलाकात का समय मांगेंगे या फिर चंडीगढ़ में ही भूपेश बघेल के साथ बातचीत कर गतिरोध समाप्त करने का प्रयास करेंगे। चन्नी समर्थक लगातार चुनाव समिति के गठन और संगठन में हुई नियुक्तियों को लेकर अपनी नाराजगी जता रहे हैं। इन बैठकों का मुख्य उद्देश्य विधानसभा चुनाव से पहले संगठन को एकजुट करना और आपसी मतभेदों को समाप्त करना बताया जा रहा है। साथ होने वाली बैठक में युवा कार्यकर्ताओं की भूमिका, चुनावी रणनीति और बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय करने पर भी चर्चा होने की संभावना है। सूत्रों के मुताबिक भूपेश बघेल शुक्रवार को दिल्ली रवाना हो सकते हैं।

सूची में नहीं होगा फेरबदल

इस बीच कांग्रेस हाईकमान की ओर से चुनाव समिति की सूची में किसी भी प्रकार के फेरबदल की संभावना से साफ इनकार कर दिया गया है। भूपेश बघेल भी लगातार दोहरा चुके हैं कि सूची में कोई बदलाव नहीं होगा और अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ही पंजाब कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष बने रहेंगे। गुरुवार सुबह भूपेश बघेल ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता तृप्ति राजिंदर सिंह बाजवा से भी मुलाकात की। इससे पहले तीन दिनों में वह पार्टी के कार्यकारी अध्यक्षों, जिला अध्यक्षों, एआईसीसी सचिवों, हल्का प्रभारियों, प्रवक्ताओं और विभिन्न नेताओं के साथ लगातार बैठकें कर चुके हैं।

अजमेर के किशनगढ़ में बारिश से घर गिरा, तीन लोग मलबे में दबे

अजमेर, एजेंसी। राजस्थान के अजमेर जिले में किशनगढ़ की आजाद नगर हरिजन बस्ती में देर रात भारी बारिश के कारण एक मकान ढह गया। घटना में एक परिवार के तीन सदस्य मलबे में दब गए, जिन्हें स्थानीय लोगों की मदद से सुरक्षित बाहर निकाला गया। मदनगंज पुलिस स्टेशन के एएसआई सत्येंद्र सिंह ने बताया कि रात करीब 2 बजे हमें सूचना मिली कि हरिजन बस्ती में एक घर गिर गया है। यह घर पहाड़ी इलाके में बना हुआ था। टीम मौके पर पहुंची तो मलबे के नीचे तीन लोग दबे हुए थे। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें बाहर निकाला गया और सरकारी वाहन से अस्पताल पहुंचाया गया। पीड़ित परिवार में राहुल, सपना (राहुल की पत्नी), उनका बेटा शामिल हैं। तीनों का फिलहाल अस्पताल में इलाज चल रहा है। चिकित्सकों के अनुसार उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। पुलिस ने आगे बताया कि घटना की जांच की जा रही है और आगे की कार्रवाई उचित समझे जाने पर की जाएगी। प्रशासन ने मकान ढहने की घटना को बारिश से जुड़ी प्राकृतिक घटना बताया है। पिछले कुछ दिनों से बारिश हो रही है, जिससे निचले इलाकों और पुराने मकानों में पानी भरने तथा दीवारें गिरने की घटनाएं सामने आ रही हैं।

मशहद पहुंचा अली खामेनेई का शव, इमाम रज़ा दरगाह में होगा अंतिम संस्कार, जनाज़े में उमड़ा जनसैलाब

तेहरान, एजेंसी। ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अली खामेनेई का शव बुधवार को ईरान के उत्तर-पूर्वी शहर मशहद पहुंचा। इससे पहले इराक के पवित्र शहरों नजफ़ और कर्बला में अंतिम संस्कार की रस्में पूरी की गईं और अब उन्हें इमाम रज़ा दरगाह में दफ़नाया जाएगा। मशहद में शव का पहुंचना खामेनेई के अंतिम संस्कार जुलूस का आखिरी चरण है। इससे पहले ईरान और इराक में कई दिनों तक रस्में हुईं, जिनमें बड़े राजनीतिक और धार्मिक नेता शामिल हुए। इस हफ़्ते की शुरुआत में, खामेनेई के शव को हवाई जहाज़ से इराक ले जाया गया था, जहां इराकी अधिकारियों ने शिया इस्लाम के दो

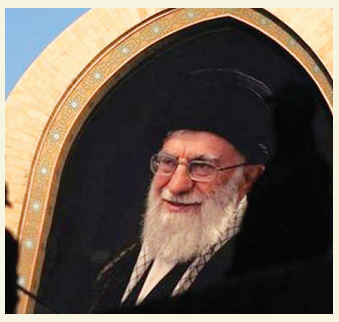

सबसे पवित्र शहरों, नजफ़ और कर्बला में रस्में पूरी कीं। इराक के प्रधानमंत्री अली फलीह अल-ज़ैदी और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियान नजफ़ में हुए कार्यक्रमों में शामिल हुए। इराक में जुलूस के बाद, शव को ईरान ले जाया गया ताकि उन्हें मशहद में दफ़नाया जा सके, जो खामेनेई का गृहनगर है और जहां इमाम रज़ा की दरगाह है। अमेरिकी सेना ने बुधवार सुबह ईरान पर हमला किया, जब उसने कहा कि तेहरान ने होर्मुज स्ट्रेट में तीन जहाज़ों पर हमला किया। इसके बाद ईरान ने कुवैत और बहरीन पर जवाबी हमले किए। दूसरी तरफ, खामेनेई का शव मंगलवार को नजफ़ पहुंचा, जिसे दुनिया भर के लाखों शिया मुसलमानों के लिए सबसे पवित्र शहरों में से एक माना जाता है। खामेनेई की तस्वीरें लिए शोक मनाने वालों ने शव का स्वागत किया और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन और विदेश मंत्री अब्बास अराघची समेत सीनियर अधिकारियों ने शव को साथ ले गए। शव को इस्लामिक रिपब्लिक के झंडे में लिपटे और कांच के कवर वाले ताबूत में रखा गया था। कुछ सपोर्टर्स ने सड़कों पर खुद को कोड़े मारे, जबकि दूसरों ने ईरानी झंडे लहराए, जो दुख और बदले की निशानी थे। नजफ़ मदरसे के सीनियर स्कॉलर मुहम्मद तकी अल-हकीम ने पैगंबर मुहम्मद के चचेरे भाई और दामाद इमाम अली की दरगाह पर जनाज़े की नमाज़ पढ़ाई।

पाकिस्तान में ईशनिंदा के आरोपों के बाद तनाव बढ़ा, 2 दर्जन से अधिक ईसाई परिवारों को छोड़ना पड़ा घर

इस्लामाबाद, एजेंसी। पिछले हफ़्ते पाकिस्तान में दो दर्जन से ज़्यादा ईसाई परिवारों को अपना घर छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा। सूत्रों के अनुसार, यह सब तब हुआ जब अमेरिका में रहने वाले एक पादरी पर ईशनिंदा (धर्म का अपमान) का आरोप लगा और भीड़ द्वारा हिंसा का डर पैदा हो गया।

पंजाब प्रांत के गुजरांवाला डिवीजन के हाफ़िज़ाबाद में मानवाधिकार कार्यकर्ता जोसेफ नय्यर ने बताया कि 3 जुलाई को डिवीजन के झुलान गांव में तनाव बढ़ गया। यह तनाव तब शुरू हुआ जब मस्जिद के लाउडस्पीकर से घोषणा की गई कि पादरी सजील रॉबिन ने सोशल मीडिया पर ऐसे वीडियो पोस्ट किए हैं जो इस्लाम और पैगंबर मुहम्मद का अपमान करते हैं। पादरी मूल रूप से इसी गांव के रहने वाले हैं और अब अमेरिका में रहते हैं। नय्यर ने कहा, पादरी सजील रॉबिन, जो कुछ साल पहले अमेरिका में बस गए थे, अक्सर मुसलमानों के साथ धार्मिक बहस और इस्लाम पर चर्चा वाले वीडियो पोस्ट करते रहते हैं। उनके चाचा शमौन मसीह और छोटे भाई नबील रॉबिन, जो अभी भी गांव में रहते हैं, ने कथित तौर पर उनमें से कुछ वीडियो व्हाट्सएप ग्रुप में शेयर किए थे। जब स्थानीय मौलवियों को इस कंटेंट के बारे में पता चला, तो उन्होंने मस्जिद के लाउडस्पीकर से घोषणाएं करना शुरू कर दिया और लोगों से उस कंटेंट के ख़िलाफ कार्रवाई करने को कहा जिसे उन्होंने ईशनिंदा वाला कंटेंट बताया। झुलान गांव में लगभग 35 से 40 ईसाई परिवार रहते हैं। नय्यर के अनुसार, मस्जिद से घोषणाओं के कुछ ही समय बाद कोट लाधा पुलिस के अधिकारी वहां पहुंचे और ईसाई निवासियों को सलाह दी कि वे संभावित हिंसा से

बचने के लिए एहतियात के तौर पर अपने घर छोड़ दें। उन्होंने कहा, ज़्यादातर ईसाई परिवार सिर्फ अपना जरूरी सामान लेकर ही वहां से भाग गए थे। इस बीच, पुलिस ने पास्टर सजील के पिता रॉबिन मसीह और उनके मामा शमौन मसीह को सुरक्षा के लिए अपनी कस्टडी में ले लिया, जबकि उनके भाई नबील रॉबिन गिरफ़्तारी से बचने के लिए छिप गए। नय्यर ने स्थानीय पुलिस, गाँव के मुखिया मुहम्मद आसिफ गुज्जर और मुस्लिम निवासियों को इसका श्रेय दिया कि उन्होंने स्थानीय धर्मगुरुओं से बातचीत करके स्थिति को शांत करने में मदद की। उन्होंने कहा, अगर पुलिस और स्थानीय मुसलमानों ने दखल न दिया होता, तो स्थिति आसानी से हिंसा में बदल सकती थी। उन्होंने विरोध कर रहे धर्मगुरुओं से आग्रह किया कि वे बेगुनाह ईसाइयों को निशाना न बनाएं और उन्हें भरोसा दिलाया कि अगर जरूरी हुआ तो जिम्मेदार लोगों के ख़िलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। नय्यर ने बताया कि इन आश्वासनों के बाद, स्थानीय धर्मगुरुओं और मुस्लिम समुदाय के नेताओं ने पुलिस को एक हस्ताक्षरित बयान सौंपा। इसमें कहा गया कि रॉबिन मसीह और शमौन मसीह द्वारा बिना शर्त माफ़ी माँगने और सार्वजनिक रूप से पास्टर सजील रॉबिन से दूरी बना लेने के बाद, वे उन्हें माफ़ कर रहे हैं। नय्यर ने कहा कि समझौता होने के बाद, विस्थापित ईसाई परिवार शनिवार शाम (4 जुलाई) को गाँव लौट आए और स्थानीय सेवंथ-डे एडवेंटिस्ट चर्च में रविवार की प्रार्थना सभा में शामिल हुए। उन्होंने यह भी कहा कि तनाव कम करने के लिए पुलिस ने शायद विरोध कर रहे धर्मगुरुओं को भरोसा दिलाया होगा कि वे नबील रॉबिन को गिरफ़्तार कर लेंगे। उन्होंने कहा, अब तक मसीह परिवार के किसी भी सदस्य के खिलाफ कोई स्न्ढ्ढक्रदर्ज नहीं की गई है। लेकिन कानूनी कार्रवाई की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। बार-बार कोशिश करने के बावजूद मसीह परिवार के सदस्यों से टिप्पणी के लिए संपर्क नहीं हो सका। कोट लधा पुलिस के एक अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर कहा (क्योंकि उन्हें मीडिया से बात करने की इजाजत नहीं थी) कि पुलिस की त्वरित कार्रवाई ने स्थिति को बिगड़ने से रोक दिया।

एपल को कानूनी झटका: ईयू में कंपनी की याचिका खारिज, आईमैसेज की आपत्तियां भी अयोग्य करार

ब्रुसेल्स, एजेंसी। प्रौद्योगिकी कंपनी एपल को यूरोपीय संघ (ईयू) के प्रतिस्पर्धा-रोधी नियमों के खिलाफ चल रही कानूनी लड़ाई में बुधवार को बड़ा झटका लगा है। शीर्ष ईयू अदालत ने एपल की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें कंपनी ने अपने एप स्टोर और ऑपरेटिंग सिस्टम आईओएस को गेटकीपर (बाजार नियामक या एकाधिकार वाली बड़ी तकनीकी कंपनी) श्रेणी में डाले जाने को चुनौती दी थी। ईयू के डिजिटल बाजार अधिनियम के तहत यह वर्गीकरण किया गया है, जिसका उद्देश्य एपल जैसी दिग्गज कंपनियों के एकाधिकार को कम कर छोटी प्रतिस्पर्धी कंपनियों को बाजार में समान अवसर देना है। मई 2023 से प्रभावी अधिनियम वैश्विक टेक कंपनियों की मनमानी रोकने के लिए क्या करें और क्या न करें की एक सख्त आचार संहिता तय करता है। नियमों का उल्लंघन करने पर कंपनियों पर उनके वैश्विक वार्षिक कारोबार का 10% तक भारी जुर्माना लगाने का प्रावधान है। यह सख्त कानून लागू होने के बाद से ही एपल, मेटा और बाइटडांस जैसी बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने इसके विरुद्ध कानूनी मोर्चे खोल दिए। ईयू कोर्ट के इस ताजा फैसले से उन अविश्वास-रोधी नियामकों की स्थिति बेहद मजबूत हो गई, जो यूरोपीय उपभोक्ताओं को तकनीकी सेवाओं के चयन के अधिक विकल्प देने की पैरवी कर रहे हैं। अदालत ने एप स्टोर, आईओएस के संबंध में गेटकीपर ब्रांडिंग के विरुद्ध एपल की याचिकाओं को खारिज कर आईमैसेज सेवा की आपत्तियों को भी सुनवाई के अयोग्य करार दिया। इस अदालती फैसले के बाद एपल ने एक बार फिर डिजिटल बाजार अधिनियम की तीखी आलोचना की है। एपल प्रवक्ता ने कहा, यह कानून हमारे द्वारा दशकों से तैयार किए गए गोपनीयता और सुरक्षा चक्र को कमजोर करेगा, जिससे यूजर्स नए साइबर खतरों के प्रति संवेदनशील हो जाएंगे। कंपनी ग्राहकों के अधिकारों के लिए कानूनी प्रयास जारी रखेगी।

ट्रंप प्रशासन ने शुरू की एच-1बी धोखाधड़ी की बड़ी जांच

दर्जनों लोगों को जारी किए समन

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप प्रशासन ने एच-1बी वीजा और पीईआरएम रोजगार वीजा से जुड़ी कथित धोखाधड़ी की अपनी पहली बड़ी जांच शुरू कर दी है।

अमेरिकी श्रम विभाग ने कहा है कि जांचकर्ताओं ने श्रमिकों की तस्करी और विदेशी कामगार कार्यक्रमों के दुरुपयोग की व्यापक जांच के तहत पहले ही दर्जनों समन जारी कर दिए हैं। एक संघीय श्रम अधिकारी ने बताया कि जांच के दायरे में आने वाली कंपनियों में आइटी कंपनी काग्निजेंट भी शामिल है।

श्रम विभाग के महानिरीक्षक एंथनी डीएस्पोसिटो ने बताया कि यह जांच विदेशी श्रमिकों से जुड़ी धोखाधड़ी के विरुद्ध महानिरीक्षक कार्यालय द्वारा अब तक की गई सबसे सख्त कार्रवाइयों में से एक होगी।

उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा कि जांचकर्ता ट्रंप प्रशासन और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के नेतृत्व वाले धोखाधड़ी पर कार्यबल के सहयोग से हर सुराग पर काम

करेंगे। साथ ही आरोप लगाया कि विदेशी श्रमिक कार्यक्रमों से जुड़ी धोखाधड़ी बड़े आपराधिक नेटवर्क से जुड़ी हुई है। लिहाजा यह धोखाधड़ी हिंसक अपराधों को बढ़ावा दे रही है। अमेरिका को फिर से सुरक्षित और अधिक किफायती बनाने के लिए ऐसा करना जरूरी है। डीएस्पोसिटो ने कहा, यह सिर्फ कारखानों में काम करने वाले लोगों का मामला नहीं है। ये वे लोग हैं जो चिकित्सा केंद्रों व डाक्टरों के क्लीनिक में काम कर रहे हैं और असल में लोगों को खतरे में डाल रहे हैं। जांचकर्ता पूरे अमेरिका में कारखानों, बंदरगाहों, अस्पतालों और नर्सिंग केंद्रों से जुड़े मामलों की जांच करेंगे। धोखाधड़ी करने वालों को ढूंढ़कर पकड़ा जाएगा। उनकी जांच होगी, उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा और जेल भेजा जाएगा। गौरतलब है कि एच-1बी लाभार्थियों में सबसे बड़ा हिस्सा लगातार भारतीय नागरिकों का रहा है। अमेरिका की नागरिकता व आव्रजन सेवा (यूएससीआइएस) 10 जुलाई से एच-1बी वीजा याचिकाएं और ग्रीन कार्ड आवेदन समेत आव्रजन लाभ अनुरोध (इमीग्रेशन बेनिफिट रिक्वेस्ट) पर हस्ताक्षर करने तरीकों के बारे में नए नियम लागू करेगा। यूएससीआइएस ने एक बयान में कहा, आव्रजन लाभ प्रणाली की विश्वसनीयता बनाए रखने और लाभ मांगने वालों की पहचान सत्यापित करने के लिए यूएससीआइएस गलत हस्ताक्षर वाले किसी भी लाभ अनुरोध को खारिज कर देता है और उसे वापस कर देता है।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित **संपादक- देवन प्रसाद राय** Mob.: 9212228045, 8130691216,
(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/ 49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@ pratahkiran.com, 9971557129, 9334542496